₹2.00

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

नगर निगम की उदासीनता ने बढ़ाई तबाही, जलनिकासी ठप, अतिक्रमण बना संकट

डालटनगंज में रिकॉर्ड बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

- सांसद विष्णुदयाल राम के आवास जलमग्न, कई घरों में घुसा पानी
- रेड़मा, कुंड मोहल्ला, सुरभि नगर, पहाड़ी मोहल्ला समेत निगम के कई वार्ड में 3 से 4 फीट पानी भरा
- 24 घंटे में 158.2 मिमी बारिश मौसम विभाग के अनुसार पिछले साल से 358% अधिक वर्षा
- रांची रोड स्थित भगवती अस्पताल के पास पुलिया के निकट अतिक्रमण, जलजमाव

राणा अरुण सिंह

मेदिनीनगर। पलामू का प्रमंडलीय मुख्यालय डालटनगंज इस बार ऐसी बारिश में डूबा, जिसने न सिर्फ आम जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया, बल्कि प्रशासनिक तैयारियों की पोल भी खोल कर रख दी। बीते 18 घंटे में रिकॉर्ड 158.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार यह पिछले वर्ष की तुलना में 358 प्रतिशत अधिक है। यह बारिश शहर के लिए एक चेतावनी नहीं, बल्कि सीधा संकट बनकर आई।

लगातार हो रही बारिश से शहर के अधिकांश इलाके जलमग्न हो गए। रेड़मा, शांतिपुरी, कुंड मोहल्ला, सुरभि नगर, ब्राइटलैंड स्कूल रोड, बिजली कार्यालय के पीछे, कुमारटोली, पहाड़ी मुहल्ला, पुलिस लाइन, रेलवे स्टेशन, हनुमान नगर क्षेत्र सहित अधिकांश मोहल्लों में दो से चार फीट पानी जमा रहा। कई घरों में रसोई, शौचालय और बेडरूम तक में गंदा पानी भर गया। हालात इतने बदतर हो गए कि डालटनगंज सांसद विष्णुदयाल राम के आवास व सड़क भी पूरी तरह जलमग्न हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सांसद के सरकारी आवास में भी पानी भर गया। इस घटना ने लोगों को और ज्यादा विचलित कर दिया। जब सांसद का आवास तक डूब गया, तो आम नागरिकों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

रांची रोड स्थित भगवती अस्पताल के पास पुलिया को अतिक्रमण कर बंद कर दिया गया है, जिससे पानी का बहाव रुक गया और दर्जनों घरों में पानी घुस गया। राष्ट्रीय नवीन मेल का प्रेस परिसर भी तीन फीट तक पानी में डूब गया, जिससे प्रकाशन कार्य प्रभावित हुआ।

शहर के लोग घंटों तक नगर निगम को फोन करते रहे लेकिन न कोई अधिकारी पहुंचा, न कोई पार्षद दिखाई दिया। कई इलाकों में पीड़ितों ने खुद पानी निकालने की कोशिश की। हनुमान नगर के लोगों ने डालटनगंज-पांकी रोड को कुछ देर के लिए जाम भी कर दिया।

इधर, कोयल, औरगा, अमानत व सोन नदियां भी उफान पर हैं। गुरसूती नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जिला प्रशासन ने गुरसूती पुल पर आवागमन पर रोक लगा दी है। मोहम्मदगंज में भीम बराज के 38 गेट खोल दिए गए हैं और 2.7 लाख क्यूसेक पानी सोन नदी में छोड़ा गया है। रिहंद व बाणसागर जलाशयों से भी भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया है, जिससे सोन नदी में बाढ़ की स्थिति बन गई है।

बुधवार सुबह तक बारिश नहीं थमी थी। कई निचले इलाकों में स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया। डीसी समीरा एस व एसपी रीष्मा रमेशन की अगुवाई में आपदा प्रबंधन को लेकर समाहरणालय में विशेष बैठक बुलाई गई। पलामू पुलिस ने 112 और 7070452955 नंबर जारी कर लोगों से किसी भी आपात स्थिति में संपर्क करने की अपील की है।

शहर में जलनिकासी व्यवस्था की खामियां खुलकर सामने आई हैं। नगर निगम द्वारा नालों की समय पर सफाई नहीं की गई, कई जगह अतिक्रमण ने जलप्रवाह को बाधित किया, और आपदा की घड़ी में जिम्मेदारों की अनुपस्थिति ने लोगों को बेसहारा छोड़ दिया।

शहर के व्यवसायी आलोक माथुर, रेलवे कर्मी संजय पासवान, सुदना निवासी अजय सिंह सहित कई नागरिकों के घरों में तीन फीट तक पानी भर गया।

बहरहाल, स्थिति की गंभीरता यह बता रही है कि अब केवल राहत कार्य काफी नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रबंधन तंत्र पर सवाल उठाने की जरूरत है। लोग जानना चाहते हैं कि क्या हर साल ऐसी ही स्थिति दोहराई जाएगी, या कोई ठोस समाधान सामने आएगा।

झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक 24 को

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक 24 जुलाई को प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में होनेवाली मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगाई जाएगी। यह जानकारी बुधवार को मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने दी।

झारखंड के छह जिलों में 17 को भारी बारिश की संभावना

रांची। झारखंड के 6 जिलों में गुरुवार को भारी बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी है। विभाग के अनुसार राज्य के जिन जिलों में भारी बारिश हो सकती है उनमें पलामू, गढ़वा, कोडरमा, लोहरदगा और कोडरमा और चतरा शामिल है। इन जिलों में कहीं-कहीं आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं पिछले 24 घण्टों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश साहिबगंज जिले के राजमहल में 187.2 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। वहीं इस दौरान रांची में नौ मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इधर, बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही हल्के दर्ज की बारिश दर्ज की गई। साथ ही दिनभर बादल छाए रहे और बारिश होती रही। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री, जमशेदपुर में 31.5, डालटेनगंज में 28.6, बोकारो में 28.2 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सांसद ने नगर निगम की जलजमाव स्थिति पर जताई निराशा, कहा-

सहयोग नहीं मिलेगा तो हालात ऐसे ही रहेंगे

- "मेरे घर में भी भरा पानी, चार-पांच सांप निकले, लोगों को बाहर भेजना पड़ा", बोले सांसद वीडी राम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लगातार हो रही बारिश से उत्पन्न जलजमाव की स्थिति पर पलामू सांसद वीडी राम ने गहरी नाराज़गी और चिंता जताई है। उन्होंने नगर निगम क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही नालियों और जल निकासी की समस्या को जनसहयोग की कमी से जोड़ा। सांसद ने कहा कि नगर निगम में कई जगह रूम पाइप (वॉटर ड्रेनेज पाइप) लगाने के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा लगातार पहल की गई, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के कारण यह कार्य नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि जब वर्तमान डीडीसी जावेद हुसैन शेष पेज 11 पर...

ड्रेनेज का रोडमैप तैयार करे नगर निगम नहीं तो हालात होंगे और बदतर : अरुणा

- नक्शा पास न होने व भूखंड मालिकों के असहयोग से बिगड़ रहा शहर का सिस्टम

मेदिनीनगर। बारिश के बाद उत्पन्न बाढ़ जैसी स्थिति को लेकर नगर निगम की विफलता पर पूर्व मेयर अरुणा शंकर ने तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते नगर निगम ड्रेनेज का सुव्यवस्थित रोडमैप बनाता और उस पर कार्रवाई करता, तो शहर आज जलजमाव की इस दुर्दशा से नहीं गुजरता। अरुणा शंकर ने कहा कि नक्शा पारित नहीं होने के कारण जगह-जगह अतिक्रमण और ब्लॉकेज हो रहा है। अगर नक्शा पास होता तो लोग नियमानुसार नाली और सड़क के लिए जगह छोड़ते। शेष पेज 11 पर...

नाली निर्माण में अनियमितता ही जलजमाव की जड़, निगम सोच-समझकर करे काम : पूनम

- पूर्व अध्यक्ष ने नगर निगम की कार्यशैली पर उठाए सवाल, कहा- नालियों पर खर्च हुए लाखों, फिर भी घरों में घुस रहा पानी

मेदिनीनगर। लगातार हो रही बारिश के बीच मेदिनीनगर शहर में जलजमाव की गंभीर स्थिति को लेकर नगर परिषद की पूर्व अध्यक्ष पूनम सिंह ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि शहर के विभिन्न इलाकों में लोगों के घरों तक पानी पहुंचना नाली निर्माण में हुई अनियमितताओं का परिणाम है। उन्होंने कहा कि लोग त्राहिमाम कर रहे हैं, घरों में पानी घुस चुका है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि नाली शेष पेज 11 पर...

नाली के नाम पर सिर्फ लीपापोती, अतिक्रमण और ठेकेदारी ने शहर को डुबोया : सुरेंद्र प्रसाद

- पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल, कहा – गुणवत्ता नहीं, बस ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने की हो रही कोशिश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बारिश के बाद बनी जलजमाव की स्थिति को लेकर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने नगर निगम की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि नाली के नाम पर सिर्फ लीपापोती की गई है और असल उद्देश्य सिर्फ ठेकेदारों को लाभ पहुंचाना रह गया है, न कि शहरवासियों को राहत देना। उन्होंने आरोप लगाया कि नालियों का निर्माण तो किया गया, लेकिन उनकी उपयोगिता और प्रासंगिकता पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, "सूर्य मंदिर तालाब के पास जो नाली बनाई गई है, उसमें एक बूंद पानी नहीं जाता। शेष पेज 11 पर...

अतिक्रमण बना जलजमाव का कारण, अब सख्ती से निपटेगा नगर निगम : सहायक नगर आयुक्त

- विश्वजीत ने बताया- 10-12 जगहों पर नाला और सड़क अतिक्रमित, दो स्थानों पर जेसीबी से कराया गया निकासी कार्य

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र में जलजमाव की गंभीर स्थिति पर सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत ने कहा है कि शहर के कई इलाकों में नाला और सड़क के पास अतिक्रमण के कारण पानी की निकासी बाधित हो रही है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर निगम आने वाले दिनों में इस तरह के अवैध अतिक्रमण पर सख्ती से कार्रवाई करेगा। सहायक नगर आयुक्त के अनुसार, जानकारी मिली है कि करीब 10 से 12 स्थानों पर नाले और सड़कों के किनारे लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है, जिससे बारिश का पानी बह नहीं पा रहा है शेष पेज 11 पर...

लुगू पहाड़ के काशीटांड़ जंगल में पुलिस और नक्सलियों में मुठभेड़

- पांच लाख का इनामी कुंवर माझी मार गया
- मुठभेड़ में कोबरा का एक जवान शहीद
- एक नक्सली और एक ग्रामीण की मौत
- एके-47 राइफल भी पुलिस ने किया बरामद

रांची/बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले के जागेश्वर बिहार थाना क्षेत्र में लुगू पहाड़ के काशीटांड़ जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच बुधवार को हुई मुठभेड़ में पांच लाख का इनामी नक्सली कुंवर मांझी मारा गया है। इस मुठभेड़ में कोबरा बटालियन के एक जवान भी बलिदान हो गए हैं। बोकारो रेंज के आईजी क्रांति कुमार गड़देशी ने बताया कि बुधवार तड़के लुगू पहाड़ी के आसपास नक्सलियों के एक दस्ते के क्रियाशील होने की सूचना मिली, जिसके आधार पर केंद्रीय बलों शेष पेज 11 पर...

इंडिया

विदेशी भाषाओं में पढ़े डॉक्टर स्वीकार्य तो हिंदी में क्यों नहीं?

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

रूस,चीन,ईरान, यूक्रेन, नेपाल जैसे देशों के मेडिकल कॉलेज में पढ़े डॉक्टर भारत में बहुत हैं पर भारत की संपर्क भाषा हिंदी में पढ़ाई पर बहुत से विद्वानों को आपत्ति है। मध्य प्रदेश में हिंदी में चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई को बढ़ावा और छूट देकर पहल की है पर देश में हिंदी एवं अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में मेडिकल शिक्षा को बढ़ावा देने से हम कोसों दूर हैं। संभवतः इसके पीछे विदेशी को श्रेष्ठ और देशी को हेय समझने संबंधी गुलाम मानसिकता का प्रभाव है। यह समझ से परे है कि आजादी के 75 वर्ष बाद वर्ष 2022 में पहली बार मध्य प्रदेश में मेडिकल शिक्षा हिंदी में प्रारंभ हो पाई। हालांकि, कुछ राज्यों ने सीमित तौर पर स्थानीय भाषा में मेडिकल की पढ़ाई संबंधी प्रस्ताव और उद्घोषणाएं की हैं अंग्रेजी का प्रभुत्व बाधा बनी हुई है। मेडिकल की पढ़ाई के बाद चिकित्सक का पूरा जीवन मरीजों की देखरेख में बीतता है उसमें अपना संवाद स्थानीय या मातृभाषा में ही करते हैं। देश के बहुत बड़े अस्पतालों में भी अंग्रेजी में बातचीत करने वाले रोगी बहुत ही कम हैं पर ब्रिटिश औपनिवेशक साम्राज्य का दंभ अब भी चिकित्सा शिक्षा में अपना प्रभुत्व बनाए हुए हैं। दक्षिणी राज्यों में हिंदी के विरोध में तो आंदोलन होते रहते हैं, लेकिन अंग्रेजी के आधिपत्य को कम से कम चिकित्सा शिक्षा से कम करने के लिए कुछ नहीं किया जाता । भारत में चिकित्सा शिक्षा को अंग्रेजी में देना ही क्यों आवश्यक है जबकि तकनीकी शब्दावली आसानी से उपलब्ध है ? राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं वर्तमान सरकार की मंशा स्थानीय भाषाओं को प्रोन्नत करने की है। मौजूदा सरकार अंग्रेजी परस्त नहीं है, इसलिए मेडिकल की पढाई हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषा में प्रदान करने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता।वैज्ञानिक रूप से भी मातृभाषा में शिक्षा सर्वाधिक प्रभावी होती है। ग्रामीण अंचल से आने वाले और 12 वीं तक की शिक्षा हिंदी या स्थानीय भाषा में लेने वाले छात्र यकायक अंग्रेजी आच्छादित वातावरण में खुद को असहज पाते हैं और कई तो भाषा की विवशता के कारण प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाते हैं। उन में हीन भावना भी पैदा हो जाती है। कई बार छात्रों को शिक्षक महत्व नहीं देते साथी उपहास तक उड़ा देते हैं।एआई के युग में अंग्रेजी में ही चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के पीछे शासन की मजबूरियां समझ से परे हैं। मध्य प्रदेश में

शासन की पहल पर लगभग सभी किताबों का हिंदी में अनुवाद कर दिया गया है और हिंदी माध्यम से चिकित्सा शिक्षा हासिल करने पर शुल्क में भी छूट दी जा रही है। शुरुआती वर्ष में ही 30 फीसदी से अधिक छात्रों ने अपनी शिक्षा के लिए हिंदी माध्यम का चुनाव किया। यह बताता है कि छात्रों के मन में अपनी मातृभाषा में पढ़ने की कितनी उत्कंठा है।एक सरल शुरुआत के रूप में सर्वप्रथम परीक्षा के माध्यम में मातृभाषा का विकल्प प्रदान कर विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सक्षम बनाया जा सकता है।

इसके लिए न तो अतिरिक्त अधोसंरचना और न ही उत्तर पुस्तिका जांचने वाले शिक्षकों को अतिरिक्त ज्ञान देने की जरूरत है। यूनिसेफ के एक अध्ययन के अनुसार लगभग तीन चौथाई छात्र अपनी मातृभाषा के अतिरिक्त अन्य भाषा में प्रदत्त ज्ञान को पूर्णता के साथ नहीं समझ पाते। महत्वपूर्ण यह भी है कि जब प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक शिक्षा तक मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण करने के विकल्प बहुतायत में उपलब्ध हैं, तो ऐसे में चिकित्सा शिक्षा के लिए अंग्रेजी की बाध्यता कहां तक न्यायोचित है ? जिस छात्र ने अपनी मातृभाषा में ही शिक्षा ग्रहण की हो, उसके लिए यकायक दूसरी विदेशी भाषा में शिक्षा ग्रहण करना एक दुष्कर कार्य होता है। बौद्धिक विकास के लिए ठोस आधार मातृभाषा के माध्यम से ही स्थापित हो पाता है, कई अध्ययन एकमत से शिक्षा को मातृभाषा के माध्यम से प्रदान करने की वकालत करते हैं। चिकित्सा शिक्षा में तो यह इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि विषय के मूल को स्पष्टता से समझना, प्रचलित एवं विद्यमान बीमारियों के विकल्प में से सही कारण को ढूंढ पाना आवश्यक होता है। यह तब ही संभव हो पाता है, जब मरीज व चिकित्सक के मध्य संवाद प्रभावी एवं स्पष्ट हो। इसके लिए भी माध्यम मातृभाषा ही होता है। जैसे मरीज चिकित्सक संवाद में बीमारी एवं उसके लक्षण पर चर्चा किताबी ज्ञान के अनुरूप न होकर स्थानीय संदर्भ में ही की जाती है, ताकि मरीज एवं चिकित्सा एक स्तर पर रहकर निदान की सही दिशा में अग्रसर हो सकें। उसके साथ ही दोनों के मध्य भावनात्मक जुड़ाव भी समान भाषा से ही बन पाता है। भाषा के माध्यम से ही सांस्कृतिक समझ गहरी होती है और त्रुटि या भावनात्मक आघात की गुंजाइश भी कम हो जाती है। मातृभाषा के विकल्प के साथ अंग्रेजी के अनावश्यक बोझ को दूर कर उसके भय के कारण अंतिम छोर पर बैठे युवा को भी चिकित्सक बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है अन्यथा वह झोला छाप डॉक्टर बन कर रह जाएगा।

मंत्री इरफान अंसारी को झटका, कोर्ट ने खारिज की पेशी से छूट वाली याचिका

रांची। योग शिक्षिका राफिया नाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में आरोपित स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को अदालत से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी सशरीर उपस्थिति से छूट की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। यह आदेश सिविल कोर्ट रांची के एमपी-एमएलए मामलों के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की अदालत ने बुधवार को सुनाया। मंत्री इरफान अंसारी की ओर से 23 मई को यह याचिका दाखिल की गई थी, जिस पर पांच जुलाई को दोनों पक्षों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया गया था। अब उन्हें कोर्ट में सशरीर उपस्थित होना होगा। शिकायतकर्ता राफिया नाज के अधिवक्ता जितेंद्र कुमार वर्मा ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मंत्री का मुख्यालय राजधानी रांची में है, जो अदालत से बेहद निकट है, ऐसे में उपस्थिति से छूट की कोई आवश्यकता नहीं बनती। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से छूट की मांग पर विस्तृत बहस की गई। उल्लेखनीय है कि यह मामला 19 अगस्त शेष पेज 11 पर...

पलामू : बाढ ने इस साल सारे रिकॉर्ड तोड़े, जलमग्न हुआ गांव-शहर

- भीमबराज के 38 गेट खोल गए
- कोयल नदी में 2.70 लाख क्यूसेक छोड़ा गया जलप्रवाह
- स्थिति नियंत्रण में, रखी जा रही 24 घंटे नजर : विनीत

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। कोयल नदी के उपरी जल ग्रहण क्षेत्र और आसपास में हो रही भारी बारिश से बुधवार को एक बार फिर आई बाढ की वजह से भीमबराज के 40 में 38 गेट खोल दिए गए। इससे कोयल नदी के डाउन स्ट्रीम में अबतक का सर्वाधिक जलप्रवाह 2.70 लाख क्यूसेक रिकॉर्ड किया गया। बताया गया इस बार के जलप्रवाह ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। कार्यपालक अभियंता विनीत प्रकाश ने इसकी पुष्टि करते हुए स्थिति को नियंत्रण में बताया है। उन्होंने बताया कि बराज कंट्रोल रूम में उनकी और सहायक अभियंता सुलेंद्र कुमार की निगरानी में जेई निर्भय कुमार, शुभम राज, अनिल कुमार व अन्य 24 घंटे स्थिति पर नजर रख रहे हैं। नदी जलप्रवाहित करने के गेट खोले जाने से पहले सायरन बजाकर आगाह कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि मुख्य नहर के जलप्रवाह को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। इसकी वजह गाद भरने से नहर को बचाने के साथ किसानों को पानी की जरूरत का नहीं होना है। उन्होंने बताया कि बीते साल 3 अगस्त को कोयल नदी में 1.24 लाख क्यूसेक ही जलप्रवाह दर्ज हुआ था। हालांकि एहतियातन तब भी भीमबराज के 40 में 38 गेट खोलना पड़ा था। इसके बाद चालू वर्ष के 19 जून को 2.5 लाख क्यूसेक जलप्रवाह दर्ज हुआ था। तब भी 40 में 38 गेट खोल दिए गए थे। इस बार की बाढ ने इन सारे रिकॉर्ड को तोड़ दिए हैं।

हैदरनगर : बरसात के पानी से नरक बना शहर और बाजार

हैदरनगर। मंगलवार की आधी रात से शुरू झमाझम बारिश से हैदरनगर प्रखंड क्षेत्र के खेतों में पानी भर गए हैं। लगातार बारिश ने क्षेत्र के किसान खेती में लग गए हैं। जहां एक ओर धान की रोपाई को गति मिली है, वहीं दूसरी ओर मक्का, अरहर, मूंगफली, तिल और सरसों जैसी फसलों पर इसका प्रतिकूल असर देखने सुनने को मिल रहा है। किसान अनूप कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह, गायत्री देवी, अनीता देवी आदि ने कहा कि लगातार वर्षा से दलहन की जड़ें गल जाती हैं और फूल और फल का विकास रुक जाता है। मूंगफली और तिल जैसी फसलों में भी यही खतरा है। कई खेतों में बीज सड़ने लगे हैं जिससे किसानों को दोबारा बुआई की नौबत आ सकती है। बारिश ने जहां धान की खेती के लिए राहत दी है, वहीं मक्का, अरहर, मूंगफली, तिल जैसी फसलों के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। उधर लगातार 14 घंटे से रिमझिम बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त होने लगा है। अत्याधिक वर्षा से जनजीवन भी पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई है, तो वहीं कई घरों में पानी घुसने की भी सूचना आने लगी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचा है जबकि शहरों में नालियों का पानी सड़कों पर बहने से सभी गली मुहल्लों सहित बाजार का मुख्य पथ भी नरक रूप ले लिया है। बारिश से सड़क और पुलिया में पड़ी दरार।

बारिश के कारण बटाने नदी का जलस्तर बढ़ा

नौडीहा। नौडीहा प्रखंड में 12 घंटे से हो रही भारी बारिश से प्रखंड के बटाने नदी, सोरहर मोरहर नदी में पानी के जलस्तर बढ़ गया है। वहीं दूसरी ओर प्रखंड खैरदोहर डगरा शाहपुर सहित कई इलाकों में घर कचा के मकान गिरने की सूचना है। इधर नौडीहा थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी एवं अंचलाधिकारी रामनारायण खलको ने प्रखंड बटाने डैम के निरीक्षण कर वहां पर सभी लोग से सेल्फी लेने और बटाने डैम पर जाने से रोक लगा दी है। बताया जाता है कि सेल्फी लेने और डैम में नहाने के क्रम में पूर्व में कितने लोग के जान जा चुकी है।

सड़क नवनिर्माण के गुणवत्ता की खुली पोल

हैदरनगर। पलामू जिले के हैदरनगर प्रखंड मुख्यालय से सटे गोल्हना मोड़ के समीप हाल ही में नवनिर्मित पुलिया और सड़क की गुणवत्ता की पोल वर्तमान में हो रही तेज वर्षा के झोंका ने झील दी है। इसमें आई दरारें ही ग्रामीणों के बीच नवनिर्माण की माखौल उड़ाने लगी है। इससे आवागमन पर संकट मंडराने लगा है। हैदरनगर-पतरिया होते संड़ेया जाने वाली यह मुख्य सड़क बारिश से काफी दूर तक क्षतिग्रस्त हो गई है। उत्पन्न उस हालात के बाद क्षेत्रीय ग्रामीणों और राहगीरों में नाराजगी है। वहीं समय रहते इसकी मरम्मत नहीं होने पर बड़ा हादसा होने की भी आशंका प्रबल हो है। हालांकि इस बारिश से धान के लिए वरदान, तो शेष फसलों के लिए अभिषाप मानी जा रही है। लगातार बारिश ने हैदरनगर प्रखंड के किसानों के बीच मिश्रित प्रभाव में जहां एक ओर धान की रोपनी को जरूरी नमी और गति मिली है। वहीं मक्का, अरहर, मूंगफली, तिल और सरसों जैसी खरीफ फसलें प्रभावित होने की आशंका व्यक्त की जा रही हैं। लगातार बारिश से हैदरनगर सहित प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में पेड़ और बिजली तार गिरने की भी घटनाएं हुई हैं। नौडीहा, पतरिया, गोल्हना, बरेवा, बरवाडीह, हैदरनगर बाजार क्षेत्र के मरघटिया रोड में मंगलवार की आधी रात तार गिरने से समूचा इलाका में बिजली आपूर्ति 15 घंटा बाद भी चालू नहीं किए जाने से निजी घरों के मोटर पंप बंद होने से पानी और रोशनी की किल्लत सहित अधिकांश लोगों का मोबाइल ऑफ हो गया है।

भारी बारिश से कोयल नदी उफान पर

ऊंटारी रोड़। दो दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण कोयल नदी उफान पर है। ऊंटारी रोड़ के कोयल नदी तटीय क्षेत्रों में पानी भर गया है। पानी का बहाव तेज होने के कारण गढ़वा जिला के मझिआंव,पलामू के ऊंटारी रोड को जोड़ने के लिए कोयल नदी उफान पर है। उधर बारिश के कारण कई क्षेत्रों में नदी का पानी आ गया है। कोयल नदी में आए उफान के कारण संकट मंडरा रहा है। उधर कोयल नदी में आई बाढ़ का पानी देखते के लिए लोगों की भीड़ रही। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दुबे व प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण कुमार भगत भी मौके पर पहुंच सुरक्षा की दृष्टिकोण से निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों से बेवजह घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी। बच्चों को नदी नालों व तालाबों से दूर रहने का अपील किया है।

परता के मुरही नाला में उफना बाढ़ का पानी

हैदरनगर। पलामू जिले के हैदरनगर प्रखंड अंतर्गत परता पंचायत स्थित मुरही नाला में आई बाढ़ से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। नदी और पुराने पुल के कटाव इससे जुड़ी मिट्टी बहने लगी है। जिससे पानी का बहाव सीधे खेतों की ओर रुख कर गया है। फलस्वरूप धान की बिचड़ा (नर्सरी) चार से पांच फीट पानी में डूब गई है। किसान चिंतित हैं कि यदि आगामी दिनों में पानी की रफ्तार नहीं घटा, तो नर्सरी गलकर पूरी तरह नष्ट हो सकती है। जिससे खेती पर भी गंभीर असर पड़ेगा। पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पाण्डेय, मुखिया कमल कुमार पासवान ने बताया कि गांव के समीप नया पुल निर्माण कार्य वर्षों से अधूरा पड़ा है, जिससे ग्रामीणों को सड़क मार्ग से अस्पताल, रेलवे स्टेशन और स्कूल तक पहुंचने में भारी कठिनाई सामना करना पड़ सकता है। वर्तमान बारिश के कारण स्थिति और भी विकट हो गई है। उन्होंने प्रशासन से यथाशीघ्र अधूरे पुल का निर्माण कार्य पूरा कराने और बाढ़ के स्थायी समाधान की योजना बनाने की मांग की है।

कोयल नदी के बाढ का पानी एक बार फिर सहार विहरा गांव में घुसा

मोहम्मदगंज। कोयल नदी एक बार फिर बुधवार को उफान पर रही। इस बार इसके जलस्तर ने हाल के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस क्षेत्र के साथ ही नदी के उपरी जल ग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश से बाढ का भयानक मंजर देखने को मिला। इस बार भी बाढ प्रखंड क्षेत्र के सहारविहरा गांव में समा गया। इससे कई घर और एकड़ भूमि जलमग्न हो गए थे। इससे अवधेश सहार, केके शर्मा, मानिकचंद्र शर्मा, फुलेंद्र शर्मा, गोपाल शर्मा, संजय शर्मा और कौशलेंद्र शर्मा सहित कई ग्रामीण व किसान प्रभावित बताए गए। बाढ की वजह से भजनियां-कोल्हुआ-पंसा-हैदरनगर पथ पर आवागमन भी बंद हो गया। इससे पहले 19 जून को आई बाढ भी गांव में समा गया था। जबकि बीते वर्ष ऐसा मंजर 3 अगस्त को देखा गया था। ग्रामीणों का कहना है कि वे वर्षों से बाढ की त्रासदी झेलते आ रहे हैं। गांव को बाढ के खतरा से बचाव के लिए तटबंध निर्माण की मांग को लेकर दिवंगत प्रोफेसर त्रिपुरारी सहार ने लंबी लड़ाई भी लड़ी थी। वे भाजपा के नामचीन नेता भी थे। पार्टी की सरकार राज्य में लंबे समय तक रही। केंद्र में इसकी सरकार और सांसद हैट्रिक लगा चुके है। इसके बावजूद इस गांव को बाढ की त्रासदी से मुक्त कराकर त्रिपुरारी सहार के सपने को पूरा नहीं किया जा रहा है। उन्हें इसका मलाल है।

प्रखंड में भारी बारिश से सभी नदी नाले उफान पर

सतबरवा। प्रखंड के आसपास के क्षेत्रों में 24 घंटे से हो रही लगातार बारिश से प्रखंड के सभी नदी नाले उफान पर हैं। लोगों का जन-जीवन हुआ अस्त व्यस्त हो गया है। 24 घंटे से हो रही लगातार बारिश से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई है। वहीं जनजीवन पूरी तरह रुक सा गया है। लोहरा पोखरी शिव मंदिर के पास का छलका पुल के उपर 2 फिट पानी पार करने से बोहीता पंचायत समेत कई गांव लोहरा पोखरी, लोहड़ी, जोगिया पोखरी, सेहरा, नौरंगा के ग्रामीणों को बहुत परेशानी हो रही है। प्रखंड की लाइफ लाइन कहें जाने वाली मलय नदी एवं औरंगा नदी उफान पर है। वहीं एन एच 39 रांची मेदिनीनगर मुख्य मार्ग पर जगह-जगह पर डेढ़ से दो फिट गढे हो गए है फिर भी लोग अपनी जान जोखिम में डालकर सड़क पर चल रहे हैं। बारिश ने प्रखंड के किसानों की भी चिंता बढ़ गई है। जहां मक्के की फसल की भी बुवाई नहीं हो पाई और भारी बारिश से खेत में पानी जमा होने से धान के बिचड़े भी खराब हो रहे हैं।

हुसैनाबाद में लगातार बारिश से सोन नदी का जलस्तर बढ़ा

हुसैनाबाद। दो दिनों से लगातार बारिश होने से देवरी सोन नदी का जलस्तर बढ़ने से खतरा बढ़ गया है। हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत सभी शहरी क्षेत्रों में जल-जमाव से स्थिति अस्त-व्यस्त हो गया है। हुसैनाबाद अनुमंडल का कपूरी मैदान, पोस्टमार्टम हाउस, अनुमंडल कार्यालय समेत इलाके का पूरा क्षेत्र जलमग्न हो गया है। जबकि वीआईपी व पदाधिकारी लोग भी इसी इलाके से निवास करते हैं, जो इलाका पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। जनता को झूठा आश्वासन के सिवा कुछ भी नहीं मिला। हद तो तब हो जाती हैं कि इस दुर्लभ दीन-दशा में पोस्टमार्टम हाऊस खुद पानी में तैर रहा है। बहरहाल चाहे जो भी हो जनता को झूठा आश्वासन के शिवाय कुछ मिलने वाली नहीं हैं। पिछले 15 साल में शहर की आबादी बढ़ी, नए घर भी बढ़े, परंतु सुविधाएं नहीं बढ़ी। विगत पंन्द्रह वर्षों के अंदर शहरी क्षेत्र की आबादी बढ़ चुकी है। इस कारण न्यू घर और पक्कीकरण निर्माण हो रहा हैं, लेकिन निर्माण कार्य के साथ साथ नियम की अनदेखी कर केवल पीसीसी सड़क का कार्य हो रहा है और नाली का निर्माण रुका हुआ है। दूसरी तरफ पूर्व में जो बड़ी नाली का निर्माण कराया गया है, उसमें पानी निकासी का कोई साधन नहीं बनाया गया। सिर्फ जिलेबिया नाली की तरह सड़क किनारे किनारे घुमा दिया गया। पानी की निकासी किधर करनी है, इसकी पैमाना तय नहीं किया गया। आज शहर की स्थिति काफी नारकीय हो गई हैं। इसका कारण है कि अधिकतर पानी नाली के अंदर फॉलो कर रहे हैं और पानी नहीं निकासी होने के कारण पूरा शहर जलमग्न होने की विधि अगर समय पर या नहीं दिया गया तो पटना वाली कहानी हुसैनाबाद में भी होगी। वहीं पीसीसी रोड के बगल मे फेवर ब्लॉक लगाया गया था, परंतु डस्ट डालकर दुकानदारों द्वारा उसे भी भर दिया गया है। परंतु इसे देखने वाला कोई नहीं है।

लाइनमैन का दरवाजा पीटते रहे उपभोक्ता 18 घंटे से बंद है बिजली, लोगों में रोष

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पलामू जिले के हैदरनगर इलाके में मंगलवार की मध्यरात से गुल हुए बिजली के बुधवार की सुबह तक आपूर्ति बहाल नहीं होने से उपभोक्ताओं ने ही भागदौड़ शुरू कर दी। बाजार क्षेत्र हैदरनगर की तकनीकी देखरेख और रखरखाव का जिम्मा विभागीय लाइनमैन रंजीत कुमार के जिम्मे है। इनके किराए के मरघटिया रोड स्थित आवास पर दर्जनों उपभोक्ता बुधवार की सुबह 6 से 7 बजे तक कई बार दरवाजा पीटते रहे। पर कर्मी की कुंभकर्णी निंद्रा नहीं टूटी और न ही दरवाजा खुला। इस कर्मी के आसपास ही ढोढा नामक स्थान पर बीती मध्यरात ही टूटने पूरे इलाके ने बिजली की बाधित आपूर्ति दूसरे दिन शाम चार बजे तक चालू नहीं हो सकी है। इससे उपभोक्ताओं में जमकर रोष है। अधिकांश घरों में पानी, रोशनी, मोबाइल, इनवर्टर ऑफ की स्थिति में परेशान उपभोक्ता विभागीय अधिकारी और कर्मियों को मोबाइल लगाते रहे। दूसरे दिन दोपहर तक सभी रहनुमाओं के मोबाइल का स्विच ऑफ मिलता रहा। हालांकि हैदरनगर सहित प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बिजली तार गिरने की भी घटनाएं हुई हैं।

भारी बारिश से सभी नदी-नाले उफान पर

पांकी। प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार की शाम से हो रही लगातार बारिश से प्रखंड के सभी नदी-नाले उफान पर हैं। वहीं भारी बारिश से प्रखंड क्षेत्र के कई कच्चे मकान भी ध्वस्त हो गए हैं। 12 घंटे से ज्यादा अवधि से हो रही लगातार बारिश से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है, वहीं जनजीवन पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है। प्रखंड की प्रमुख नदी अमानत उफान पर है, वहीं माड़न मुख्य सड़क पर पुलिया के ऊपर से पानी गुजर रहा है। बावजूद लोग अपनी जान जोखिम में डालकर रास्ते से गुजर रहे हैं। प्रखंड के ताल पंचायत के आबुन गांव में करम भुइया का घर भरभरा कर ढह गया व लोग बाल बाल बच गए। वहीं प्रखंड के अन्य पंचायतों भी मकान क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई है। बारिश ने प्रखंड के किसानों की भी चिंता बढ़ा दी है।

लागातार बारिश से घरों में घुस रहा बरसात का पानी

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। लगातार हो रही भारी बारिश में विश्रामपुर नगर परिषद व ग्रामीण क्षेत्रों में जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोग अपने घरों में कैद सा हो गए हैं। लोगों को अपनी जरूरतों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र की सभी छोटी-बड़ी नदी-नाले उफान पर बह रही है। सभी डोभा, आहर,पोखर व तालाब भर चुका है। इतना हीं नहीं ग्रामीण क्षेत्रों में दर्जनों कच्चे मकान ध्वस्त हो गए। लगातार हो रही बारिश व हल्की हवा की झोंकों में बी-मोड़-ऊंटारी मुख्य पथ पर अवस्थित लरंगाहां गांव के पास एक विशाल वृक्ष सड़क पर गिर गया। जिसके कारण दो घंटे तक यातायात भी प्रभावित रहा। विश्रामपुर नगर परिषद स्थित रेहला का विशुनपुर टोला में जलजमाव से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई घरों में बरसाती पानी घुस गए। वहीं पुराने पंचायत भवन के पीछे बसी न्यू कॉलोनी में भी जल जमाव लोगों के परेशानी का एक बड़ा कारण बन गया। कॉलोनी जाने वाली पीसीसी पथ के ऊपर से तीन फीट पानी बह रहा है। जिसके कारण सड़क दिखाई नहीं दे रहा, लोग घरों में कैद हो गए हैं। स्थानीय लोगों के द्वारा घटना क्रम की जानकारी मिलते हीं अंचलाधिकारी राकेश कुमार तिवारी व नगर परिषद के नगर प्रबंधक प्रभात कुमार प्रभावित मुहल्लों का भ्रमण कर स्थिति की जानकारी ली। नगर परिषद के द्वारा संज्ञान लेते हुए दोनों मुहल्ले में जेसीबी मशीन लगवाकर पानी का निकासी को ले रास्ते बनवाए गए। इधर बिजली विभाग की जर्जर व्यवस्था खंभा व तार आदि के कारण विद्युत सेवा प्रभावित रहा। 16 घंटों से विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रहा है। विश्रामपुर अंचलाधिकारी राकेश कुमार तिवारी ने सभी डोभा, आहर,पोखर, नदी-नाले, तालाब आदि से लोगों को दूर रहने की अपील किया है। साथ हीं अपनी छोटे नन्हे बच्चों को जाने से रोके। छोटी सी लापरवाही भारी पड़ सकती हैं।

वरीय भाजपा नेता टिकैत चौबे का निधन

विश्रामपुर (पलामू)। वरिष्ठ भाजपा नेता 78 वर्षीय सुशील कुमार चौबे उर्फ टिकैत चौबे का निधन बुधवार को हो गया। जानकारी के अनुसार बुधवार के सुबह 7.30 बजे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगा। परिवार के सदस्यों ने रेहला में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर के एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान ही उनका निधन हो गया। वे अपने पीछे पांच पुत्री व दो पुत्र सहित पूरा भरा पूरा परिवार छोड़ गए। टिकैत चौबे के छोटे पुत्र पूर्व प्रमुख संतोष चौबे ने बताया कि उनका दाह संस्कार गुरुवार को पैतृक गांव केतात के ही श्मशान घाट पर किया जाएगा। अंतिम दर्शन के लिये उनका पार्थिव शरीर रेहला थाना क्षेत्र अंतर्गत केतात गांव स्थित उनके पैतृक आवास पर रखा गया है।

न्यूज बॉक्स

घरों में घुसा बरसात का पानी, सड़क पर लग जा रही गाड़ियों की लंबी कतार

विश्रामपुर। भारत माला प्रोजेक्ट के तहत भोगू से शंखा गांव तक एनएच-39 फोरलेन सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है। यह निर्माण कार्य भारत वाणिज्य इस्टर्न कंपनी लिमिटेड के द्वारा कराया जा रहा है। फोरलेन निर्माण कार्य करा रही भारत वाणिज्य ईस्टर्न कंपनी की लापरवाही के कारण ब्रहमोरिया मोड़ किचड़ में तब्दील हो गई है। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं सड़क किनारे अवस्थित एक दर्जन से अधिक घरों में पानी घुस गया है। जिसके कारण घरों में रखे खाद्य सामग्री सहित अन्य सामान बर्बाद हो गया। लोगों का जीना दुभर हो गया है। लेकिन इससे निर्माण कार्य करा रही कंपनी को कोई फर्क नहीं। बारिश ने एनएच 39 फोरलेन का निर्माण कार्य करा रही भारतीय वाणिज्य ईस्टर्न लिमिटेड कंपनी की पोल खोल कर रख दी है। इतना हीं नहीं ब्रहमोरिया मोड़ पर अंडर पास का भी निर्माण हो रहा, जिसके कारण पूर्व के सड़क को खोद दी गई। सड़क के दोनों किनारे सर्विस रोड बनाया जाना है। लेकिन कंपनी बिना सर्विस रोड तैयार किए ही पूर्व की सड़क पर गड्ढे खोद कर अवरूद्ध कर दिए गए। आवागमन को ले तैयार किए रास्ते किचड़ में सन्ने हुए हैं। जो पैदल चलने लायक भी नहीं है। जिसमें गाड़ियां फंस जा रही और दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग जा रही है। सड़क से पैदल चलना भी संभव नहीं है। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर मिट्टी डाले जाने के कारण सड़क का पानी घरों में घुस जा रहा है। निकास की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। सड़क पर बने गड्ढों में जल जमाव हो जा रहा। ऐसे में कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की संभावना प्रतीत हो रहा है।

स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग को लेकर जलसहियाएं सक्रिय

हैदरनगर। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत हैदरनगर प्रखंड में स्वच्छता को लेकर जलसहियाओं का सक्रिय कार्य और योगदान रहा है। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में इस प्रखंड को उच्च रैंकिंग दिलाने और सिटिजन फीडबैक बढ़ाने के उद्देश्य से गांव-गांव जाकर जलसहिया लोगों को जागरूक ही नहीं, बल्कि ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, नाडेप, सोख्ता एवं अन्य संरचनाओं को क्रियाशील और उपयोगी बनाए रखने को लेकर ग्रामीणों को प्रोत्साहित और प्रेरित करने में दिन रात लगी है। प्रखंड वॉश समन्वयक हरसू कुमार दयानिधि ने बताया कि बारिश में जलजमाव की स्थिति और उसके दुष्परिणामों को लेकर भी ग्रामीणों को सतर्क और जागरूक किया जा रहा है। पेयजल की स्वच्छता, शौचालय के नियमित उपयोग एवं सही ढंग से हाथ धोने की आदत डालना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गोष्ठी, संवाद व जागरूकता कार्यक्रम जारी रखा है। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में स्वच्छता कार्यकताओं की जिम्मेदारियां और बढ़ गई हैं। इस क्षेत्र की जलसहियाएं का अपने पंचायतों में घर घर जाकर लोगों को स्वच्छता संवाद व जागरूक किया जाना ही प्रशंसनीय कार्य है। उधर सक्रिय योगदान ने जुटी वरीय जलसहिया आरती देवी ने बताया कि खराब मौसम और नेटवर्क की समस्याओं के बावजूद भी सिटिजन फीडबैक जुटाने में इस प्रखंड के 49 जलसहियाओं ने अहम भूमिका निभाई है। जो उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबे समय से उनका मानदेय जा भुगतान लंबित रहने के बावजूद उनका हौसला टूटा नहीं है।

25 जुलाई तक नामांकन

तरहसी। भू-मापक (अमीन) सर्वे प्रशिक्षण में नामांकन हेतु तरहसी प्रखंड सह अंचल कार्यालय में लगे कैंप में नामांकन शुरू हो गया है। आगामी 25 जुलाई तक नामांकन का कार्य किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए प्रशिक्षण प्रभारी ने बताया कि नवभारत निर्माण संस्थान द्वारा संचालित रोजगार युक्त शिक्षा के लिए भूमपाक अमीन सर्वे प्रशिक्षण हेतु नामांकन प्रारंभ हो गया है। 25 जुलाई तक नामांकन का कार्य किया जाएगा। नामांकन के पश्चात प्रशिक्षण का कार्यक्रम दो माह तक प्रत्येक रविवार को चलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशिक्षण की योग्यता नन मैट्रिक, मैट्रिक, एवं उच्च योग्यता धारी भी है। उन्होंने बताया कि बेरोजगार युवक युवतियां प्रशिक्षण प्राप्त कर कुशल अमीन बनकर अच्छी कमाई कर सकते हैं। वहीं मेधावी छात्रों के लिए संस्थान में नियमावली के आधार पर रोजगार की भी गारंटी है।

कार्यक्रम

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में छात्र व अभिभावक सम्मान समारोह

परिश्रम करने वाले बच्चे ही सफल होते हैं : दिनेश

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। विद्या विकास समिति, झारखंड के योजनानुसार झारखंड अधिविद्य परिषद्, रांची द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 17 छात्र-छात्राओं एवं उनके माता-पिता को मेधावी छात्र एवं अभिभावक सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। चेहरे पर खुशी और आंखों में आत्मविश्वास लिए जब छात्र-छात्राओं ने पुरस्कार ग्रहण किया तो सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधकारणी समिति के संरक्षक सह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक, पलामू दिनेश कश्यप, सचिव राकेश तिवारी, उपाध्यक्ष डॉ. सत्येन्द्र चंदेल, कोषाध्यक्ष कामख्या नारायण सिंह, सतीश सिंह, राजेश सिंह, आलोक कुमार, प्रधानाचार्य कुशजी पाण्डेय ने संयुक्त रुप से मां सरस्वती, भारत माता एवं चराचर जगत में व्याप्त ऊं के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिह्न, प्रमाण-पत्र एवं अभिभावकों को अंगवस्त्र भेंट की गई। मौके पर दिनेश कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि परिश्रम करने वाले बच्चे ही सफल होते हैं। आप छात्र हैं, आपको पात्र बनना चाहिए। यह पात्र दो तरह के होते हैं- एक पात्र वह है जिसमें पात्रता होती है और दूसरा वह जिसमें संग्रह करने का गुण होता है। वहीं सचिव राकेश तिवारी ने कहा कि आप देश के निर्माण कर्ता हैं। आपने अपने लिए कुछ लक्ष्य तय किया होगा। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सकारात्मक सोच के साथ कड़ी मेहनत करें। प्रधानाचार्य कुशजी पाण्डेय ने कहा कि आज का यह सुखद पल हम सभी के लिए गौरवान्वित और आनंदित होने का है।यह आप सभी भैया-बहन, माता-पिता और आचार्य-दीदी जी के कठिन परिश्रम का परिणाम है। अपने अंदर स्व पहचान,आत्म अवलोकन और मानव मूल्य की पहचान करना ही शिक्षा है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश्वर सिंह यादव, रणजीत मिश्रा, दीपक पाण्डेय, राजकुमार सिंह, अभिषेक पाठक, छाया कुमारी, हर्षदा उपाध्याय, नीतीश मिश्रा, सुनील गुप्ता सहित सभी आचार्य व शिक्षिका का योगदान सराहनीय रहा।

नगर निगम की तैयारियों की पोल खोलती जलजमाव

- पलामू सांसद वीडी राम का घर तक डूबा
- नगर निगम अपना कार्यालय भी नहीं बचा पाया डूबने से

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में इन दिनों भारी बारिश के बाद उत्पन्न जलजमाव की स्थिति ने बुधवार को नगर निगम क्षेत्र की तथाकथित विकास योजनाओं की सच्चाई को उजागर कर दिया है। जलजमाव का आलम यह है कि खुद पलामू सांसद वीडी राम का आवास भी पानी में डूब गया है। यही नहीं, चैनपुर, रेड़मा, समदा अहरा, झरना टोला और भगवती अस्पताल के पास स्थित कई घरों में घुटनों से ऊपर पानी भर गया है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता रूचिर तिवारी ने इसे विकास का झूठा फल बताते हुए पूर्व मेयर, विधायक और सांसद पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र में जल निकासी की कोई योजना कभी बनी ही नहीं। केवल तालाबों का गहरीकरण और सौंदर्यीकरण कर दिखावटी काम किए गए, लेकिन बरसात के पानी के निकासी को लेकर न तो कोई योजना बनाई गई और न ही कोई काम हुआ।

जल निकासी मार्गों में अतिक्रमण

भाकपा नेता रूचिर तिवारी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ठेकेदारों से मिलकर जनप्रतिनिधियों ने विकास के नाम पर खुली लूट मचाई। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े नालों और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों को अतिक्रमण कर पक्के मकान बना दिए गए। नगर निगम की मिलीभगत से गुरुसूती, टेड़वा जैसी नदियों और पनेरी बांध के तालाबों तक को कब्जा लिया गया।

बड़ा तालाब से पानी का निकासी बंद

भाजपा नेत्री सह पूर्व मेयर अरुणा शंकर पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने बड़ा तालाब की जमीन पर अतिक्रमण कर पानी निकासी का रास्ता बंद करने की कोशिश की, जिसे मछुआरों के आंदोलन के बाद रोका गया। इसी प्रकार चैनपुर में तालाबों को पाट दिया गया और उनके स्थान पर निर्माण कार्य कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि नगर निगम क्षेत्र का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दो नम्बर टाउन स्थित रेलवे अंडरपास में बरसात का पानी भर जाने के कारण आवाजाही बाधित।

पुलिस लाइन में जलजमाव की स्थिति

पांकी रोड को सड़क जाम करते ग्रामीण

मेदिनीनगर में लगातार बारिश से जीवन अस्त व्यस्त

जेलहाता स्थित सर्वोदय नगर की सड़कों पर भारा बरसात का पानी।

- जिला प्रशासन ने लोगों से की सतर्कता बरतने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

भारी बारिश से कोयल नदी उफान पर

मेदिनीनगर। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में विभिन्न मार्गों में सड़कों पर कई फीट पानी भरने से आवागमन बाधित हो गया। इस दौरान वाहन भी फंसे नजर आए। वहीं लगातार हो रही बारिश के कारण शहर के हनुमान नगर बारालोटा, सर्वोदय नगर जेलहाता, रेलवे कॉलोनी समेत अन्य कई मोहल्ले में बारिश का पानी घुस आया। जहां एक और विभिन्न कार्यों के लिए जाने के लिए लोग परेशान दिखाई दिए। वहीं भारी बारिश को देखते हुए कई निजी विद्यालयों ने छुट्टी की घोषणा कर दी। हनुमान नगर में रहने वाले मोहल्लेवासियों ने पानी भर जाने के बाद पांकी मेदिनीनगर मुख्य पथ को जाम कर दिया। बैरिया जोड़ पाटन मुख्य पथ पर गुरुसूती नाले के पुले के ऊपर से पानी गुजरने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सुबह 8:30 बजे तक मेदिनीनगर में 158.2 मिलीमीटर बारिश हुई है। प्रशासन ने लोगों से बिना काम के घर से बाहर न निकलने एवं नदी के किनारे नहीं जाने की अपील की है। अपने पूवार्नुमान में मौसम विभाग ने बताया गया बुधवार को पूरे दिन बारिश होने की संभावना है।

चनवारी में कोयल नदी का पानी घुसा : बीते 24 घंटे से मूसलाधार बारिश से मेदनीनगर निगम क्षेत्र में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। इस दौरान निचली बस्तियों में जल भराव की स्थिति बन गई। सोमवार से शुरू हुई बारिश के मंगलवार की जोरदार बारिश के बाद जिला मुख्यालय नदियों में तूफान आ गया इससे शहर को जोड़ने वाले कई रास्ते अवरुद्ध भी हो गए। शहर के कई मोहल्लों में जल भराव के कारण लोगों के घर में पानी घुस गया जिससे लोग खासे परेशान नजर आए शहर के हनुमान नगर, सर्वोदय नगर ,रेलवे कॉलोनी, शांतिपुरी सूदना,पहाड़ी मोहल्ला में सड़क पर कई फीट पानी बहता नजर आया। वहीं कोयल नदी से लगे शहर के सबसे अंतिम छोर पहाड़ी मोहल्ले के चनवारी में कोयल नदी का पानी घुस जाने से दर्जनों घर में पानी भर गया इस दौरान इनका संपर्क सड़क के नदी के पानी में डूबने के बाद आसपास के क्षेत्र से कट गया। लगातार हुई वर्षा के बाद लोग जहां बेबस नगर आए वहीं पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को जल जमाव से निजात नहीं दिलाया जा सका।

सड़कों पर तीन-चार फीट भरा पानी : बताते चलें कि मंगलवार को पूरी रात मूसलाधार बारिश हुई जिसके बाद बुधवार को सुबह से ही पुलिस लाइन रोड,रांची रोड रेड़मा, जीएलए कॉलेज गेट, गायत्री मंदिर सुदना समेत दर्जनों स्थानों पर बारिश के कारण तीन से चार फीट पानी भर गया। इस दौरान न सिर्फ दो पहिया वाहन बल्कि चार पहिया वाहनों को भी सड़क पार करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सड़कों पर पानी फैलने की सूचना मिलते ही कई निजी विद्यालयों ने अवकाश घोषित कर दिए। वही इस दौरान बच्चों को लाने ले जाने वाली स्कूल बसें पानी में तैरती नजर आई।

पुलिया पर बंद हुआ रास्ता : बढ़िया चौक से किशनपुर को जाने वाली सड़क पर गुरसुति नदी के ऊपर बनी पुलिया लेकर दो से तीन फीट पानी का बहाव होने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। इस दौरान सदर थाना प्रभारी संतोष गुप्ता मौके पर पहुंचे एवं लोगों को जान जोखिम में डालकर पुल पार करने से रोका। इस दौरान जवानों की भी तैनाती की गई। लगातार हुई बारिश के कारण आसपास के मलय टेढ़वा सहित सभी नदी नाले उफान पर आ गए। शहर के बीच से गुजरने वाली उतरी कोयल नदी में रिवर फ्रंट तक पानी ऊपर आ गया, प्रशासन द्वारा नदी के नजदीक न जाने की चेतावनी के बाद भी लोग बड़ी संख्या में नजारा देखने पहुंचे।

लोगों के घर दुकान कार्यालय में घुसा पानी : लगातार हुई झमाझम बारिश के कारण बुधवार को लोगों के घर दुकान कार्यालय और अन्य स्थान पर पानी का भराव हो गया। इस दौरान पर्याप्त निकासी नहीं होने के कारण न सिर्फ लोगों को आने-जाने में दिक्कत हुई बल्कि उन्हें अपने घरों में भी पानी भरने से समस्या से दो-चार होना पड़ा। सीताराम रेलवे कॉलोनी में कई घरों में पानी घर में घुस गया। वहीं सर्वोदय नगर में पर्याप्त विकास नहीं होने के कारण गलियों में पानी भरने से काफी कठिनाई महसूस हुई। जबकि बारालोटा के हनुमान नगर इलाके में नालियों की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों के घरों में बड़े पैमाने पर वर्षा का पानी घुस आया। इसके बाद दर्जनों महिला पुरुषों में पांकी मेदिनीनगर मुख्य पथ को अवरुद्ध करने सूचना मिलने पर टीओपी टू के जवान पहुंचे और मोहल्लेवासियों को समझ कर रास्ता चालू कराया। इस दौरान विभिन्न कार्यालय दुकानों आदि में भी बरसात का पानी घुस जाने से लोगों को काफी नुकसान हुआ है।

बीते 24 घंटे में 157.9 मिमी वर्षा हुई दर्ज : बताते चले कि सोमवार सुबह से शुरू हुई बारिश बुधवार को भी जारी रहा। इसके बाद शहरी क्षेत्र के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में भी भारी जल जमाव हो गया। इस दौरान लोग अपने घरों में दुबके रहे। वहीं आवश्यक कार्यों को छोड़कर सिर्फ ऑफिस जाने वाले लोग ही अपने गंतव्य की ओर निकले। विद्यालयों में भी छात्रों की संख्या काफी कम रही। सोमवार को जहां 21.2 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। वहीं मंगलवार को 25.5 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। मंगलवार की रात शुरू हुई बरसात में अब तक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसके पश्चात बीते 24 घंटे में कुल 157.9 मिलीमीटर वर्षा हुई। मौसम विभाग के अनुसार अब तक 763.7 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है जो सामान्य वषार्पात का 358 प्रतिशत है।

बारिश के चलते 17 को विद्यालय रहेंगे बंद, बीडीओ-सीओ अलर्ट पर

मेदिनीनगर। जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए बुधवार को उपायुक्त कार्यालय में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्राधिकार की अध्यक्ष सह उपायुक्त समीरा एस ने की। बैठक में लगातार हो रही बारिश से उत्पन्न हालात पर चर्चा की गयी। बैठक में गुरुवार को जिले के सभी विद्यालयों को बंद रखने का निर्णय लिया गया। बीडीओ-सीओ को लगातार निगरानी करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सहायक नगर आयुक्त को शहर में जगह-जगह होने वाले जल जमाव को मोटर पंप के जरिये पानी निकासी को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया। साथ ही एक अलग से डेडीकेटेड टीम को लगाने की बात कही। उपायुक्त ने कहा कि अगर कहीं पेड़ गिर जाता है तो उसे हटाने की भी मुकम्मल व्यवस्था किया जाना चाहिये। उपायुक्त ने बारिश के मद्देनजर सिविल सर्जन को डेंगू-चिकनगुनिया को फैलने से रोकने को लेकर सारी व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा। एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि नदी किनारे लोगों को नदी के समीप नहीं जाने को लेकर अनाउंसमेंट किया जा रहा है। पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति भी की गयी है। सांप काटने और जल जनित बीमारियों को लेकर भी चर्चा की गयी। ईद दौरान पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी लोग अंधविश्वास के कारण सांप काटने के बाद घरेलू उपचार और झाड़-फूंक में अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। इससे कारण उनकी मृत्यु हो जाती है। सिविल सर्जन और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को आपस में बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए इस विषय पर लोगों को जागरुक करने का निर्णय लिया गया।

आपदाओं से प्रभावितों की सहायता राशि की स्वीकृति : वित्तिय वर्ष 2025-26 में प्राप्त अभिलेखों के विरुद्ध संबंधित अंचल अधिकारियों को प्रभावितों को सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। इसमें वज्रपात से मृत नौ व्यक्तियों के आश्रितों के लिए 36 लाख, वज्रपात से मृत दो पशुओं के प्रभावितों के लिये 69 हजार पांच सौ, नदी में डूबने से मृत छह व्यक्तियों के आश्रितों को 24 लाख, सर्पदंश से मृत छह व्यक्तियों के आश्रितों को 24 लाख एवं सड़क दुर्घटना में मृत 41 व्यक्तियों के आश्रितों को 41 लाख रुपये की राशि की घटनोत्तर स्वीकृति पर चर्चा की गयी। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, जिला आपदा प्रमंडल पदाधिकारी जयराम सिंह यादव, सिविल सर्जन डा अनिल श्रीवास्तव, सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत मेहता सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रशासन को गंभीरता से लेने की जरूरत

विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकतार्ओं का कहना है कि यदि जल्द ही जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई, तो यह स्थिति और भयावह हो सकती है। अब समय आ गया है कि सरकार, प्रशासन और सभी राजनीतिक दल इस गंभीर मुद्दे को गंभीरता से लें, अवैध अतिक्रमण हटाएं और जल निकासी की समुचित योजना बनाकर उसे ईमानदारी से लागू करें, ताकि भविष्य में शहर को ऐसी त्रासदी से बचाया जा सके।

पूर्व वार्ड पार्षद के प्रयास से लोगों को जल जमाव से मिली मुक्ति

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रांची रोड के वार्ड संख्या 18 एवं 19 में विभिन्न स्थानों पर पानी भर जाने के बाद निवर्तमान वार्ड पार्षद विवेकानंद त्रिपाठी ने विभिन्न स्थानों पर नगर निगम से जेसीबी की व्यवस्था कराकर साफ सफाई कराते हुए जल की निकासी कराई। बताते चलअे कि रांची रोड के भगवती हॉस्पिटल, झरना टोला, आम बगीचा, दशगात्र मंडप समेत कई अन्य स्थानों पर उनके द्वारा पानी भर जाने की सूचना मिलने पर निगम से संपर्क किया गया। हालांकि निगम द्वारा जेसीबी उपलब्ध कराने की बात कही गई परंतु इसमें लगने वाले डीजल की अनुपलब्धता जाहिरकी गई। इसके पश्चात श्री त्रिपाठी ने पूर्व नगर आयुक्त एवं वर्तमान डीडीसी पलामू जावेद हुसैन से संपर्क किया। उन्होंने त्वरित रूप से निगम को उक्त स्थान पर जेसीबी की व्यवस्था कर पानी की निकासी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके बाद कई दिनों से जाम पड़े नालियों की सफाई हुई। जिससे सड़क पर जमे पानी को निकाला गया। वार्ड में रहने वाले लोगों ने बताया कि भारी बारिश के कारण बड़े पैमाने पर हुए जल जमाव से आवागमन बाधित हो गया था। वहीं इस इलाके में दफ्तर दुकान हॉस्पिटल शोरूम आदि के अलावा घरों में भी पानी घुस गया था। इधर वार्ड 19 के कुम्हार टोली में पानी भर जाने से सड़क में हुए कटाव के कारण आवागमन बाधित हो गया।

जल जमाव पर लोगों ने कहा

निगम नहीं कराता नालियों की सफाई : राहुल

लगातार हो रहे बारिश से नगर निगम की स्थिति नरक निगम की तरह हो गई है। मेरे अपने याद में हमारे मोहल्ले की नली की सफाई नगर निगम के द्वारा कभी नहीं कराई गई है और जहां तक मुझे लगता है कि पूरे शहर के नालियों की सफाई नगर निगम के द्वारा कभी नहीं कराई गई है। जिसके कारण प्रत्येक वर्ष बरसात में नालियों के पानी गली और फिर गली से घरों के अंदर भिगो जाते हैं लेकिन पहले की तुलना में इस वर्ष ज्यादा और लगातार बारिश हुई है।

निगम की तैयारी अधूरी : शर्मिला

वार्ड नंबर 21 बेलवाटिका की रहने वाली शर्मिला शुमी ने कहा कि निगम अपने दायित्व के निर्वहन में पूरी तरह फेल है शहर की ड्रेनेज व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। बरसात के पूर्व तैयारियां पूरी नहीं करने का नतीजा है कि पूरा शहर त्राहि त्राहि कर रहा है। निगम को समय रहते सचेत होकर ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त करना चाहिए।

चुनाव के बाद होगा समस्या का हल : कैस अंसारी

विभिन्न वार्डों में वार्ड पार्षद होने से समय-समय पर नालियों की सफाई होती थी। परंतु जब से निगम में इसे अपने हाथ में लिया है तब से नालियों की साफ सफाई में काफी कमी आई है। इसके साथ शिकायत करने के बावजूद सफाई नहीं होती। इस तरीके से शहर में हुआ जल जमाव निगम द्वारा ढुल मूल रवैए की देन है। इसका समाधान निगम चुनाव होने के बाद ही हो सकता है।

केवल टैक्स वसूलने में निगम आगे: अंकित

वार्ड संख्या 18 में निगम द्वारा टैक्स तो वसूला जाता है लेकिन विकास के नाम पर कोई कार्य अब तक धरातल पर नहीं उतर पाया है। इस वार्ड में जहां एक तरफ पुरानी नालियां जर्जर हो चुकी है वहीं दूसरी तरफ नए नालियों का निर्माण नहीं हुआ है। जल जमाव होने से हमें काफी परेशानी हुई। लेकिन निगम को इसकी कोई परवाह नहीं है।

एसयूवी कार से 500 लीटर स्पिरिट बरामद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हुसैनाबाद की दंगवार ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर वाहन चेकिंग के दौरान एक वेस्ट बंगाल नंबर की एसयूवी कार (डब्लूबी24आर 9007) से 500 लीटर स्पिरिट बरामद किया है। स्प्रिट कहा ले जाया जा रहा था इसके लिए कार सवार से पूछताछ की जा रही है। जिले की एमपी रिष्मा रमेशन ने बुधवार को बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वाहन में लदे स्पिरिट को बिना वैध दस्तावेज को ले जाया जा रहा था। त्वरित कार्रवाई करते हुए दंगवार ओपी चेकपोस्ट के पास एक वाहन को रोका गया। जांच के क्रम में महिंद्रा एसयूवी से 500 लीटर स्पिरिट बरामद किया गया। कार सवार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मौके पर पुलिस ने वाहन और स्पिरिट को जब्त कर लिया है। पुलिस अधीक्षक की ओर से अवैध शराब और स्पिरिट के विरुद्ध अभियान को और तेज करने का निर्देश दिया गया है।

लापरवाही | जीएलए कॉलेज खंडर बनने की ओर बढ़ता कदम

पानी रिसाव से छत हो रही कमजोर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गणेश लाल अग्रवाल महाविद्यालय जिसमें एक समय छात्र नामांकन के लिए मशक्कत करते नजर आ जाते थे। आज वही महाविद्यालय अपनी स्थिति पर रो रहा है, करोड़ों का महाविद्यालय तो बन गया पर विश्वविद्यालय और महाविद्यालय मिलकर इसका मरम्मत तक नहीं करवा पा रहे हैं। जिसका नतीजा ये है की गणेश लाल अग्रवाल महाविद्यालय खंडहर बनने की स्थिति में धीरे-धीरे अपना पांव पसारता जा रहा है।

महाविद्यालय के लगभग कमरे बैठकर परीक्षा देते है या पढ़ाई करते है उनकी स्थिति जर्र-जर्र होते जा रही है। वर्षा के समय में लगभग कमरों में पानी भर गया है और छत से पानी टपक रहा है। महाविद्यालय के प्रयोगशाला की स्थिति दयनीय होते जा रही है। कहीं-कहीं प्रयोगशाला के ऊपर की छत कमजोर होकर थोड़ा-थोड़ा गिरना प्रारंभ हो गई है, छत से पानी का रिसाव होने के कारण कक्षा में रखें लाखों रुपए के बेंच खराब होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। महाविद्यालय कक्षाओं के बाहर गंदगी फैली हुई है, लेकिन महाविद्यालय प्रशासन का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है। पलामू इग्नू के कॉर्डिनेटर आर के झा से पूछने पर उन्होंने बताया की जिस भीम नामक विक्षक की ड्यूटी थी वो शौच के लिए गए थे और जिस कमरे में परीक्षा चल रही थी उसमें टोटल 24 बच्चे थे और इग्नू के अनुसार 25 बच्चों के बाद दो शिक्षक कमरे में विक्षक के रूप में अपना योगदान देते हैं।

परीक्षा में वीक्षण का कार्य कर रहा था चपरासी

मेदिनीनगर। इग्नू की परीक्षा वर्तमान समय में गणेश लाल अग्रवाल महाविद्यालय में चल रही है। आलम यह है की परीक्षा में शिक्षक के जगह पर महाविद्यालय के चपरासी निगरानी कर रहे हैं। ज्ञात को कि ठीक करने से लाल अग्रवाल महाविद्यालय में इग्नू 2024 के विभिन्न कोर्स की परीक्षा आयोजित की जा रही है। जो सुबह 10 बजे से 1 बजे तक संचालित हो रही। जिसमे लगभग आधे घंटे तक महाविद्यालय के चपरासी के द्वारा परीक्षा कक्ष में वीक्षण का कार्य किया गया। जो अपने आप में परीक्षा के मानदंड पर सवालिया निशान खड़ा करता है!

केमिस्टस एंड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन का धरना- प्रदर्शन

मेदिनीनगर। केमिस्टस एंड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन ने अध्यक्ष रमेश शुक्ला और संचालन फेडरेशन के सचिव अमिताभ मिश्रा अगुवाई में अपनी कई मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। औषधि नियंत्रण प्रशासन के कार्यालय में निलंबित दवा दुकानदारों के निलंबन अवधि को कम करने, थाना को सूचनार्थ से अलग रखने के लिए की मांग कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान फेडरेशन के संरक्षक मृत्युंजय शर्मा ने बताया कि फेडरेशन का पिछले कई दिनों से आंदोलन चल रहा है, जिसके तहत बुधवार को सभी दवा व्यवसाईयों ने काला पट्टी लगाकर विरोध प्रकट किया। रमेश शुक्ला ने कहा कि हमारा आंदोलन क्रमबद्ध एवं शांतिपूर्वक तरीके से जारी रहेगा। बुधवार को सभी थोक दवा व्यावसायियों ने अपनी अपनी प्रतिष्ठान को 5 घंटे के लिए बंद रख कर संगठन की चट्टानी एकता को बनाए रखा। सचिव अमिताभ मिश्रा ने बताया कि अभी बातचीत के लिए प्रशासन के द्वार खुले रखे हैं, यदि मांगों को गंभीरता पूर्वक नहीं सुना गया तो आंदोलन और तेज होगा। इस मौके पर संघ के संरक्षक सतीश तिवारी किशोर जैन, सुरेंद्र अग्रवाल, जवाहर अग्रवाल, विक्रम अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, चंद्रशेखर तिवारी, मोनू अग्रवाल, नागेंद्र जायसवाल, हनी सिन्हा, संजय अग्रवाल, जितेंद्र कुमार प्रिंस सांवरे, मनोज सिन्हा, रवि कुमार पवन कुमार समेत कई दवा व्यवसायी उपस्थित थे।

सदर एसडीएम ने किया बाढ़ संभावित क्षेत्रों का आकस्मिक दौरा

● कोयल एवं सोन के जलमग्न इलाकों का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार ने आज बुधवार को मझिआंव एवं कांडी प्रखंड के बाढ़ संभावित एवं जलमग्न इलाकों का आकस्मिक दौरा कर संवेदनशील इलाकों कि निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बांकी, कोयल एवं सोन नदियों के किनारे बसे क्षेत्रों का जायजा लिया एवं वहां रह रहे लोगों को सतर्क किया।नदी किनारे झुग्गी-झोपड़ी एवं कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को संभावित खतरे को देखते हुए सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया । एसडीएम ने संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों सह अंचल अधिकारियों को सतत निगरानी रखने एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने कांडी सीओ एवं सुंडीपुर पंचायत के मुखिया, स्थानीय नागरिकों तथा प्रशासनिक पदाधिकारियों से जलमग्नता की आशंका वाले गांवों की जानकारी ली और आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने दोनों प्रखंडों के सीओ तथा संबंधित मुखियाओं को निर्देशित किया कि जलमग्न क्षेत्रों के प्रभावित लोगों के लिए राहत व पुनर्वास की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर की जाये, किसी भी परेशानी की स्थिति में वरीय पदाधिकारियों को ससमय सूचित किया जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्क्षण सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

उन्होंने मझिआंव, बूढीखांड़, खरसोता, मोरबे, भंडरिया, मोखापी, राणाडीह, खरौंदा, सुंडीपुर बनकट, कसनप, सोनपुरा आदि गांवों का एहतियातन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने माइक से लोगों को जागरूक किया कि वे नदियों के जल स्तर पर नजर रखें और स्वयं, अपने परिजनों विशेषकर बुजुर्ग और बच्चों तथा अपने पालतू जानवरों का ध्यान रखें। सोनपुरा की शूलवंती देवी का घर बारिश से गिर गया था इस पर उन्हें और उनके अन्य परिजनों को निकट के आंगनबाड़ी केंद्र में शिफ्ट कराया गया। इसी प्रकार खरौंदा में भी एक- दो परिवारों के घर बारिश के कारण गिर गए, जिन्हें निकट के सरकारी स्कूल में अविलंब शिफ्ट कराने का निर्देश दिया गया।

मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

खरौंधी। (गढ़वा)। खरौंधी प्रखंड में मंगलवार शाम से शुरू हुई मूसलाधार बारिश लगातार 20 घंटे से जारी है। जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। एक ओर जहां यह बारिश किसानों के लिए राहत लेकर आई है, वहीं दिहाड़ी मजदूरों और मवेशियों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। लगातार बारिश के कारण प्रखंड के अधिकांश आहर, तालाब और पोखर भरने की कगार पर हैं। पानी की उपलब्धता से किसानों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई है और वे खेतों की जुताई में जुट गए हैं। हालांकि, अभी धान का बिचड़ा पूरी तरह तैयार नहीं हो पाया है, जिससे रोपनी में थोड़ी देर हो सकती है। बारिश से कुछ फसलें जैसे मक्का, तिल, अरहर आदि प्रभावित हुई हैं। जलभराव और तेज बारिश के कारण इन फसलों को नुकसान होने की आशंका है। साथ ही कई ग्रामीण क्षेत्रों से मिट्टी के घर गिरने की खबरें भी सामने आ रही हैं, जिससे कुछ परिवार बेघर हो गए हैं। दिहाड़ी मजदूरों को काम पर नहीं जा पाने के कारण आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। मवेशियों को भी चारे और सुरक्षित स्थान की कमी हो रही है। प्रशासन की ओर से अब तक किसी राहत या सहायता की जानकारी नहीं मिली है।

बहियार खुर्द के लोग जल जमाव से त्रस्त

रमना। मंगलवार की रात्रि से प्रखंड में लगातार हो रही वर्षा से किसानों में जहां खुशी की लहर है। वहीं ग्रामीण जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। क्षेत्र में ग्रामीण सड़कों पर गली मुहल्ले में पानी जमा है और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण वर्षा का पानी लोगों के घरों में घुस रहा है। इस वर्ष के बारिश के मौसम में यह पहली हो रही बरसात से बरसाती नदियों में पानी का बहाव शुरू हो गया है, जिसने किसानो के लिए खुशनुमा माहौल बना दिया है और किसान हल-बैल लेकर अपने खेतों में जुताई के लिए उतर गए हैं। खरीफ फसल का बीज बोवाई के बाद हल्की वर्षा से किसान चिंतित थे लेकिन गत रात्री से ही रुक रुक कर हो रही लगातार वर्षा ने किसानो में नव ऊर्जा भर दिया है। जल निकासी कि समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण जल जमाव से बहियार खुर्द में उदय कुमार, रोहित कुमार, सनाउलाह, उमेश कुमार एवं पंकज कुमार को घरो से निकलना मुश्किल हो गया है, पेय जल चापा नल के जलमग्न होने से पिने के पानी भरना भी मुश्किल हो गया है।

पुलिया के ऊपर से हो रहा पानी का बहाव, लोगों का संपर्क टूटा

रंका। सोनदाग पंचायत के मुख्य सड़क के पुलिया के उपर से पानी बहने से रंका प्रखंड मुख्यालय से लोगों का संपर्क टूट गया है। तेज बारिश होने के कारण रंका-सोनदाग मार्ग पर बना पुलिया के ऊपर से बारिश का पानी का तेज बहाव हो रहा है। तेज बहाव के कारण रंका-सोनदाग पंचायत के ग्रामीण प्रखंड मुख्यालय से नहीं जुड़ पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर पुलिया की ऊंचाई होती तो पानी पुलिया के ऊपर से नहीं जाती जिससे आवागमन बरकरार रहती। पुलिया के ऊपर से पानी के बहने से रंका प्रखंड मुख्यालय एवं विद्यालय पहुंचने वाले बच्चों की पढ़ाई बाधित रही।

विभिन्न कांडों में संलिप्त 12 वारंटी गिरफ्तार

भवनाथपुर। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने भवनाथपुर थाना का मंगलवार को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भवनाथपुर थाना में लंबित कांडों की समीक्षा कर इसे त्वरित निष्पादन करने, अपराध नियंत्रण हेतु थाना क्षेत्र में लगातार पेट्रोलिंग करने, एंटी क्राइम चेकिंग अभियान नियमित अंतराल पर चलाने, वाहन दुर्घटना में कमी लाने हेतु लोगों को जागरूक करने, अपराधी प्रवृति के व्यक्तियों पर विशेष ध्यान देने इत्यादि का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सतेंद्र सिंह श्री बंशीधर नगर, पुलिस निरीक्षक नगर ऊंटारी रत्न कुमार थाना प्रभारी, भवनाथपुर रजनी रंजन, ओपी प्रभारी, हरिहरपुर के साथ थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस कर्मियों की उपस्थिति रही।

आधी रात को हाथियों ने गांव में मचाया कहर

गढ़वा। जिले के चिनियां प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत खुरी में बुधवार तड़के करीब 2:30 बजे एक जंगली हाथी ने जमकर तांडव मचाया। हाथी ने गांव में घुसते ही सबसे पहले स्व. कैलाश भुइयां के खपरैल मकान को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। संयोग अच्छा था कि परिवार के सभी सदस्य समय रहते किसी तरह जान बचाकर बाहर निकल गए, वरना भारी जनहानि हो सकती थी।बताया जा रहा है कि हाथी ने इससे पहले गांव के एक मक्का खेत को भी रौंद डाला, जिससे फसल को भारी नुकसान हुआ है।

केतारः बीएलओ व सुपरवाइजर को मिला प्रशिक्षण

केतार। प्रखंड कार्यालय के सभागार कक्ष में विशेष संक्षिप्त मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत बीएलओ एवं सुपरवाइजर को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का संचालन सहायक निर्वाचन पदाधिकारी सह भवनाथपुर बीडीओ नंदजी राम ने किया। प्रोजेक्टर के माध्यम से बीएलओ एवं सुपरवाइजर को मतदाता सूची में सुधार से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में विशेष रूप से बताया गया कि प्रपत्र 6 नया नाम जोड़ने के लिए, प्रपत्र 7 मृत मतदाता का नाम विलोपन के लिए और प्रपत्र 8 संसोधन के लिए सही ढंग से भरना है। साथ ही बीएलओ को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी संकलित करें। एक भी मतदाता छुटे नहीं। इस प्रशिक्षण में बीडीओ प्रशांत कुमार, बीपीआरओ राम सुरेश राम, सुपरवाइजर आनंद कुमार, बीएलओ अणु देवी, रानी देवी, सरिता देवी, अनीता देवी, गीता देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मेराल में विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन

मेराल। प्रखंड क्षेत्र के हरादाग मोड़ बाना स्थित दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र में विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्रीय युवाओं की प्रतिभा और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम बाना के उप मुखिया भोला पासवान एवं उनके सहयोगी जनप्रतिनिधि बिष्णु चौधरी, विनोद कुमार, जाकिर हुसैन, सिकंदर पासवान के द्वारा किया गया। मौके पर प्रशिक्षिका एवं प्रशिक्षक कविता कुमारी, रवि रंजन कुमार रवि, दीपक कुमार,पूर्णिमा कुमारी, हेमलता कुमारी कल्याणी कुमारी, सुनीता देवी,सूरज कुमार तिवारी,मोबलाइजर भारदुल बैठा, वंदना कुमारी, काजल कुमारी,खुशबू कुमारी, पुष्पा कुमारी, प्लेसमेंट को-ऑर्डिनेटर अर्जुन कुमार यादव, स्थानीय ग्रामीण और अभिभावक उपस्थित रहे।

जुलूस में डीजे बजाने को लेकर एफआईआर

मेराल। मेराल में 6 जून के हुए मोहर्रम के जुलूस में डीजे बजाने को लेकर सीओ यशवंत नायक ने मंगलवार के देर शाम मेराल थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई है। इसकी जानकारी देते हुए थाना प्रभारी विष्णु कांत ने बताया कि सीओ यशवंत नायक के आवेदन पर मोहर्रम के दिन जुलूस में प्रतिबंधित ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाए जाने को लेकर तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। मोहर्रम जुलूस के दौरान नियम का उल्लंघन कर डीजे बजाए जाने की सूचना मिलने के बाद अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा के आदेश पर तीन डीजे साउंड के संचालक पर प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी दर्ज महाकाल डीजे साउंड लगमा, जुगुन डी जे साउंड सांडा, और रहमतुन डीजे साउंड का शामिल है। तीनों डीजे संचालकों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिक की दर्ज कर ली गई है।

लोगों को टीबी के प्रति किया गया जागरूक

श्री बंशीधर नगर। यक्ष्मा मुक्त भारत अभियान के तहत प्रखंड के नरही पंचायत सचिवालय में बुधवार को पंचायत टीबी फोरम की बैठक पंचायत के मुखिया मनोज ठाकुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित सीएचओ अभय कुमार यादव ने राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम की जानकारी विस्तार से दिया। उन्होंने कहा कि यक्ष्मा से ग्रसित इलाजरत मरीजों को सरकार द्वारा पहले 500 रुपये प्रतिमाह सहायता राशि दिया जाता था, जिसे बढ़ाकर अब एक हजार रुपये कर दिया गया है। बैठक में सीएचओ सौम्या गुप्ता,एसटीएस सुनील कुमार,एसटीएलसी अनिमेष राज,ए एन एम अंजू कुमारी,सोना कुमारी,बीटीटी सुनीता कुमारी,सहिया रवि कांति देवी,रुकसाना परवीन,हबी खातून,पूजा कुमारी,रिंकी देवी,ए पीएस शोभा देवी,सहिया साथी रेणु देवी सहित अन्य उपस्थित थे।

सूर्या आई केयर ऑप्टिकल का शुभारंभ

भवनाथपुर। सूर्या आई केयर ऑप्टिकल का उद्घाटन विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस मौके पर भारी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अपनी आंखों की निःशुल्क जांच कराई। सूर्या आई केयर ऑप्टिकल के डायरेक्टर एवं नेत्र विशेषज्ञ सूरज कुमार मेहता ने बताया कि भवनाथपुर के लोगों को अब नेत्र जांच के लिए बाहर के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। यहां अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ आंखों की निःशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध है और जरूरतमंदों को बहुत ही कम कीमत पर चश्मा भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने रांची के कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल से प्रशिक्षण प्राप्त किया है और वर्तमान में अमेरिका की प्रतिष्ठित एनजीओ संस्था विजन स्प्रिंग फाउंडेशन में कार्यरत हैं। इसके साथ ही वे समाज सेवा की भावना से प्रेरित होकर भवनाथपुर के लोगों को नेत्र जांच की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। उद्घाटन के अवसर पर स्थानीय लोगों में भारी उत्साह देखा गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर आंखों की जांच कराई और इस पहल की सराहना की।

कांवरियों का जत्था बाबा नगरी रवाना

भंडरिया। गढ़वा भंडरिया प्रखंड क्षेत्र के पंचायत फकीराडीह के तिहारो विभिन्न गांव के 30 कांवरियों को पंचायत समिति सदस्य व समाजसेवी महेश यादव के द्वारा सभी कावरियों को गेरूआ वस्त्र देकर मनोज सिंह, वीरेंद्र सिंह, विनोद यादव, लालधारी सिंह, कमलेश यादव,फेकन कोरबा, डब्लू सिंह, अमर सिंह, विनोद सिंह समेत सभी को बाबा धाम जाने के लिए रवाना किया।

गढ़वा डीसी ने किया प्रखंड व पंचायत सचिवालय का निरीक्षण

अनुपस्थित कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। उपायुक्त दिनेश कुमार यादव ने बुधवार को डंडई प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय एवं पंचायत भवनों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई कर्मचारी बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए, जिस पर उपायुक्त ने नाराजगी जताते हुए सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने देखा कि डंडई प्रखंड कार्यालय परिसर में छात्रों की साइकिल असेंबल की जा रही थी, जिसे उन्होंने प्रशासनिक गरिमा के विरुद्ध बताया और इसे तत्काल बंद करने के निर्देश दिए। परिसर में गंदगी और अव्यवस्था को देखकर उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी की कार्यशैली पर असंतोष जताया और उनसे स्पष्टीकरण मांगा। उपायुक्त ने कहा कि बीडीओ और अंचल अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मियों पर नियंत्रण रखने में विफल रहे हैं, जिससे कार्यालयों में नियमित उपस्थिति नहीं हो रही है और आमजन के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण लोग बड़ी संख्या में मंगलवार और शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। पंचायत भवन डंडई में भी कई खामियां सामने आईं। वहां का प्रज्ञा केंद्र न तो कोई कार्यरत था और न ही शुल्क सूची प्रदर्शित थी। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी पंचायत भवनों में संचालित प्रज्ञा केंद्र नियमित रूप से कार्य करें और निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली नहीं होनी चाहिए, अन्यथा लाइसेंस रद्द कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिले में प्रखंड, अंचल व अन्य सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेगा और अनुपस्थित पाए जाने वाले कर्मियों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपनी उपस्थिति नियमित करें और सभी शासकीय कार्य समयबद्ध ढंग से निष्पादित करें।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची)
कार्यालय-भूमि संरक्षण पदाधिकारी, चतरा
जिला संयुक्त कृषि भवन तपेज, चतरा
E-Mail ID- chatrasco@gmail.com

आम सूचना

राज्य योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 एवं 2025–26 में कृषक समूहों/महिला स्वयं सहायता समूहों/पानी पंचायतों/जलछाजन समितियों/लैम्पस–पैक्स एवं अन्य कृषक संगठनो को ट्रैक्टर एवं सहायक कृषि यंत्रों के अनुदानित दर पर वितरण हेतु"मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना" हेतु आवेदन आमंत्रण की सूचना।

विभागीय स्वीकृत्यादेश सं0–53 दिनांक 16.08.2024 द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 एवं 2025–26 में राज्य योजना अन्तर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूहों/पानी पंचायतों/जलछाजन समितियों/लैम्स–पैक्स एवं अन्य कृषक संगठनों को मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजनान्तर्गत एक बड़ा ट्रैक्टर एवं इसके साथ कम से कम दो कृषि यंत्रों के क्रय करने पर कुल पैकेज राशि 10.00 लाख रूपये में बड़े ट्रैक्टर पर अधिकतम 50 प्रतिशत एवं दो कृषि यंत्रो के क्रय करने पर अधिकतम अनुदान 80 प्रतिशत देय होगा परन्तु कुल अधिकतम अनुदान 5.00 लाख (पांच लाख) रूपये ही देय होगा। साथ ही साथ वैसे कृषक समूह जिनके पास बड़े ट्रैक्टर पूर्व से उपलब्ध है एवं केवल कृषि यंत्र प्राप्त करने हेतु कृषि यंत्र की लागत का 80 प्रतिशत या अधिकतम अनुदान की राशि 2.00 (दो लाख) देय होगा। इससे अधिक राशि होने पर कृषक अपना अतिरिक्त अंशदान दे कर कृषि यंत्र प्राप्त कर सकते है। मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना हेतु इच्छुक समूह विहित प्रपत्र पूर्ण रूपेण भर–कर एवं आवश्यक कागजात एवं अनंशंसा के साथ आवेदन कार्यालय में उचित माध्यम से अथवा स्वयं दिनांक 22.07.2025 तक भूमि संरक्षण कार्यालय, चतरा जिला संयुक्त कृषि भवन तपेज, चतरा में जमा कर सकते हैं। साथ ही विहित प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना का विवरणः–

S. N.	Details Of Machines	Package Cost	Target	Subsidy &Condition
01	Tractor (34.0-40.0 Max PTO HP Ps) Approved Model Tested by FMTTI, With Standard Tool Kit, Seat, Hitch, Hood, Drawbar Attachment, Insurance, Registration, GPS Attachment etc.& 2 Agriculture Implements.	Rs. 10.00 lakh	OSP 40 SCSP 50	-One Tractor With minimum two implements from S. No- 02 To 12 have to be taken in tractor package. -maximum subsidy on tractor @50% & on agriculture implements @ 80% of quoted L-1 prices as per EoI. -farmers group maximum subsidy on tractor package will be Rs 5.00 Lakh
02	Rotavator (4'-6')	Rs. 3.00 Lakh	OSP-35 SCSP-10	any farmers group having tractor and need extra Implements they can get subsidy @ 80% or maximum Rs. 2.00 lakh whechever is minimum of quoted L-1 price as per EoI.
03	Cultivator (7-13 Tyne)			
04	Disc Harrow (11-18 Disc)			
05	Ridger/ Trencher/ Auger (Tractor Drawn)			
06	Zero Tillage Drill/Seed Cum Fertilizer Drill			
07	Cage Wheel Pair (Compatible to Above PTO HP Tractor)			
08	Wheat Thresher (Tractor Drawn)			
09	Multicrop thresher (tractor drawn)			
10	Paddy Thresher (tractor drawn)			
11	Power Maize Thresher / Maize dehusker Cum sheller (T.D)			
12	MB plough (2 Bottom)			

1. जिन समूहों के सदस्यों में से कम से कम किसी एक सदस्य के पास ट्रैक्टर/वाहन (LMV) चालन का वैध लाईसेंस होगा एवं समूह के पास खेती योग्य 10 एकड़ से अधिक भूमि होगी, उसे प्राथमिकता दी जायेगी।
2. जिले को प्राप्त भौतिक लक्ष्य का 50 प्रतिशत माननीय स्थानीय विधायक के अनुंशसा को प्राथमिकता देते हुए जिला स्तरीय समिति द्वारा स्वीकृत किया जायेगा।
3. जिन महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल एवं कृषक समूहों को पूर्व में कृषि विभाग द्वारा कृषि उपकरण बैंक स्थापना या अन्य किसी योजना केन्द्र प्रायोजित योजना या राज्य योजना के माध्यम से उपरोक्त योजना का लाभ प्रदान किया जा चुका है उनकी पात्रता इस योजना के लिए मान्य नही होगी।

नोट :– विशेष जानकारी के लिए अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

भूमि संरक्षण पदाधिकारी
चतरा

PR 357479 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department (25-26)_D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, लातेहार

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण–सूचना संख्या 01/2025–26

1.	विज्ञापनदाता का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल लातेहार।
2.	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	दिनांक 04.08.2025 के कार्यालय अवधि में।
3.	निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय	दिनांक 05.08.2025 के 3.00 बजे अपराह्न तक
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 05.08.2025 के 3.30 बजे अपराह्न के बाद।
5.	परिमाण विपत्र (निविदा कागजात) की बिक्री का स्थान	1. मुख्य अभियन्ता(या0) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, राँची, अभियंत्रण छात्रावास संख्या–2, प्रथम तल, धुर्वा, रांची। 2. अधीक्षण अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, डालटनगंज का कार्यालय। 3. कार्यपालक अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, लातेहार का कार्यालय।
6.	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान	क्रमांक 5 में उल्लेखित कार्यालयों में निर्धारित स्थानों पर।
7.	कार्यो की विवरणी :–	

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	लातेहार – सरयु – कोटाम पथ (MDR- 249) के कि0मी0 19वें, 20वें, 21वें, 22वें, 29वें, 30वें एवं 32वें में साधारण मरम्मति कार्य।	20,00,000.00	40,000.00	5,000.00	2 माह
2	लातेहार (NH-75) – जुबली चौक से हेरहंज भाया नवादा पथ के कि0मी0 1.00 (अंश), कि0मी0 2.00 (अंश) तथा कि0मी0 3.00 (अंश) में साधारण मरम्मति तथा कि0मी0 1.00 में अवस्थित पुल की Railing की मरम्मति एवं रंगरोहन कार्य।	10,00,000.00	20,000.00	1,250.00	1 माह
3	सिकनी – रिचुघुटा पथ (MDR- 247) के कि0मी0 0.00 से कि0मी0 10.00 तक (कुल लम्बाई–10.00 कि0मी0) में साधारण मरम्मति कार्य।	15,00,000.00	30,000.00	2,500.00	45 दिन
4	महुआडांड़ – लोघफॉल पथ के कि0मी0 12वें में Shoulder / Embankment मरम्मति एवं Boulder Pitching के साथ RCC नाली निर्माण कार्य।	20,00,000.00	40,000.00	5,000.00	3 माह
5	महुआडांड़ – लोघफॉल पथ के कि0मी0 14वें में Shoulder / Embankment मरम्मति एवं Boulder Pitching के साथ RCC नाली निर्माण कार्य।	20,00,000.00	40,000.00	5,000.00	3 माह
6	कुटमू – गारू – महुआडांड़ पथ (एस0एच0–09) में स्थित विभिन्न छलका (Cause way) में Curtain Wall निर्माण कार्य।	15,00,000.00	30,000.00	2,500.00	3 माह
7	महुआडांड़ – लोघफॉल पथ के कि0मी0 1वें (शास्त्री चौक से बिरसा चौक बायें तरफ एवं पीपल पेड़ से बिरसा चौक दायें तरफ) 320 मीटर RCC नाली निर्माण कार्य।	25,00,000.00	50,000.00	5,000.00	3 माह
8	कुटमू – गारू – महुआडांड़ पथ (एस0एच0–09) के कि0मी0 65वें में 200 मीटर RCC नाली एवं Shoulder Protection Guard निर्माण कार्य।	20,00,000.00	40,000.00	5,000.00	3 माह
9	कुरो मोड (एस0एच0–09 पर) से बाँसकरचा (एस0एच0–09 पर) भाया बराही, परहाटोली पथ के कि0मी0 15वें में अवस्थित उच्चस्तरीय पुल के Wearing Coat एवं Railing की मरम्मति एवं रंगरोगन का कार्य।	15,00,000.00	30,000.00	2,500.00	2 माह
10	महुआडॉड – नेतरहाट (S.H- 09) के कि0मी0 5वें एवं 6वें के विभिन्न पथांशों में 2 मीटर उँचाई एवं 100 मीटर लम्बाई (कुल लम्बाई–100 मी0) का RCC Retaining Wall का निर्माण कार्य।	38,00,000.00	76,000.00	5,000.00	3 माह
11	कुटमू–गारू–महुआडांड़ पथ (एस0एच0–09) के कि0मी 12वें में 2मी0 उँचाई का Retaining Wall (लम्बाई–50 मी0) निर्माण कार्य।	20,00,000.00	40,000.00	5,000.00	2 माह
12	कुटमू–गारू–महुआडांड़ पथ (एस0एच0–09) के कि0मी 21वें में 5मी0 उँचाई का Retaining Wall (लम्बाई–20 मी0) निर्माण कार्य।	15,00,000.00	30,000.00	2,500.00	3 माह
13	बालूमाथ– हेरहंज – पांकी (एस0एच0–10) के 11वें कि0मी0 में 400 मीटर RCC नाली निर्माण कार्य।	32,00,000.00	64,000.00	5,000.00	3 माह
14	लातेहार –सरयु – कोटाम पथ (MDR- 249) के 10वें, 11वें, 13वें एवं 17वें कि0मी0 में गार्डवाल का मरम्मतिकरण एवं निर्माण कार्य।	20,00,000.00	40,000.00	5,000.00	3 माह
15	बालूमाथ – हेरहंज – पांकी (एस0एच0–10) के 21वें कि0मी0 में 140 मीटर Retaining Wall का निर्माण कार्य।	30,00,000.00	60,000.00	5,000.00	2 माह
16	पथ प्रमंडल, लातेहार का प्रमंडलीय कार्यालय भवन एवं गुण नियंत्रण कार्यालय का विशेष मरम्मति कार्य।	45,00,000.00	90,000.00	5,000.00	4 माह
17	चन्दवा अवस्थित निरीक्षण भवन का मरम्मति एवं सुसज्जीकरण कार्य एवं हाउस कीपिंग कार्य।	15,00,000.00	30,000.00	2,500.00	3 माह
18	अवर प्रमण्डलीय कार्यालय गारू (शिविर बरवाडीह) के मरम्मति एवं साज–सज्जा उपस्कर की आपूर्ति सहित कार्य।	10,00,000.00	20,000.00	1,250.00	2 माह
19	चन्दवा – महुआमिलान – मैक्लुस्कीगंज पथ (MDR- 142) में अवस्थित पुराने पुल के Railing/Parapet का निर्माण एवं रंगरोगन कार्य।	8,00,000.00	16,000.00	1,250.00	1 माह
20	लातेहार– सरयु – कोटाम पथ (MDR- 249) के 2रें, 5वें, 6वें, 9वें, 12वें एवं 13वें कि0मी0 में Crash Barrier Installation एवं मरम्मति का कार्य।	8,00,000.00	16,000.00	1,250.00	1 माह
21	बालूमाथ – हेरहंज – पांकी (एस0एच0–10) पथ के कि0मी0 1.0 में कोमर मोड़ के पास सडक सुरक्षा कार्य।	3,00,000.00	6,000.00	750.00	15 दिन
22	कुटमू– गारू – महुआडांड़ पथ (एस0एच0–09) के कि0मी0 0.00 से 23.00 तक (कुल लम्बाई 23.00 कि0मी0) में सड़क सुरक्षात्मक कार्य।	8,00,000.00	16,000.00	1,250.00	1 माह
23	कार्यालय परिसर में अवस्थित सहायक अभियंता (अनुश्रवण) तथा प्राक्कलन एवं पत्राचार लिपिक कक्ष का जीर्णोधार कार्य।	20,00,000.00	40,000.00	5,000.00	3 माह

नोटः– 1) निविदा आमंत्रण सूचना www.prdjharkhand.gov.in एवं निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।
2) कार्य की प्राक्कलित राशि घटने–बढ़ने की स्थिति में, उसी के अनुरूप अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य लिया जायेगा।
3) निर्धारित निविदा तिथी को सरकार द्वारा अवकाश घोषित होने पर निविदा आमंत्रण की तिथी अगले कार्य दिवस को होगी।

कार्यपालक अभियन्ता
प0नि0वि0 पथ प्रमण्डल लातेहार

PR.NO.357411 Road(25-26):D

लातेहार-महुआडांड़ सड़क पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिले के लातेहार-महुआडांड़ सड़क पर बारेसांड घाटी में भूस्खलन हो गया। भूस्खलन के कारण सड़क गाड़ियों का आवागमन पूरी तरह रुक गई है। यह रास्ता लातेहार और पलामू को महुआडांड़ के रास्ते से छत्तीसगढ़ को जोड़ती है। भूस्खलन के कारण बड़ी संख्या में लोग सड़क पर फंस गए हैं। हालांकि सूचना मिलने के बाद प्रशासन के द्वारा सड़क की सफाई का कार्य आरंभ कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार लातेहार जिले में पिछले दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण बुधवार को अचानक बारेसांड घाटी में पहाड़ी का एक भाग टूट कर सड़क पर आ गिरा। इस कारण सड़क पर आवागमन बंद हो गया। हालांकि भूस्खलन की इस घटना में कोई हताहत या कोई घायल नहीं हुआ है। अचानक पहाड़ी को टूटकर सड़क पर गिरने के कारण सड़क पर यात्रा कर रहे लोग बीच सड़क में ही फंस गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस समय भूस्खलन हुआ,उस समय घटनास्थल पर कोई भी गाड़ी नहीं थी। हालांकि थोड़ी देर में ही भूस्खलन के दोनों ओर गाड़ियों की कतार लग गई। यदि कोई गाड़ी भूस्खलन की चपेट में आ जाती तो स्थिति भयावह हो जाती। लोगों ने बताया कि यह सड़क महुआडांड़ के रास्ते से सीधा छत्तीसगढ़ को जोड़ती है। वहीं इस रास्ते के माध्यम से प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नेतरहाट,लोध फॉल,सुग्गा बांध सहित अन्य स्थानों पर घूमने के लिए भी लोग जाते हैं। इसी कारण यह सड़क काफी व्यस्त रहती है। इधर भूस्खलन की जानकारी मिलने के बाद एसडीएम विपिन कुमार दुबे का निर्देश पर प्रशासन की टीम जेसीबी के साथ स्थल पर पहुंचकर राहत कार्य आरंभ कर दी है। संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही यातायात सुचारू बना दिया जाएगा।

भारी बारिश से कहीं गिरा घर तो कहीं पेड़

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश से कई घर ढह गये। जिससे आमजनों को जान माल की भारी क्षति पहुंची है। मूसलाधार बारिश से सासंग ग्राम निवासी योगेश्वर भुइयां का मकान गिर गया। बरसात के मौसम में घर ध्वस्त हो जाने से उनके परिवार की परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने प्रखंड प्रशासन से तत्काल मदद की गुहार लगाई है। वहीं अलौदिया व हुटाप पंचायत में तेज बारिश से गुलमोहर व करंज के पेड़ गिर जाने से आवागमन बाधित हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से पेड़ को हटाया गया जिसके बाद अवागमन शुरू हो पाया। बता दें कि इस वर्ष मानसून के शुरुआत के साथ ही हो रही बारिश में प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में दर्जनों गरीबों का आशियाना ध्वस्त हो गया। कई ग्रामीण इलाकों में पुल पुलिया एवं पहुंच पथ भी बारिश में बह गया है। बारिश के साथ हो रहे बज्रपात से अब तक कई लोग व पशुधन की भी जान जा चुकी है।

जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव 26 को नामांकन प्रक्रिया शुरू

लातेहार। जिला अधिवक्ता संघ लातेहार के पदाधिकारियों का चुनाव आगामी 26 जुलाई को होना निर्धारित किया गया। इसकी सारी तैयारी चल रही है। चुनाव प्रभारी अधिवक्ता अनिल ठाकुर के अनुसार चुनाव से संबंधित सारी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 14 जुलाई को मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। 16-17 जुलाई को नामांकन प्रपत्र की बिक्री और अध्यक्ष समेत विभिन्न पदों के लिए नामांकन की प्रक्रिया की जा रही है। चुनाव प्रभारी गणेश कुमार के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए अधिवक्ता राजमणि प्रसाद ने बुधवार की दोपहर करीब एक बजे नामांकन किया। जबकि संयुक्त सचिव के लिए अधिवक्ता बनवारी प्रसाद, संजय कुमार गुप्ता और सचिव के लिए संजय कुमार ने नामांकन दाखिल किया है। वहीं चुनाव प्रभारी संतोष रंजन ने बताया कि नामांकन की प्रक्रिया संपन्न होने के बाद 18 जुलाई को स्क्रूटनी होगी। 19 जुलाई को उम्मीदवारों का फाइनल लिस्ट का प्रकाशन किया जाएगा और 26 जुलाई को जिला अधिवक्ता संघ भवन में मतदान होगी। मतदान सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक होगी और ढाई बजे दोपहर से मतपत्र की गिनती होगी।

न्यूज बॉक्स

लाभुकों के बीच किया अनुदान पर पंप सेट का वितरण

लातेहार। लातेहार जिले में 300 किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर पंपसेट का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के द्वारा लातेहार प्रखंड के पंचायत डेमू, ग्राम डेमू की जैस्मीन मारडी को 90 प्रतिशत अनुदान पर पंपसेट, सक्शन पाइप और डिलीवरी पाइप का वितरण किया गया। यह वितरण राज्य यांत्रिकीकरण प्रोत्साहन योजना के तहत किया गया। लाभुक जैस्मीन मारडी ने पंपसेट प्राप्त कर खुशी व्यक्त की और प्रशासन का आभार प्रकट किया। मौके पर जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी विवेक मिश्रा, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार उपस्थित थे।

यौन शोषण व रंगदारी मांगने मामलों में दो को जेल

चंदवा। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निर्देश पर पुनि सह थाना प्रभारी रणधीर कुमार सिंह के नेतृत्व में चंदवा पुलिस की टीम ने नाबालिग से यौन शोषण एवं रंगदारी मांगने के दो अलग अलग मामलों में दो अभियुक्त अनूप उरांव (बनहरदी, चंदवा) व मुकेश कुमार पिता मनोज कुमार (नवाजयपुर पलामू) को गिरफ्तार कर लातेहार जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि चंदवा कांड संख्या 153/25 अनूप उरांव के विरुद्ध नाबालिग किशोरी के साथ यौन शोषण के आरोप में मामला दर्ज है। वहीं मुकेश कुमार के विरुद्ध चंदवा थाना में कांड संख्या 167/25 में रंगदारी मांगने के आरोप में मामला दर्ज है। मुकेश कुमार रिकवरी एजेंट का काम करता है। मामले में ट्रक चालक रितेश कुमार के द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

थाना दिवस पर कई मामलों का निष्पादन

चंदवा। थाना परिसर में बुधवार को थाना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। थाना दिवस कार्यक्रम में एसडीओ अजय कुमार रजक, एसडीपीओ अरविंद कुमार,अंचल निरीक्षक महेश सिंह की मौजूदगी में दर्जनों ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को रखा जिसकी जांच कर संबंधित मामलों का निष्पादन किया गया। साथ ही कई मामलों में अग्रतर कार्रवाई को लेकर जांच रिपोर्ट अधिकारियों को समर्पित करने का निर्देश भी दिया गया तथा वरीय अधिकारियों को भी अग्रसारित किया गया। अंचल निरीक्षक महेश सिंह ने बताया कि थाना दिवस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सुलभ तरीके से आमजनों के समस्याओं का निष्पादन करना है ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। इस दौरान भूमि विवाद निबटारा के अलावे यौन शोषण, मोबाइल गुम होने संबंधित आवेदन जमा हुआ। जिस पर अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई की बात कही। मौके अंचल कर्मचारी व चंदवा थाना के एसआई मौजूद थे।

पूर्व प्राचार्य के निधन पर शोकसभा

लातेहार। राजकीय कृत +2 उच्च विद्यालय लातेहार के पूर्व प्राचार्य सुधीर कुमार का बुधवार की सुबह करीब 11 बजे निधन हो गया। वे गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। उनके निधन पर विद्यालय परिसर में शोकसभा का आयोजन किया गया। सभी शिक्षक एवं छात्रों ने 2 मिनट का मौन रखते हुए पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व नीट की परीक्षा में इनका पुत्र पूरे भारत में रैंक 1 लाकर उत्तीर्ण हुआ था। शोक सभा में विद्यालय की प्राचार्या तृप्ती भारती, वरीय शिक्षक नरेन्द्र कुमार पांडेय, दशरथ सिंह, संतोष कुमार पासवान निखिल कुमार गुप्ता, बिजेता मिंज, रोशन लकड़ा, एवलीन कुजूर, मनीष कुमार सहित सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

बरवाडीह-भंडरिया सड़क का होगा पुनर्निर्माण : सांसद

- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दी 82.42 करोड़ की स्वीकृति

लातेहार। जिले के बरवाडीह से मंडल होते हुए भंडरिया तक की वर्षों से जर्जर पड़ी सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण व पुनर्निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। चतरा सांसद कालीचरण सिंह का प्रयास अब रंग ला रहा है। सांसद ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को इसे लेकर एक अनुरोध पत्र सौंपा था। सांसद कालीचरण सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया था कि बरवाडीह-मंडल-भंडरिया सड़क की हालत अत्यंत जर्जर है और इससे आमजन के आवागमन में भारी कठिनाई हो रही है। उन्होंने सड़क के चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण की मांग करते हुए इसे ग्रामीणों की जीवनरेखा बताया था। सांसद ने यह भी आग्रह किया कि लगभग 20 किलोमीटर लंबी इस सड़क को मजबूत आधार के साथ पुनर्निर्मित किया जाए, जिससे क्षेत्र में सुगम आवागमन सुनिश्चित हो सके। सांसद के अनुरोध को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 27 जून, 2025 को भेजे अपने जवाबी पत्र में जानकारी दी कि इस योजना को रु. 82.42 करोड़ की लागत से सेंट्रल रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए मंजूरी दे दी गई है।

स्वीकृत योजना के तहत बरवाडीह-मंडल-भंडरिया सड़क के चेनज 25 किमी से 45 किमी तक के हिस्से में चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं पुनर्निर्माण का कार्य कराया जाएगा। यह स्वीकृति लातेहार जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। लोगों ने सांसद कालीचरण सिंह को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके प्रयासों से वर्षों की उपेक्षा झेल रही यह सड़क अब न केवल बन सकेगी, बल्कि सुरक्षित और टिकाऊ भी होगी।

करंट की चपेट में आने से आधा दर्जन पशुधन की मौत

हेरहंज। प्रखंड मुख्यालय स्थित पंचायत भवन के एक सौ मीटर पिछे दूरी पर 11 हजार वोल्ट की चपेट में आने से 6 मवेशियों की हुई दर्दनाक मौत हो गई। घटना बुधवार की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त मवेशी हेरहंज प्रखंड मुख्यालय निवासी उमेश यादव की है। इस घटना के बाद से मवेशी पालक उमेश यादव एवं उनके परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

कांवरियों का जत्था देवघर रवाना

नवीन मेल संवाददाता

बेतला। कुटमु ग्राम के शिवभगतों ने श्रावणी मेले की शुरूआत के साथ ही कांवरियों का पहला जत्था मंगलवार को बाबाधाम के लिए रवाना हुआ। चल रे कांवरिया शिव के धाम के जयघोष के बीच 11 शिवभक्तों का यह जत्था सुरक्षित वाहन से बाबाधाम की ओर प्रस्थान कर गया। जत्थे की अगुवाई मंदिर परिसर में पुजारी बिट्टू पाठक ने की, जिन्होंने कांवरियों को माथे पर तिलक लगा कर विदा किया। रवानगी से पहले सभी शिवभक्तों ने कुटमू शिवमंदिर में मत्था टेककर पूजा-अर्चना की और बाबा भोलेनाथ से यात्रा की सफलता और क्षेत्र में सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान रामजी महतो, अजय सिंह, आशीष प्रसाद, महेंद्र सिंह, गुड्डू सिंह, प्रमोद यादव, दीपक यादव, बिनोद सोनी, सचिन यादव, प्रवीण सिंह और अमरेश विश्वकर्मा जैसे शिवभक्त शामिल थे।

दर्जनों भर जंगली हाथियों ने मचाया तांडव, लोगों ने रात भर रहे परेशान

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। प्रखंड क्षेत्र के साल्वे पंचायत अंतर्गत साल्वे ग्राम के बामहन टोला में बिते रात दर्जन भर जंगली हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। इस क्रम में साल्वे ग्राम निवासी जयचंद सिंह पिता स्व. मुनि सिंह का घर को ध्वस्त करते हुए घर में रखे चावल, सरसो, अरहर व मक्का का बीज को खाकर चट कर दिया। वहीं घर ध्वस्त होने से घर के अंदर रखे घरेलु सामान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना से जयचंद सिंह ने डेढ़ लाख रुपए की नुकसान होने की बात बताया। वहीं पास के मदन सिंह पिता भंदु सिंह का घर का दीवार को हाथियों ने ध्वस्त कर दिया और घर के अंदर घुस गया। उन्होंने बताया कि वे अपने घर के अंदर सो रहे थे उसी जगह का दीवार हाथी ने तोड़ दिया। अचानक वे हाथी को देकर बुरी तरह से घबरा गए फिर भी उन्होंने अपनी सुझ बुझ से अपने पत्नी व भाभी देवन्ती देवी के साथ घर से निकल कर अपने पडोसी सुनील सिंह के घर पहुंचे। इसके बाद हाथियों ने शिवमंगल सिंह पिता महेश्वरी सिंह व सुनील सिंह पिता बैकीम सिंह का घर का चार दीवारी व गोहाल को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके साथ धनंजय सिंह के गोहाल को भी तोड़ फोड़ किया। आनंद सिंह के घर की चार दिवारी व एक फलदार आम के पेड़ को तोड डाला,ग्रामीणों की भारी मस्कत से हाथियों को भगाया गया। वहीं सूचना पाकर सुबह ही जिप सदस्य रमेश राम, वनपाल मंगल सिंह, वन रक्षी संतोष मिंज समाज सेवी नंदु उरांव ने घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटना का जायजा लिया और हाथियों द्वारा कि गई क्षति का आकलन किया साथ ही हाथियों से बचाव हेतु आवश्यक सलाह व निर्देश दिए। ग्रामीणों ने हाथियों को क्षेत्र से भगाने व क्षतिपुर्ति की मांग की। इस पर पनपाल मंगल सिंह ने लोगों को इस पर जल्द कार्य करने का आश्वासन दिया।

थाना परिसर में शिविर का आयोजन

महुआडांड़। जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के तहत महुआडांड़ थाना परिसर में शिविर का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी मनोज कुमार और सीओ सह बीडीओ संतोष कुमार बैठा की मौजदूगी में शिविर में आये मामले का नियटारा किया गया। शिविर में तीन मामले आये। थाना क्षेत्र के हरनागुड़ा, डीपाटोली और हामी गांव से जमीन विवाद का मामला पर आवेदन पड़े थे। वहीं तीनों मामले का निपटारा ऑनस्पोर्ट किया गया। मौके एसआई नौशाद आलम एवं ग्रामीण मौजूद थे।

सरकारी जमीन अतिक्रमण करने पर होगी कार्रवाई : अरविंद

लातेहार। अंचलाधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो और प्रभारी थाना प्रभारी सुरेंद्र महतो सदर प्रखंड के बिशुनपुर गांव पहुंचे। सरकारी जमीन का किए गए अतिक्रमण को खाली करने के लिए अंतिम चेतावनी दिया। अंचलाधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो ने बताया कि गांव के 8 लोगों द्वारा सरकारी जमीन का अतिक्रमण कर रखा है। पूर्व में भी इन्हें प्रशासन के द्वारा नोटिस के माध्यम से खाली करने को कहा गया है।

ट्रेड लाईसेंस को लेकर नप ने चलाया अभियान

- नहीं बनवाया तो बनवा लें, नहीं तो दुकान हो जाएगा सील

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ट्रेड लाइसेंस को लेकर थाना चौक एवं चटनाही के आसपास के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का जांच किया गया। जांच के क्रम में जिन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का ट्रेड लाइसेंस नहीं पाया गया उन्हें वर्तमान में नोटिस करते हुए ट्रेड लाइसेंस बनाने का निर्देश दिया गया। इस संबंध में अधिक जानकारी देते नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में यदि ट्रेड लाइसेंस नहीं बनाया जाता है, तो संबंधित प्रतिष्ठा को सील करते हुए 25 हजार का जुमार्ने की राशि वसूल की जाएगी। वर्तमान में धनंजय टेलीकॉम चटनाही रोड, तेजस हर्बल, दीपक फास्ट फूड किशोर किराना दुकान इत्यादि को नोटिस निर्गत किया गया है।

झाबर के बिरहोर टोला में बीज वितरण, ग्रामीणों में खुशी की लहर

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के द्वारा बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत झाबर पंचायत के बिरहोर टोला में बुधवार को बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेष तौर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और बिरहोर टोला के ग्रामीणों के बीच उरद के बीज का वितरण किया। बीज वितरण के दौरान गुलेन्दर बिरहोर, कमलेश बिरहोर, दिनेश बिरहोर, रमेश बिरहोर, संजय बिरहोर समेत कई ग्रामीणों को बीज उपलब्ध कराया गया। ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि बिरहोर टोला में पहली बार विभाग के जिम्मेदार पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि खुद उनके गांव में आकर बीज बांटे हैं। इससे ग्रामीणों में खेती के प्रति उत्साह बढ़ा है और वे उम्मीद कर रहे हैं कि आने वाले दिनों में फसल उत्पादन में भी अच्छी वृद्धि होगी। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए जिप उपाध्यक्ष अनीता देवी का आभार प्रकट किया और कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ उन तक सीधे पहुंचाना एक सराहनीय कदम है। कार्यक्रम के दौरान जिप उपाध्यक्ष अनीता देवी ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि गांव के अंतिम पंक्ति के किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि बिरसा फसल विस्तार योजना के माध्यम से किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज और तकनीकी मदद दी जाएगी ताकि खेती को लाभकारी बनाया जा सके। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में योजनाओं का लाभ लें और अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करें। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को फसल की बेहतर देखभाल, समय पर खाद व सिंचाई और आधुनिक खेती के तौर-तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। बीज वितरण कार्यक्रम के सफल आयोजन से बिरहोर टोला समेत आसपास के गांवों में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी रघुनंदन राम, सहायक तकनीकी प्रबंधक समीम अंसारी और झाबर पंचायत के मुखिया पति समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Limited
(CIN: U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002, JH
Phone: 0651-2400804 ,Website: www.jusnl.in
Office of the : General Manager Transmission Zone – IV, Medininagar (Daltonganj)
Address-Sudna, Daltonganj / e-mail : gmtzdal@gmail.com

Tender Notice

Sealed tender are invited in two parts Part-I as Technical & Commercial & Part-II as Price Part (Both in two separate sealed envelopes superscribed with NIT No. and Part) from reputed and experienced agencies/firms for the following work :-

Sl. No.	NIT No.	Description of work	Cost of BOQ (Non refundable)	EMD
1.	281/PR/JUSNL/ 2025-26	Procurement of Transformer oil sampling bottles & DGA glass syringes for grid sub station under Transmission ZONE-IV, Medininagar.	Rs. 1476/- (including GST @ 18%)	Rs. 12000/-

1. Start date and time for sale of Tender Documents: - **17.07.2025** at 14:00 PM.
2. Last date and time for sale of Tender Documents: - **06.08.2025** at 17:00 PM.
3. Last date and time for submission of tender: - **07.08.2025** at 05:00 PM.
4. Date and time for opening of tender: - **08.08.2025** at 12:30 PM.
5. Tender documents along with terms and condition can be purchased from the office of General Manager, TZ-IV, Medininagar on payment of cost of BOQ (Non-refundable) in shape of D.D. drawn in favour of Accounts Officer, Transmission Zone-IV, Daltonganj payable at Daltonganj on any working day under the name of bidder only.
6. No postal transaction of purchase/submission of tender documents shall be entertained.
7. The under signed reserves the right to issue the tender documents/extend the date of sale/submission/opening of tenders and distribute the works among the tenderers or reject any/all tenders without assigning any reason thereof.
8. If there is sudden announcement of holiday of Govt. or Nigam on the date of opening of tender/last date of submission of hard copy of bid then the next working day will be considered.
9. For any clarifications please contact on Mobile No. 8271433009.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-IV, Medininagar

PR 357452 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(25-26).D

OFFICE OF DISTRICT LEGAL SERVICES AUTHORITY, PALAMAU

Notice regarding vacancy of Member in Permanent Lok Adalat, Palamau

Application in the prescribed format is invited from persons having adequate experience in public utility services (transport service for the carriage of passengers or goods by air, road or water; or postal telegraph or telephone service; or supply of power, light or water to the public by any establishment; or system of public conservancy or sanitation; or service in hospital or dispensary; or insurance service; or banking service; or education or educational institutions; or housing and real estate services) for filling up the post of Member, PLA of Palamau.

Number of Posts - 01

Entitlement: Sitting fee of Rs. 2500/- per sitting and Conveyance allowance as per the Permanent Lok Adalat (Other Terms and Conditions of Appointment of Chairman and Other Persons) Amendment Rules, 2025.

Period of appointment: The Member shall hold office for a term of 5 years or till the age of sixty-five years, whichever is earlier. Applicant must attach **one recent passport size photograph affixed in application, two self addressed stamped envelope (Rs.42/- each)** with the application.

Last Date of application: Application addressed to Chairman, **District Legal Services Authority, Civil Court, Palamau** must reach by Speed Post/Courier/Registered Post latest by **08/08/2025 by 5 PM**.

Sd/-
Principal District & Session Judge -cum-Chairman DLSA, Palamau

Application for the post of Member, PLA Palamau

Photograph

FORMAT

Name of Applicant:	
Fathers Name:	
DOB and Age:	
Address with PIN code	
Contact No.	
Email address	
Educational Qualification: *enclose copies of educational qualification	
Experience, work profile certificate, if any. *enclose copies of experience certificate	
Whether convicted in any criminal case or any criminal case pending against the candidate(Yes/No)	

DECLARATION

I hereby declare that all the contents mentioned above are true and nothing has been concealed by me. If any statement is found incorrect or misleading, my candidature may be cancelled.

Date and Place **Signature of applicant and Mobile No.**

PR.NO.357461 District(25-26):D

झारखण्ड सरकार
कार्यालय जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, लोहरदगा।

लोहरदगा जिला अंतर्गत बिहार/झारखण्ड सहकारी समितियाँ अधिनियम– 1935 तथा बिहार/झारखण्ड स्वावलंबी सहकारी समितियाँ अधिनियम 1996 के अंतर्गत निबंधित एवं वर्तमान में कार्यरत समितियों के लिए वर्ष 2025–26 से 2027–28 की अवधि में अपने कार्यक्षेत्र अंतर्गत अवस्थित जलकरों के अल्पकालीन बंदोबस्ती हेतु प्रस्ताव प्रेषण से संबंधित आवश्यक सूचना।

प्रस्ताव प्रेषण की अंतिम तिथि 28.07.2025

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वर्ष 2025–26 से 2027–28 की अवधि हेतु लोहरदगा जिला के ऐसे जलकरों की अल्पकालीन बंदोबस्ती की जानी है जिनकी बंदोबस्ती अवधि 31 मार्च, 2025 को समाप्त हो चुकी है या जो पूर्व से अबंदोबस्त है। संबंधित जलकरों की सूची जिला मत्स्य कार्यालय, लोहरदगा के सूचनापट्ट पर अंचलवार देखी जा सकती है या कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 1410, दिनांक 29.06.2011 के द्वारा अल्पकालीन बंदोबस्ती के परिप्रेक्ष्य में अधिनियम – 1935 एवं 1996 के अंतर्गत निबंधित समितियों को समतुल्य करार दिया गया है। तदुपरि कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग) झारखण्ड, राँची के परिपत्र सं0 – 55, दिनांक 25.01.2022 के आलोक में पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, बिहार के परिपत्र सं0 – 114, दिनांक 18.01.1992 की कंडिका क 1 को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग) के पत्रांक 1325, दिनांक 11.10.2023 के द्वारा संशोधित करते हुए पंचायत स्तर, प्रखण्ड स्तर, जलाशय स्तर पर एवं नगर निगम क्षेत्र स्तर पर कार्यरत मत्स्यजीवी सहयोग समितियों/स्वावलंबी सहकारी समितियों को निर्धारित सुरक्षित जमा राशि पर अल्पकालीन बंदोबस्ती का प्रावधान किया गया है। लोहरदगा जिला में कार्यरत सभी मत्स्यजीवी सहयोग समितियों/स्वावलंबी मत्स्यजीवी सहयोग समितियों से वर्ष 2025–26 से 2027–28 की अवधि के लिये अल्पकालीन बंदोबस्ती हेतु उपलब्ध (सूचीगत) ऐसे जलकरों जो प्रस्तावक समिति के कार्यक्षेत्र अंतर्गत अवस्थित है की सुरक्षित जमा राशि पर अल्पकालीन बंदोबस्ती (वर्ष 2025–26 से 2027–28) हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है।

प्रस्ताव के साथ निम्नवर्णित दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य है :–

1. सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ/जिला सहकारिता पदाधिकारी के द्वारा वर्तमान कैलेन्डर वर्ष में निर्गत स्वच्छता–प्रमाण–पत्र।
2. आमसभा की कार्यवाही की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
3. अंकेक्षण प्रतिवेदन की छायाप्रति।
4. विशेष आमसभा/निर्वाचन कार्यवाही की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
5. पूर्व से बंदोबस्त जलकरों की वितरण सूची (वर्षवार)।
6. पूर्व के बकायेदार नहीं रहने संबंधी प्रमाण–पत्र।
7. अद्यतन राजस्व जमा से संबंधित रसीद की छायाप्रति।
8. सदस्यता सूची की सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, राँची के द्वारा अभिप्रमाणित छायाप्रति।

यदि कोई जलकर एक से अधिक मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के क्षेत्राधिकार में अवस्थित हो तथा ऐसी सभी समितियाँ बंदोबस्ती की अर्हता पुरी करती हो, तो वैसी स्थिति में इन समितियों के बीच सीमित डाक कराकर उच्चतम बोली लगाने वाली समिति के साथ जलकर की बंदोबस्ती की जायेगी।

बंदोबस्ती का प्रस्ताव (स्वच्छता–प्रमाण–पत्र एवं अन्य सुसंगत दस्तावेज के साथ) दिनांक 28.07.2025 तक कार्यालय अवधि में जिला मत्स्य कार्यालय, लोहरदगा में जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि तक जिन जलकरों की बंदोबस्ती का प्रस्ताव प्राप्त नहीं होगा उनके खुले डाक से बंदोबस्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, लोहरदगा।

PR 357390 Lohardaga(25-26)D

लोहरदगा शहरी क्षेत्र की उपेक्षा से जनता में बढ़ रहा आक्रोश

'सुविधाएं नदारद, जनता टैक्स देकर भी परेशान'

- लोहरदगा नगर परिषद पर सवाल - टैक्स तो लिया जा रहा, सुविधाएं शून्य
- "अंधेरे, गंदगी व मच्छरों से त्रस्त लोहरदगा, नगर परिषद बेखबर"
- "लोहरदगा की जनता पूछ रही - टैक्स क्यों दें जब सुविधाएं नहीं मिलतीं?"
- "स्ट्रीट लाइट बंद, फॉगिंग नहीं, सफाई ठप : कब जागेगा नगर परिषद?"

राहुल कौशल

लोहरदगा। नगर परिषद क्षेत्र की सीमाओं को लेकर आम जनता अब तक असमंजस में है। लोगों को यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वे नगर परिषद की सीमा में आते हैं या नहीं। जबकि, कर (टैक्स) नियमित रूप से वसूला जा रहा है। लेकिन विडंबना यह है कि सुविधाओं के नाम पर शून्य स्थिति बनी हुई है। जनता ने नगर परिषद के प्रशासक व संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे इन समस्याओं का शीघ्र संज्ञान लें और विभिन्न कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें जिसमे बंद स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, नियमित फॉगिंग और ब्लीचिंग, बेहतर सफाई व्यवस्था, खराब नालियों की मरम्मत, पेयजलापूर्ति समेत शहरी क्षेत्र को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधा-संपन्न बनाने की दिशा में नगर परिषद को शीघ्र ठोस कदम उठाने होंगे, अन्यथा जनता का आक्रोश आंदोलन का रूप भी ले सकता है।

उपायुक्त के निर्देश के बावजूद नही हुई मरम्मति

लोहरदगा। तीन दिन पहले जिले के उपायुक्त डॉ ताराचंद ने बैठक कर लोहरदगा जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश की वजह से पथों में कीचड़ व जलजमाव की स्थिति को दूर करने का निर्देश दिया था। खराब पथों में स्टोन-डस्ट व बालू भराव कर समतल करने का निर्देश दिया था। वही पावरगंज से सदर अस्पताल तक दोनों ओर नालियों को ढंके जाने का निर्देश दिया गया था बावजूद तीन दिन बीत जाने के बाद भी अबतक इसपर कोई सकारात्मक पहल नहीं किया जाना दुखद है।

मुख्य सड़कों पर अंधेरा

शहर की मुख्य सड़कों पर स्ट्रीट लाइटें महीनों से बंद पड़ी हैं। खासकर में रोड जैसे अति महत्वपूर्ण इलाके में अधिकांश स्थानों पर अंधेरा पसरा रहता है। दो-चार जगहों को छोड़ दें तो पूरी सड़क अंधकार में डूबी रहती है, जिससे आम नागरिकों को रात्रि में आवागमन में गंभीर परेशानी हो रही है। यह स्थिति न केवल असुविधाजनक है, बल्कि असुरक्षित भी।

डेंगू-मलेरिया का बढ़ता खतरा

बरसात का मौसम लगभग समाप्ति पर है, लेकिन नगर परिषद की ओर से अब तक न फॉगिंग मशीन से धुंआ छोड़ा गया और न ही ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया है। इससे मच्छरजनित रोगों जैसे डेंगू, मलेरिया आदि का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग और नगर परिषद की इस निष्क्रियता से नागरिकों की चिंता बढ़ गई है।

निगरानी नहीं जवाबदेही शून्य

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद के अधिकारी शायद ही कभी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण करते हों, वरना स्थिति इतनी बदतर न होती। जनता का सवाल है कि जब वे नियमित रूप से टैक्स अदा करते हैं, तो बदले में उन्हें मूलभूत सुविधाएं क्यों नहीं मिलतीं? क्या केवल टैक्स देना ही नागरिक का कर्तव्य है, व सुविधाएं देना प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं?

सफाई व्यवस्था व नालियों की बदहाली

शहर की सफाई व्यवस्था भी चरमरा गई है। विशेषकर हेड पोस्ट ऑफिस के पास पाइपलाइन डाले जाने के बाद से नालियों की स्थिति और बिगड़ गई है। कहीं नाली दिखती है, तो कहीं केवल गड्ढा नज़र आता है। इससे जलजमाव और गंदगी फैलने का खतरा बना रहता है।

कुडू एनएच-39 सड़क पर गड्ढा बना हादसे की वजह

प्रतिदिन राहगीरों, बाइक चालकों की जान जोखिम में

नवीन मेल संवाददाता

कुडू (लोहरदगा)। नेशनल हाईवे-39 पर कुडू रांची मुख्य पथ के पडहा भवन के समीप सड़क पर बने बड़े गड्ढे से दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। यह मार्ग अत्यंत व्यस्ततम है, जहाँ प्रतिदिन हजारों की संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। गड्ढे के कारण कई वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। सबसे ज्यादा खतरा मोटरसाइकिल सवारों और पैदल चलने वाले राहगीरों को है, जो अक्सर अचानक सामने आए इस गड्ढे का शिकार बन जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएचएआई और जिला प्रशासन पूरी तरह मौन है। कुछ दिनों पूर्व इसी गड्ढे की वजह से एक युवक की जान चली गई थी, जिसके बाद अंचल अधिकारी मधुश्री मिश्रा ने एनएच कर्मियों को गड्ढा भरने का निर्देश दिया था। हालांकि, सड़क को अस्थायी रूप से भरने का काम किया गया, लेकिन कुछ ही दिनों में गड्ढा दोबारा उभर आया, जिससे यह स्पष्ट है कि मरम्मत कार्य केवल खानापूर्ति थी। स्थानीय लोग स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं और चेतावनी दे रहे हैं कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

गांव के रास्ते में विशाल पेड़ गिरने से यातायात हुआ बाधित

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। अंचल क्षेत्र के जोगना ग्राम स्थित गांव के रास्ता में विशाल पेड़ गिरने से आवागमन बाधित होने से कई गांव का प्रखंड व जिला मुख्यालय से सम्पर्क कट गया। प्रखंड व जिला मुख्यालय तथा बाजार आने जाने के लिये दूरी बढ़ गया। वही ग्रामीणों के पहल से काफी मकसत के बाद पेड़ को काट कर हटाया गया। विदित हो कि जोगना ग्राम में गांव के रास्ते में बुधवार को सुबह में विशाल पाकर पेड़ गिरने पर मेढो,उगरा,घाटा,गगेया,मुरपा सहित अन्य गांव की दूरी प्रखंड व जिला मुख्यालय से बढ़ गया। वही सुबह से शाम तक यातायात बाधित रहा। जिसे ग्रामीणों को काफी परेशानी हुई।बारिश के कारण पाकर पेड़ बीच सड़क पर गिर गया था। पेड़ गिरने से बिजली तार टूट कर झूल गया। जिससे ग्रामीणों के बीच खतरा बढ़ने का संदेह बना हुआ था। जिसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा बिजली विभाग को देते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने का अपील किया गया। जिसपर मानव दिवस कर्मियों ने घटना स्थल पर पहुंच बिजली तार दुरुस्त करने में जुट गए। इस संदर्भ में जेवियर उरांव, सुनील उरांव, सुलेमान उरांव, शंकर उरांव द्वारा बताया गया कि लगभग सौ साल पुराना विशाल पाकर पेड़ के गिरने से कोई अप्रिय घटना नही हुआ है। परन्तु फिलहाल आवगमन बाधित हो गया है। जिसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को देते हुए समस्या का निदान कराने का अनुरोध किया गया है। साथ ही बताया कि गांव के स्थानीय ग्रामीणों का सहयोग से विशाल पेड़ हटवाने की दिशा में पहल किया जा रहा है।

भूमि अधिग्रहण के मामलों में जल्द से जल्द मुआवजा का भुगतान हो : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में जिला के आंतरिक संसाधन की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपायुक्त ने भू-अर्जन पदाधिकारी को अधिग्रहित भूमि के आलोक में नियमानुकूल मुआवजा की राशि जल्द से जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि भूमि-अधिग्रहण से लोहरदगा बाईपास व उसके आसपास सरकार की कई महत्वकांक्षी योजनाओं को पूर्ण किया जाना है। लोहरदगा जिला के विकास के लिए सभी योजनाएं महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में भूमि-अधिग्रहण के उपरांत रैयतों का ससमय भुगतान अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। सभी पदाधिकारी आमजनों के प्रति संवदेनशील रहें और उनकी समस्याएं सुन कर उनका त्वरित निवारण करें। साथ ही लोगों के बीच प्रशासन के प्रति सकारात्मक विश्वास पैदा करें। लापरवाही से किसी योजना को पूर्ण करने में अगर विलंब होता है तो यह कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपायुक्त ने अंचलवार विभिन्न मौजा में भूमि अधिग्रहण व रैयतों के भुगतान की समीक्षा की। साथ ही जिन रैयतों का अभिलेख सत्यापित नहीं है उन अभिलेखों का सत्यापन जल्द से जल्द कर भुगतान कराने का निर्देश दिया। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा परियोजनाओं के लिए भूमि की अधियाचना की समीक्षा की गई और अंचल अधिकारियों को उक्त परियोजना के लिए भूमि चिन्हित कर अवगत कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, भू-अर्जन पदाधिकारी सुजाता कुजूर, अवर निबंधक सुभाष दत्ता, सभी अंचल अधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

अंचल दिवस में ज्यादा से ज्यादा मामलों का निबटारा हो

सभी अंचल अधिकारियों को अंचल दिवस के दिन ज्यादा से ज्यादा भूमि विवादों को निष्पादित करने का निर्देश उपायुक्त डॉ ताराचंद के द्वारा दिया गया। बैठक में दाखिल खारिज, एनजीडीआरएस, आपसी बंटवारा, सक्सेसन म्युटेशन, जाति, आवासीय व आय प्रमाण पत्रों को ससमय निर्गत किये जाने समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। आपदा से हुए क्षति के मामले संज्ञान में आते ही अभिलेख तैयार कर जल्द से जल्द उसका भुगतान के लिए अग्रेत्तर कार्रवाई करने का निर्देश उपायुक्त द्वारा दिया गया।

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग)
झारखण्ड, रॉंची

निदेशालय पशुपालन, झारखण्ड, रॉंची द्वारा प्रायोजित केन्द्रीय योजना LHDCP अन्तर्गत मादा पशुओं में टीकाकरण 2025–26 Round 4 (Phase-I)

टीकाकरण कार्यक्रम

ब्रुसेलोसिस **(Brucellosis)** टीकाकरण

1. टीका का अवधि :– 19 जुलाई 2025 से 18 अगस्त 2025 तक
2. टीकाकरण हेतु पशु :– (4–8 महीना) के सभी मादा गोवंषीय एवं भैंस
3. शुल्क :– निःशुल्क
4. टीकाकर्मी :– प्रखण्ड पशुचिकित्सा पदाधिकारी द्वारा नामित टीकाकर्मी
5. अन्य :– सभी पशुओं हेतु निःशुल्क कृमिनाषक दवा का वितरण

नोट :– किसी प्रकार की जानकारी हेतु जिला पशुपालन कार्यालय, गढ़वा में सम्पर्क किया जा सकता है।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी, गढ़वा

PR 357468 Animal Husbandry (25-26)_D

कार्यालय :- प्रखंड विकास पदाधिकारी, सरयू

अति–अल्पकालिन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

सरयू प्रखंड अन्तर्गत चिहिन्त स्थल में एक अद्द महुआ तेल प्रोसेसिंग युनिट का अधिष्ठान किया जाना है, जिसके लिये इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता/कम्पनी से सीलबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है –

I.	निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय	:–	23.07.2025, 01:00 बजे अपराहन् तक
II.	निविदा जमा करने का स्थान	:–	प्रखंड कार्यालय, सरयू।
III.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:–	23.07.2025, 03:00 बजे अपराहन् से
IV.	निविदा खोलने का स्थान	:–	प्रखंड विकास पदाधिकारी, सरयू का कार्यालय वैश्म।

Work Description :- Supply, Installation, Testing and Commissioning of Mahuwa (Dori) Oil Processing Unit Annexure-"A"

नोटः– निविदा संबंधित सूचना/विवरणी https://latehar.nic.in पर देखा जा सकता है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी,
सरयू

PR 357386 Rural Development(25-26).D

28 जुलाई को निकलेगी विशाल कांवर यात्रा भव्य झांकी व जागरण का होगा आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। श्रावण मास के पावन अवसर पर इस वर्ष भी लोहरदगा के बरवा टोली स्थित मनोकामना सिद्ध दुर्गा मंदिर से विशाल कांवर यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। कांवर यात्रा का आयोजन सोमवार, 28 जुलाई 2025 को किया जाएगा, जिसकी शुरुआत प्रातः 8:00 बजे होगी। यह कांवर यात्रा गुमला जिले के घाघरा स्थित देवाकी बाबा धाम मंदिर तक जाएगी। जिसमें शिव भक्तों की टोली 24 जुलाई को सुल्तानगंज से गंगाजल लाने के लिए रवाना होगी। आयोजन के दौरान भव्य शिव-पार्वती झांकी और भक्ति जागरण का भी आयोजन किया जाएगा। यात्रा की व्यवस्था कांवरिया संघ, बरवा टोली, लोहरदगा द्वारा की जा रही है। कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता उपायुक्त डॉ ताराचंद, पुलिस अधीक्षक लोहरदगा सादिक अनवर रिजवी एवं पुलिस अधीक्षक गुमला हारीस बिन जमां होंगे। वही कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गौरव आर.पी. अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राजीव रंजन, अजातशत्रु, सुरज सिंह, विवेक अग्रवाल, डॉ. राजीव रंजन, अभय अग्रवाल, साई मनीष अग्रवाल, आनंद पांडेय, विजय प्रजापति सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के प्रेरक आजीवन संरक्षक व जय श्री राम समिति के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल हैं। इस अवसर पर लोहरदगा के सैकड़ों श्रद्धालु कावर यात्रा में भाग लेंगे और "बोल बम" के जयकारों से शिवभक्ति में डूबे नजर आएंगे। कांवर यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और मंदिर परिसर में गंगाजल की व्यवस्था की गई है। लोहरदगा एक बार फिर इस सावन माह में बोल बम का नारा है, बाबा तू ही सहारा है, के उद्घोष से गुंजायमान होने वाली है। भक्ति, आराधना और शिव भजन से सराबोर इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेंगे। महाआरती और भजन संध्या आयोजन को अद्वितीय धार्मिक स्वरूप प्रदान करेगा।

कार्यक्रम की सफलता को लेकर बनी कमेटी

कार्यक्रम की सफलता को लेकर कमेटी का गठन किया गया है। जिसमे अध्यक्ष गौरव अग्रवाल (लड्डू), कोषाध्यक्ष शुभम अग्रवाल, सचिव रोहन साहू हैं। वही उपाध्यक्ष विक्रम सिंह, दीपक साहू, नवीन ठाकुर, आशिष साहू, रंजीत महली, भोला साहू, संगठन मंत्री अभिषेक सिन्हा, संयोजक मंडल में लखन प्रसाद साहु, बन्दु जायसवाल, **मीडिया प्रभारी :** राहुल कौशल, अमर गोस्वामी, सुमित घोष, प्रचार मंत्री आर्यन अग्रवाल, अमन अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, राज अग्रवाल, कौशल मेहता, **यात्रा प्रभारी :** मनीष अग्रवाल, अमित यादव, नीरज साहु, सौरभ अग्रवाल, अभिषेक मित्तल, रिशभ मित्तल को दायित्व सौंपा गया है।

जॉब कार्ड धारियों की बैठक आयोजित

सरकारी योजनाओं से लाभ उठाने का किया गया आह्वान

नवीन मेल संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। ग्राम पंचायत भवन कैरो में मुखिया वीरेंद्र महली की अध्यक्षता में जॉब कार्ड धारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण मजदूर एवं जॉब कार्ड धारक उपस्थित हुए। मुखिया वीरेंद्र महली ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार गरीब और श्रमिक वर्ग के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। अब मजदूरी के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जागरूक होकर मनरेगा सहित अन्य सरकारी योजनाओं में भागीदारी सुनिश्चित करें और अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें। बैठक के दौरान पंचायत सचिव पवन कुमार ने दीदी बाड़ी योजना की जानकारी देते हुए बताया कि यदि कोई जॉब कार्डधारी लाभुक अपने ही खेत में साग, सब्जी, आलू, प्याज, लहसुन, अदरक, सरसों जैसी फसलों का उत्पादन करता है, तो उसे मनरेगा के तहत आगामी दो वर्षों तक मजदूरी की राशि सीधे उसके खाते में दी जाएगी। इसके लिए लाभुकों को अपनी अद्यतन जमीन की रसीद, जॉब कार्ड, आधार कार्ड, सिंचाई की सुविधा और घेरान संबंधित दस्तावेज मुखिया या पंचायत सचिव के पास जमा करना अनिवार्य होगा। बैठक में बड़ी संख्या में जॉब कार्डधारी उपस्थित रहे और योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

कार्यालय:-असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य
Sadar Hospital Campus, Latehar. E Mail ID: cslatehar@gmail.com.

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) लातेहार के अंतर्गत सदर अस्पताल लातेहार में संविदा/अनुबंध के आधार पर फिजियोथेरेपिस्ट के पद पर चयन/नियुक्ति हेतु विज्ञापन।

विज्ञापन सं0–02/2025 (DMFT) आवेदन की अंतिम तिथि–08.08.2025

जिला लातेहार के अंतर्गत प्रत्यक्ष रूप से खनन प्रभावित नगर पंचायत अंतर्गत सदर अस्पताल लातेहार में **अनुबंध/संविदा के आधार पर औपबंधिक एवं अस्थायी रूप** से फिजियोथेरेपिस्ट के पद पर चयन/नियुक्ति हेतु **निबंधित डाक/स्पीडपोस्ट** के माध्यम से ईच्छुक उम्मिदवारों से निम्नवत् रूप से आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है :–

क्र0	पद नाम	आवश्यकता आधारित कोटिवार कुल रिक्ति				
		अनारक्षित	आ0क0व0	अ0जा0	अज0जा0	कुल
1	फिजियोथेरेपिस्ट	01	0	0	0	01

नोटः–रिक्तयों की संख्या में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जा सकता है।

➢ उपरोक्त विज्ञापन संबंधी विस्तृत जानकारी, शर्तें, अर्हता, आवेदन का प्रपत्र आदि का अवलोकन लातेहार जिले के अधिकृत वेबसाईट http://latehar.nic.in पर देखा जा सकता है।

PR 357398 Health Med Edu and Family Welfare(25-26).D

सिविलसर्जन, लातेहार

विधवा महिला फातिमा बीबी का आशियाना जर्जर हालत में

भंडरा। प्रखंड के अंतर्गत भैसमुंदो गांव में एक गरीब विधवा महिला फातिमा बीबी का आशियाना जर्जर हालत में है। लगातार हुई तेज बारिश से कच्चा मकान का एक दीवार धराशाई हो चुका है। इसके साथ अन्य दीवार भी कभी भी धराशाही हो सकता है। इसकी सूचना मिलते मुखिया परमेश्वर महली व सांसद प्रतिनिधि ने पीड़ित परिवार के घर का मुआयना किया। साथ ही इसकी जानकारी मुखिया परमेश्वर महली ने बीडीओ प्रतिमा कुमारी को दी है।

आकाशी पंचायत में 2 महीने से पेयजल आपूर्ति बंद, अधिकांश चापाकल खराब

4 गांव के लोगो को शुद्ध पेयजल नहीं मिल रहा है

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। भंडरा प्रखंड क्षेत्र के आकाशी पंचायत का नंदनी पेयजल आपूर्ति योजना 2 महीने से बंद है । जिसके कारण आकाशी, कुम्हारिया, कुम्हारिया अंबा टोली, खारउमाटू गांव के लगभग 6हजार आबादी पीने की पानी के लिए परेशान है बरसात के दिनों में लोगों को कुआं का दूषित पानी पीना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत के अधिकांश चापाकल खराब पड़ा हुआ है। पेयजल आपूर्ति विभाग के द्वारा ना तो पेयजल आपूर्ति शुरू की जा रही है और ना ही खराब पड़े चापाकलों को मरम्मत की जा रही है। आकाशी पंचायत में पेय जलापूर्ति योजना से आकाशी कुम्हारिया खारुमाटू कुम्हारिया अंबा टोली गांव में नन्दनी पेयजल आपूर्ति पाइप लाइन से की जाती है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल आपूर्ति हेतु बिजली तार का लाइन का छ बिजली खंभा दो महीना से गिरा हुआ है। बिजली विभाग के द्वारा पाइपलाइन हेतु बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं की जा रही है। जिसके कारण पेयजल आपूर्ति बाधित हो रही है। पेयजल आपूर्ति हेतु स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा आवेदन प्रखंड के पदाधिकारी बीडीओ एवं सीओ को देकर पेयजल आपूर्ति चालू करने की मांग की जा चुकी है परंतु अभी तक ग्रामीणों की मांग पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
(CIN : U40108JH2013SGC001702)
Electric Supply Circle, Daltonganj

Tender Notice

Sealed Tender in two Part (Part – I Technical and commercial and Part – II Price part) subscribed on sealed envelope with Lah are invited from the reputed tenderers having good experience of following same type of civil works and having sound financial status.

Sl. No	NIT No.	Name of the works	Estimated cost in (Rs.)	Time for completion (Day)	Earnest money to be deposited in (Rs.)	Cost of BOQ (Non-Refundable in (Rs.)	Late date and time for submission of tender	Date and time for opening of Tender
1.	106/PR/ JBVNL/ 2025-2626	Reconstruction of fallen and leaned portion of boundary wall of Central Store, Daltonganj at Sudna under Electric Supply Circle, Daltonganj.	771800/–	(04) Four Months	16000.00	1475.00 (Including 18% GST)	06 /08 /2025 upto 03:00 PM	06/ 08/2025 at 03:30 PM

The tender documents can be purchased from the office of the undersigned from any working day till one day before the date of submission of tender in office working hours after depositing cost of B.O.Q. (Non-refundable) with Account officer, Electric Supply circle, Daltonganj in shape of Bank draft.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
Electrical Superintending Engineer
Electric Supply Circle, Daltonganj

PR 357496 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd (25-26)_D

न्यूज बॉक्स

सघन वाहन जांच अभियान से हड़कंप, सड़क दुर्घटना व अपराध नियंत्रण पर जोर

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के बुधवार को छतरपुर मोड़ के समीप आज थाना प्रभारी कुंदन चौधरी के नेतृत्व में एक सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान में एएसआई नंदकिशोर कुमार और थाने के अन्य जवान भी मौजूद थे। अचानक हुई इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया और कई चालक अपने वाहनों को रोककर अभियान से बचने की कोशिश करते दिखे। थाना प्रभारी कुंदन चौधरी ने बताया कि यह अभियान पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां के निर्देश पर चलाया जा रहा है।इसका मुख्य उद्देश्य थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण, वाहनों की गति पर लगाम लगाना और अपराध नियंत्रण सुनिश्चित करना है। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट की जांच के साथ-साथ डिक्की की भी तलाशी ली जा रही थी। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान क्षेत्र में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित माहौल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बिलासपुर से चोरी की जेसीबी बेचने व लड़की भगाने में दो गिरफ्तार, भेजा गया जेल

गुमला। गुमला थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पहला मामला वर्ष 2020 से जुड़ा है, जिसमें बिलासपुर जिला के सिरी गट्टी थाना क्षेत्र स्थित कीर्ति नगर निवासी 37 वर्षीय सुनील कुमार तिवारी (पिता-राजेंद्र तिवारी) ने मुरकुंडा के एक व्यक्ति को फर्जी तरीके से जेसीबी वाहन बेच दिया था। पुरानी जेसीबी को नया जैसा दिखाने के लिए उसकी पेंटिंग की गई थी और वाहन के दस्तावेज भी नकली निकले। इस मामले में पीड़ित ने गुमला थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। इस फर्जीवाड़े में दो लोग शामिल थे, जिनमें से एक को पहले ही पुलिस ने जेल भेज चुकी है और वह वर्तमान में जमानत पर बाहर है। वहीं दूसरा मामला लड़की भगाने से जुड़ा है। डीएसपी रोड गुमला निवासी एक युवक पर 7 जुलाई को लड़की के परिजनों ने अपहरण का आरोप लगाते हुए गुमला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जांच के क्रम में पुलिस ने उसे बिलासपुर से गिरफ्तार किया।

हिंडाल्को सीएसआर ने बाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 189 बच्चों का हुआ परीक्षण

विशुनपुर। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत आज जोभीपाठ स्थित अनुसूचित जनजाति बालक आवासीय विद्यालय में एक विशेष बाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान विद्यालय के 189 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार तथा स्वास्थ्य कार्ड में प्रविष्टि की गई। यह आयोजन सीएसआर प्रमुख नीरज कुमार के मार्गदर्शन और अधिकारी मनोज चौधरी के समन्वय में संपन्न हुआ। मेडिकल टीम में डॉ. जहीन खान, डॉ. पी. पी. सिन्हा, फार्मासिस्ट शिवनाथ उरांव एवं एएनएम श्रीमती ज्योति तोपों शामिल थीं। स्वास्थ्य परीक्षण के अंतर्गत बच्चों की बीपी, रक्त जांच, ऊंचाई, वजन सहित मौसमी बीमारियों की भी जांच की गई। साथ ही आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। शिविर में बच्चों को बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव हेतु सावधानियां भी बताई गईं। डॉ. जहीन खान ने गीले कपड़े न पहनने, गर्म पानी पीने और बारिश के पानी से बचने की सलाह दी। डॉ. पी. पी. सिन्हा ने साफ-सफाई, त्वचा रोगों की रोकथाम और लक्षण दिखने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में "स्वच्छता ही सेवा" विषय पर जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें सीएसआर टीम एवं विद्यालय के शिक्षकों ने छात्रों को स्वच्छता के महत्व को समझाया और दैनिक जीवन में इसे अपनाने की प्रेरणा दी।

बीएलओ को मिला नया वोटर आईडी कार्ड आवेदन व विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रशिक्षण

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड सभागार में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा की अध्यक्षता में बूथ लेवल अधिकारियों और प्रखंड के सभी सचिवों व कर्मियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं के लिए नया पहचान पत्र के आवेदन की प्रक्रिया और विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान करना था।प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने बैठक में उपस्थित सभी बीएलओ और कर्मियों को मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, त्रुटियों को सुधारने और मौजूदा मतदाताओं की जानकारी को अद्यतन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का लक्ष्य एक सटीक और व्यापक मतदाता सूची तैयार करना है, ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए।प्रशिक्षण सत्र के दौरान, बीएलओ को नए मतदाता पहचान पत्र के लिए आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और ऑनलाइन आवेदन के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

खाद्य सुरक्षा विभाग का विशेष निरीक्षण अभियान शुरू, कई प्रतिष्ठानों की जांच

गुमला। जिला उपायुक्त के निर्देशानुसार गुमला जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आज से एक विशेष स्वास्थ्य और खाद्य निरीक्षण अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का नेतृत्व खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्री लव कुमार गुप्ता ने किया। अभियान के दौरान सबेकर रेस्टोरेंट, कार्तिक स्वीट्स, प्रकाश होटल (सिसई रोड), होटल राज (मेन रोड), फन फूड, ब्लूम रेस्टोरेंट (थाना चौक), होटल स्वाद, चुलानी रेस्टोरेंट (लोहरदगा रोड), गोविंद स्टोर, लकी स्टोर (पटेल चौक) एवं रुचि स्वीट्स (जयपुर रोड) जैसे प्रमुख प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पनीर, रसगुल्ला और पेड़ा के खाद्य नमूनों की ऑन-द-स्पॉट जांच की गई। सबेकर होटल, कार्तिक स्वीट्स, प्रकाश होटल, होटल राज, फन फूड और होटल स्वाद के नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरे। 'मां की रसोई' से लिए गए पनीर के नमूने में गंभीर खराबी पाई गई। इसके मद्देनज़र 750 ग्राम पनीर को जब्त कर प्रतिष्ठान पर 2000 का जुर्माना लगाया गया। साथ ही स्वच्छता की कमी, लाइसेंस न होना और एफएसएसएआई अधिनियम 2006 के उल्लंघन को लेकर सख्त चेतावनी भी दी गई।

गुमला में टोल टैक्स की जबरन वसूली के खिलाफ चेंबर ऑफ कॉमर्स का विरोध तेज

गुमला। गुमला के नागफेनी टोल प्लाजा पर स्थानीय लोगों से जबरन टोल वसूली के खिलाफ आज गुमला चेंबर ऑफ कॉमर्स ने मोर्चा खोल दिया। चेंबर अध्यक्ष राजेश सिंह की अध्यक्षता में बस स्टैंड रोड स्थित चेंबर कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें टोल टैक्स वसूली को अनैतिक व अन्यायपूर्ण बताते हुए सख्त विरोध दर्ज किया गया। प्रेस वार्ता के दौरान चेंबर अध्यक्ष ने कहा, "सड़क निर्माण कार्य अभी पूरा भी नहीं हुआ है और टोल टैक्स वसूली शुरू कर दी गई है। इससे आमजन में भारी आक्रोश है। जिला प्रशासन और एनएच अधिकारियों के साथ हुई बैठक में स्पष्ट कहा गया था कि 20 किलोमीटर की परिधि में रहने वाले स्थानीय लोगों से टोल नहीं लिया जाएगा। इसके बावजूद आधार कार्ड जांचकर जबरन फास्ट टैग से पैसे काटे जा रहे हैं, जो कि पूरी तरह अन्याय है।" उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि यह मनमानी नहीं रोकी गई तो चेंबर आंदोलन को तेज करेगा और टोल टैक्स प्लाजा का घेराव किया जाएगा। चेंबर उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल और राजेश लोहानी ने कहा कि देशभर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा घोषित नियम के तहत स्थानीय लोगों को टोल से छूट मिलनी चाहिए, लेकिन गुमला में इसे लागू नहीं किया जा रहा है। यह सीधे तौर पर नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने जिला प्रशासन से इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप करने और स्थायी समाधान की मांग की, साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को बड़ा रूप दिया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में चेंबर अध्यक्ष राजेश सिंह, उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल, राजेश लोहानी, पीआरओ प्रतीक अग्रवाल, आदित्य गुप्ता सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। चेंबर ऑफ कॉमर्स ने साफ कहा है कि यह सिर्फ व्यापारियों की नहीं, आम जनता की लड़ाई है — और अन्याय के खिलाफ हर स्तर पर आवाज बुलंद की जाएगी।

भरनो के स्कूल मार्ग पर जलजमाव व कीचड़ से राह मुश्किल, लोग बेहाल

प्रिया राय

भरनो। भरनो के स्कूल मार्ग पर जलजमाव और कीचड़ से राह मुश्किल, छात्र-छात्राएं और ग्रामीण बेहाल भरनो प्रखंड मुख्यालय के स्कूल चौक से प्लस टू हाई स्कूल और बालक मध्य विद्यालय तक की सड़क इन दिनों बुरी तरह जलजमाव और कीचड़ से जूझ रही है। सड़क की स्थिति ऐसी हो गई है कि वह अब रास्ता कम, तालाब अधिक नजर आती है, जिससे स्कूली छात्र-छात्राओं और आमजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के कारण सड़क के गड्ढों में पानी भर गया है, और कीचड़ की वजह से पैदल चलना तक दुश्वार हो गया है। सबसे गंभीर स्थिति प्लस टू हाई स्कूल भरनो के गेट के सामने देखने को मिल रही है, जहां हर दिन सैकड़ों बच्चे साइकिल व पैदल स्कूल आते-जाते हैं। आए दिन साइकिल फिसलने, बाइक के गिरने और बच्चों के फंसने की घटनाएं आम हो गई हैं।

छात्रा जयश्री कुमारी, दीप्ति कुमारी, छात्र अंकित कुमार सिंह, शहजाद अंसारी और रौशन उरांव ने बताया कि "हम रोज कीचड़ से भरे इस रास्ते से गुजरते हैं, मगर किसी को हमारी तकलीफ नजर नहीं आती। प्रशासन और जनप्रतिनिधि भी आंख मूंदे बैठे हैं।"

स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार सड़क मरम्मत की मांग की, मगर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। भरनो बीडीओ अरुण कुमार सिंह ने मरम्मती कार्य का आश्वासन दिया था, लेकिन एक सप्ताह से ज्यादा बीत जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर कोई पहल नहीं दिख रही है।

अब सवाल यह है कि कब तक भरनो के छात्र-छात्राएं और ग्रामीण इस बदहाल सड़क से जूझते रहेंगे? क्या प्रशासन जागेगा तब, जब कोई बड़ी दुर्घटना घटेगी? स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अविलंब कार्रवाई की मांग की है, ताकि बच्चों को सुरक्षित और सम्मानजनक शिक्षा का मार्ग मिल सके।

प्रिया राय -भरनो प्रखंड मुख्यालय

के स्कूल चौक से प्लस टू हाई स्कूल और बालक मध्य विद्यालय तक की सड़क इन दिनों बुरी तरह जलजमाव और कीचड़ से जूझ रही है। सड़क की स्थिति ऐसी हो गई है कि वह अब रास्ता कम, तालाब अधिक नजर आती है, जिससे स्कूली छात्र-छात्राओं और आमजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जर्जर स्कूल भवनों में बच्चों की जिंदगी खतरे में, शिक्षा व्यवस्था चरमराई

गुमला। जारी प्रखंड में शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है। प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों के भवन इस कदर जर्जर हो चुके हैं कि छात्र-छात्राएं जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। राजकीय मध्य विद्यालय कमलपुर, प्राथमिक विद्यालय गोविंदपुर, मध्य विद्यालय तिलहई टोली, प्लस टू उच्च विद्यालय जारी और उत्क्रमित मध्य विद्यालय सीकरी डान टोली सहित कई विद्यालयों की स्थिति बेहद खतरनाक हो गई है। भवनों की दीवारों से छड़ें बाहर निकल चुकी हैं, छतें टपक रही हैं और बारिश के पानी से कक्षाएं लबालब भरी हुई हैं। फर्श पर पानी भर जाने से बच्चों के लिए बैठना भी मुश्किल हो गया है।

इन दिनों भारी बारिश के कारण गरीबों के घर गिरने का शिलशिला निरंतर जारी

सिसई। प्रखण्ड क्षेत्र में इन दिनों भारी बारिश के कारण एक के बाद एक घर गिरने का शिलशिला निरंतर जारी है हाल ही में रविवार को सिसई बस्ती निवासी मजदूर सुलेमान अंसारी का घर गिर गया था और अब लगातार हो रही भारी बारिश के कारण सिसई पुराना ब्लॉक के पीछे भदौली में रहने वाले 37 वर्षीय मजदूर (मोटिया) राजू उरांव पिता स्व जितवाहन उरांव का मिट्टी का घर बुधवार को पूर्वाह्न लगभग 11 बजे गिर गया जिससे घर में रखे अनाज व खाने पीने की सामग्री सहित अलमारी, पलंग, कुर्सी टेबल, बर्तन एवं घरेलू उपयोग की वस्तुएं क्षतिग्रस्त हो गई है।

आईसीएआर का 97वां स्थापना दिवस समारोह संपन्न

गुमला। कृषि विज्ञान केंद्र, गुमला द्वारा आज जतरा टाना भगत विद्या मंदिर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 97वें स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक अटल बिहारी तिवारी ने विद्यार्थियों को आईसीएआर के ऐतिहासिक योगदान, कृषि अनुसंधान, नवाचार और भविष्य की दिशा की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 16 जुलाई 1929 को स्थापित आईसीएआर ने भारत को खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, नीली क्रांति सहित कई कृषि क्रांतियों में आईसीएआर की निर्णायक भूमिका रही है, जिससे किसानों की आजीविका और देश की अर्थव्यवस्था सशक्त हुई है। कार्यक्रम में खाद्यान्न, बागवानी, दुग्ध, मछली उत्पादन सहित विभिन्न क्षेत्रों में आईसीएआर द्वारा लाई गई क्रांतिकारी प्रगति को रेखांकित किया गयाः खाद्यान्न उत्पादन में 6.21 गुना, बागवानी फसलों में 11.53 गुना, दूध उत्पादन में 11.03 गुना, और मछली उत्पादन में 21.61 गुना की वृद्धि। आईसीएआर द्वारा जलवायु स्मार्ट कृषि, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, डिजिटल एग्रीकल्चर, पशुधन विकास, समुद्री शैवाल खेती, एप्स के माध्यम से परामर्श सेवा, और छात्रवृत्ति आधारित शिक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में लगातार नवाचार हो रहे हैं।

Office of the Executive Engineer,
R.C.D, Road Division, Garhwa
CORRIGENDUM

In partial modification of Tender Reference No.-RCD/Garhwa/758/2025-26 Date:-11.07.2025 [PR 357098 Road (25-26)_D under Road Division, Garhwa may be read as follows :-

Name of Work	Widening And Srengthening/Reconsstruction Of Barwadih-Mandal-Bhandariya Road (Part -II, Ch. 25.00 km. to Ch. 45.00 km.) (Total Length = 20 km) for the year 2025-26 Under R.C.D.Road Division, Garhwa
Corrigendum Title	Changes in Following Dates
Corrigendum Detail	Please read the following date instead of the previous published date

Date of Publication of Tender on website	22-07-2025, 10.30 A.M.
Last date/Time for receipt of bids	11-08-2025, 12.00 Noon

Executive Engineer
R.C.D,Road Division,Garhwa

PR 357442 Road(25-26)D

जलजमाव और कीचड़ की समस्या पर खबर का असर

भरनो पहुंचे आरकेडी कंपनी के सीजीएम युद्धस्तर पर समाधान का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

भरनो। 'राष्ट्रीय नवीन मेल' में प्रमुखता से प्रकाशित खबर का असर देखने को मिला है। एनएच-23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर भरनो के विभिन्न हिस्सों में जलजमाव और कीचड़ की गंभीर समस्या के मद्देनजर आरकेडी कंपनी के सीजीएम लक्ष्मण शेट्टी ने स्वयं भरनो पहुंचकर हालात का जायजा लिया। स्कूल चौक, शिव मंदिर रोड, ब्लॉक चौक और बालिका स्कूल रोड जैसे व्यस्त क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण बने जलजमाव से आमजन, स्कूली बच्चे और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान जल निकासी की अनदेखी अब बड़ी परेशानी बनकर उभर रही है। निरीक्षण के दौरान सीजीएम लक्ष्मण शेट्टी ने मौके पर मौजूद कर्मियों को युद्धस्तर पर सफाई एवं जलनिकासी कार्य शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल टैंकर और मोटर पंप से पानी निकाला जा रहा है और जल्द ही पाइपलाइन बिछाकर स्थायी समाधान की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने माना कि भारी बारिश के चलते अस्थायी समस्या उत्पन्न हुई है, लेकिन इसे जल्द हल करने के लिए कंपनी पूरी तरह से तत्पर है। यह प्रशासनिक सक्रियता और मीडिया की जिम्मेदारीपूर्ण रिपोर्टिंग का सकारात्मक परिणाम है, जिससे भरनो के नागरिकों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। मौके पर कंपनी के अधिकारी और स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

एनएच-23 पर जलजमाव से जनजीवन अस्त-व्यस्त

दुकान में घुसा पानी ग्रामीणों को भारी परेशानी, उठे सवाल

टीबी मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ

गुमला। रेफरल अस्पताल बसिया परिसर में 'टीबी मुक्त भारत अभियान' का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुप्रिया भगत, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विजय लकड़ा, प्रखंड प्रमुख जागरानी तिग्गा, कार्यक्रम पदाधिकारी संदीप कुमार साहू, अलेक्सियुस एक्का सहित स्वास्थ्य कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। बीडीओ सुप्रिया भगत ने कहा की टीबी को जड़ से मिटाने के लिए केवल स्वास्थ्यकर्मियों की नहीं, आम नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी जरूरी है।" उन्होंने निश्चय मित्र बनने की अपील करते हुए बताया कि मरीजों को भावनात्मक और सामाजिक समर्थन देना उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में मदद करता है। डॉ. विजय लकड़ा ने बताया कि अभियान के तहत हर संभावित टीबी मरीज की पहचान कर उन्हें समुचित उपचार दिलाना लक्ष्य है, जिससे टीबी पर स्थायी नियंत्रण संभव हो सके।

खबर का असर : बीडीओ ने किया कलिगा गांव का निरीक्षण

अबुआ आवास वसूली प्रकरण की जांच शुरू

नवीन मेल संवाददाता

बसिया। राष्ट्रीय नवीन मेल में खबर प्रकाशित होने के कुछ ही घंटों के भीतर प्रशासन हरकत में आ गया। बसिया प्रखंड के कलिगा पंचायत में अबुआ आवास योजना के लाभुकों से अवैध वसूली की शिकायतों की जांच के लिए बीडीओ सुप्रिया भगत ने मंगलवार को स्वयं गांव का दौरा किया। ग्रामीणों ने पंचायत की मुखिया मरियम बेक पर अबुआ आवास देने के नाम पर प्रति लाभुक 10-10 हजार रुपये मांगने का आरोप लगाया था। इस खबर के सामने आने के बाद बीडीओ ने सघन जांच की और ग्रामीणों से सीधे बात की। बीडीओ ने बताया कि कुछ लोगों ने रुपए मांगे जाने की बात कही है, लेकिन अभी उनके पास ठोस साक्ष्य नहीं हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह मामला जिला प्रशासन के समक्ष रखा जाएगा और ऐसी शिकायतों पर रोक लगाने के लिए सख्त व्यवस्था की अनुशंसा की जाएगी। बीडीओ ने जांच के दौरान पंचायत की मुखिया को पारदर्शी कार्यशैली अपनाने की सलाह दी और आम लोगों से सजग रहने की अपील की ताकि भविष्य में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके।

अबुआ आवास को लेकर प्रशासन व आम लोग हुए आमने सामने

बसिया(गुमला)। मुखिया की सेटिंग के आगे अब प्रशासन भी बौना नजर आने लगा है। बसिया के कलिगा पंचायत के चौपालों की मानें तो में यह सबकुछ अबुआ आवास का कमाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिनों पंचायत के लोगों ने मुखिया मरियम बेक पर अबुआ आवास लाभुकों से दस-दस हजार रूपए मांगने की लिखित शिकायत प्रखंड प्रशासन से की थी। ग्रामीणों की इस शिकायत को ठंडे बस्ते में डाल दिए जाने से अब प्रशासन से लोगों का भरोसा उठने लगा है। इस संबंध में ग्रामीणों ने तो अब मुखर होकर यह आरोप लगाना शुरू कर दिया है कि जिस मामले में कार्रवाई होनी चाहिए थी उस मामले को प्रखंड प्रशासन ने प्रारंभिक जांच के लायक भी नहीं समझा। इतना ही नहीं, ग्रामीणों के बीच अब अवधारणा यह बनने लगी है कि मामला किसी न किसी सेटिंग में जाकर फंस गया है। इस सम्बन्ध में पूछे जाने पर बसिया बीडीओ सुप्रिया भगत ने बताया कि यह शिकायत ही संदिग्ध है क्योंकि बुलाए जाने के बावजूद शिकायतकर्ताओं में से कोई भी उनके पास नहीं आया है। शिकायतकर्ताओं के इस तरह से कतराने के निहितार्थ को संदिग्ध बताते हुए उन्होंने यह भरोसा भी दिया कि किसी के सामने नहीं आने के बावजूद न केवल इस मामले की गहन जांच की जाएगी बल्कि दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।

गुमला से टीबी को जड़ से खत्म करने की पहल

'टीबी मुक्त भारत अभियान' का भव्य शुभारंभ दिसंबर तक चलाया जाएगा जनआंदोलन

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। टीबी मुक्त भारत अभियान 2025' के तहत गुमला जिले में आज एक व्यापक व निर्णायक जनस्वास्थ्य पहल का शुभारंभ हुआ। इस अभियान की शुरुआत गुमला सदर अस्पताल परिसर में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित द्वारा की गई। उन्होंने विधिवत उद्घाटन कर न केवल अभियान की दिशा तय की, बल्कि इसे सरकारी कार्यक्रम के बजाय जनआंदोलन के रूप में लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा, "यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि गुमला को टीबी से मुक्त करने का संकल्प है, जिसे जनभागीदारी से पूरा किया जाएगा। जब कार्य दिल से किया जाता है, तो उसका प्रभाव गहरा और टिकाऊ होता है। हमें प्रेरणा और कर्तव्यबोध से कार्य करना है, न कि किसी दबाव से।" उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों से नियमित रिपोर्टिंग, मासिक समीक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की अपील की। जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट किया कि यह अभियान जुलाई 2025 से दिसंबर 2025 तक जिले की सभी 159 पंचायतों में चलाया जाएगा। इस दौरान प्रत्येक घर में टीबी स्क्रीनिंग, संभावित रोगियों की पहचान, जाँच एवं इलाज की पुख्ता व्यवस्था की जाएगी। उद्घाटन के अवसर पर दो टीबी प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो जिले के बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और गांवों में जागरूकता फैलाएंगे। साथ ही, स्क्रीनिंग एवं बलगम संग्रहण के लिए विशेष माइक्रोप्लान टीमें गठित कर उन्हें कार्य पर लगाया गया है। जिला स्वास्थ्य विभाग, गुमला ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें, टीबी के लक्षणों को नजरअंदाज न करें।

कार्यपालक अभियन्ता, एन0आर0ई0पी0,लोहरदगा।
प्रथम तल्ला विकास भवन, लोहरदगा।
ई0 अति–अल्पकालीन आमंत्रण सूचना

ई0–अति–अल्पकालीन निविदा संख्या :–02/R-1/2025–26/NREP/LOHARDAGA

दिनांक 16.07.25 कार्यपालक अभियन्ता,एन0आर0ई0पी0,लोहरदगा द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e Procutment पद्धति से अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल नं0
1	NREP/LOHARDAGA /02 /R-1/2025-26	PM-ABHIM योजना अन्तर्गत सदर अस्पताल परिसर लोहरदगा में Integrated Public Health Lab (IPHL) भवन का निर्माण	8963500.00	नवासी लाख तीरसठ हजार पॉच सौ रूपये मात्र।	नौ माह	द्वितीय

2:–वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:– :– 22.07.2025
3:–ई–निविदा प्राप्ति की अन्तिम तिथि :– 29.07.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक
4:–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 31.07.2025 को अपराह्न 3.30 बजे।
5:–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पत्ता:– कार्यालय कार्यपालक अभियन्ता,एन0आर0ई0पी0 ,लोहरदगा।
6:– ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष स0:–8409767005
7:– निविदा में ग्रामीण कार्य विभाग/ भवन निर्माण विभाग के समुचित श्रेणी के संवेदक भाग ले सकते हैं।
8:– संवेदक का UCAN में निबंधन अनिवार्य है।
नोट:– निविदा की प्राक्कलित राशि घट बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगा।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
एन0आर0ई0पी0,लोहरदगा।

PR 357457 Lohardaga(25-26)D

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण
खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी का कार्यालय पलामू

आम सूचना

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 31 के तहत् बनाये गये विनियम, 2011 (Licencing & Registration of Food Business) के विनियम 2.1.1 एवं 2.1.2 में सन्निहित प्रावधानों में अभिकथित है कि वैध अनुज्ञप्ति/रजिस्ट्रेशन के बिना किसी भी प्रकृति का खाद्य व्यवसाय अवैध एवं गैर कानूनी है।

सभी खाद्य व्यवसाय संचालक यथा खुदरा विक्रेता, रेस्टोरेन्ट, होटल, ढाबा वितरक, ट्रान्सपोटर, फुड सेप्लिमेंट बेचने वाले मेडिकल दुकान, सब्जीवाले, फलवाले, ठेलावाले, कैन्टिन, कैटरर्/पेय पदार्थ के उत्पादन/भण्डारण/वितरण/ प्रसंस्सकरण/ लेवलिंग/पैकेजिंग/परिवहन/आयात–निर्यात/बिक्री आदि से संबंधित व्यवसाय हेतु वैध अनुज्ञप्ति/रजिस्ट्रेशन सक्षम प्राधिकार से प्राप्त किया जाना वैधनिक अनिवार्यता है बिना वैध अनुज्ञप्ति/रजिस्ट्रेशन धारित खाद्य कारोबारकर्ता के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 63 के तहत जुर्माने की राशि दस लाख तक होगी।

अनुज्ञप्ति/रजिस्ट्रेशन की शर्तें:–
- फूड लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन, FoSTaC Training Certificate, एवं Food Safety Display Board प्रतिष्ठानों के सहज दृष्य स्थल पर रखें।
- पैंकिग खाद्य पदार्थ के लेबल पर पैंकिग/विनिर्माण की तिथि, बेच नं0/लोट नं0, Best Before (वैधता की तिथि), न्यूट्रिशन वैल्यू, भेज/नन भेज, का लोगो आदि का होना अनिवार्य है।
- होटल, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य स्टॉल के मालिक जो नमकीन, मिठाई या अन्य खाद्य पदार्थ बेचते है या बक्री के लिए प्रदर्शित करते हैं, उन्हें इच्छुक खरीदारों की जानकारी के लिए घी, खाद्य तेल, वनस्पति और अन्य वसा में पकाए गए खाद्य पदार्थों की अलग–अलग सूचियों वाला एक नोटिस बोर्ड लगाना होगा।
- खाद्य व्यवसाय की श्रेणी के अनुसार अनुसूची–4 में निर्दिष्ट अनुसार बिक्रेता से लेकर विनिर्माण तक खाद्य प्रतिष्ठान/कारखाने के स्वच्छता और स्वास्थ्य मानकों और श्रमिकों की स्वच्छता को बनाए रखें।
- उपरोक्त शर्तों का पालन नहीं करने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 सुसंगत प्रावधानों के अनुरूप अग्रेतर एवं आवश्यक दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।
- राज्य जिला खाद्य सुरक्षा प्रशासण हमेशा आपके साथ है। इसका सहयोग एवं समर्थन प्राप्त किया जाय।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी,
पलामू

PR 357454 District(25-26).D

उपायुक्त का कार्यालय, चतरा जिला बाल संरक्षण इकाई
(विकास भवन, द्वितीय तल्ला, Email Id– dcpschatra@gmail.com)

पालन–पोषण देखरेख करने हेतु इच्छुक परिवार /व्यक्तियों से संबंधित आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड रांची के संकल्प संख्या–912, दिनांक – 22.03.2018 के आलोक में समेकित बाल संरक्षण योजना, मिशन वात्सल्य के अर्न्तगत जिले में प्रायोजन (Sponsorship) एवं पालन–पोशण देखरेख (Foster Care) योजना आरम्भ किया गया है, जिसमें देखरेख एवं संरक्षण वाले 18 वर्ष तक के बच्चों को इस योजना से लाभान्वित करना है। इस योजना के तहत बच्चों को शिक्षा, चिकित्सा, पोशण, एवं विकास संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आर्थिक सहायता एवं परिवार विहीन बच्चों को अल्प काल हेतु परिवार उपलब्ध करवाना है। चूंकि बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु परिवार अत्यन्त आवश्यक है। परिवार विहीन बच्चों के सम्पूर्ण विकास हेतु झारखण्ड सरकार द्वारा संचालित जिले के विभिन्न बाल गृहों में रहने वाले 18 वर्श तक के बच्चों को अल्प काल हेतु परिवार से जोडने के लिए पालन–पोशण देखरेख योजना से लाभान्वित करना है। इस कार्यक्रम के तहत अनुरोध करने पर, बच्चों के पालन पोशण देखरेख के लिए प्रत्येक माह (अधिकतम 03 वर्षों तक) आर्थिक सहायता हेतु अनुदान राशि प्रदान की जाएगी।

अत: चतरा जिले के वैसे इच्छुक दम्पति/परिवार जो बच्चों की प्राथमिकता के साथ अल्प अवधि/दीर्घ अवधि के लिए अपने परिवार में बच्चों को रखकर उनका पालन–पोशण एवं देखरेख करना चाहते हैं कृपया इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई. चतरा के कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

प्रकाशन कार्यालय: जिला बाल संरक्षण इकाई, चतरा।
(महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड रांची)
विकास भवन, द्वितीय तल्ला, चतरा।

सहायक निदेशक, सा0 सु0,
चतरा

PR 357483 (Social Welfare,Women and Child Development)25-26*D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

अगर मैं एक दरवाज़े से नहीं निकल पाया, तो मैं दूसरे दरवाज़े से निकल जाऊंगा या फिर एक दरवाज़ा बना लूंगा। चाहे वर्तमान कितना भी अंधकारमय क्यों न हो, कुछ शानदार ज़रूर होगा। - रवींद्रनाथ टैगोर

संपादकीय

अंतरिक्ष से धरती तक मानव जीवन अध्ययन

बहुत से लोग शुभांशु शुक्ला की सफल अंतरिक्ष यात्रा पर टिप्पणी कर रहे हैं और इसे पैसे की बर्बादी तक बता रहे हैं पर वे जान बूझकर एजेंडा के तहत भ्रम फैला रहे हैं क्योंकि हर सक्षम देश इन प्रयोगों और शोध का महत्व समझते हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर अपने मिशन के दौरान भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने जो वैज्ञानिक प्रयोग किए, वे न केवल भारत के लिए बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान समुदाय के लिए भी नई दिशा के संकेत हैं। शुभांशु ने आईएसएस में माइक्रो ग्रैविटी पर भारत के नेतृत्व वाले सात प्रयोग किए। इनमें मूंग और मेथी के बीज का अंकुरण (रविकुमार होसमणि और सुधीर सिद्धापुरेडी के नेतृत्व में), साइनोबैक्टीरिया और सूक्ष्म शैवाल पर शोध और स्टेम सेल अनुसंधान शामिल थे। नासा के अनुसार, अंतरिक्ष में मानव शरीर की प्रतिक्रियाएं, कोशिकाओं की जैविक क्रिया और स्वचालित स्वास्थ्य निगरानी जैसे क्षेत्रों से जुड़े प्रयोग किए गए थे। ये प्रयोग भविष्य में चंद्रमा, मंगल और लंबे स्पेस अभियानों के लिए नींव तैयार कर सकते हैं। इन प्रमुख प्रयोगों में शुभांशु की अग्रणी भूमिका रही। शुभांशु ने एक्सिओम की मुख्य वैज्ञानिक लुसी लो के साथ बातचीत में इसरो के सहयोग से हुए शोध पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों और स्टेम समुदायों के साथ भी बातचीत की। शुभांशु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इसरो केंद्रों से शौकिया रेडियो के माध्यम से भी जुड़े। उन्होंने पानी के साथ एक शून्य-गुरुत्वाकर्षण प्रदर्शन भी किया, जिसमें एक तैरता हुआ पानी का बुलबुला बनाया और मजाक में खुद को वाटर बेंडर कहा। स्टेम सेल डिफरेंशिएशन इन माइक्रो ग्रेविटी प्रयोग के अंतर्गत शुभांशु ने अंतरिक्ष में मानव स्टेम सेल को विशिष्ट ऊतकों जैसे हृदय और मस्तिष्क कोशिकाओं में बदलने की प्रक्रिया का अध्ययन किया। माइक्रो ग्रेविटी में जैविक विभेदन की इस क्षमता का उपयोग भविष्य में कैंसर और न्यूरो संबंधी रोगों के इलाज में हो सकता है। शुभांशु ने बताया था कि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नहीं होने से मांसपेशियों का क्षरण होता है। हमारा प्रयोग है कि क्या कोई सप्लीमेंट देकर इसे रोका जा सकता है। इसका फायदा पृथ्वी पर रहने वाले उन लोगों को भी होगा, जिनमें उम्र बढ़ने की वजह से मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। आईएसएस पर विशुद्ध प्रोटीन अणुओं को क्रिस्टल के रूप में जमाकर यह परीक्षण किया गया कि उनकी संरचना अंतरिक्ष में कैसे अधिक स्थिर होती है। यह दवाओं के विकास व सटीक फार्मास्युटिकल डिजाइन के क्षेत्र में बड़ी छलांग माना जा रहा है। यह विशेष रूप से भारत प्रायोजित प्रयोग था जिसमें भारतीय मूल के आंतों के जीवाणु (माइक्रोबायोम) को माइक्रो ग्रैविटी में रखकर यह देखा गया कि उनकी प्रतिरक्षा क्षमता और संरचना पर क्या असर होता है। मिशन के दौरान शुभांशु ने एक ऑटोमेटेड मेडिकल स्कैनिंग सिस्टम का प्रयोग किया जो धड़कन, तापमान, और रक्तचाप जैसे संकेतों को रियल टाइम में रिकॉर्ड करता था। यह अंतरिक्ष में डॉक्टर की अनुपस्थिति में स्वास्थ्य प्रबंधन की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।स्पेस हाइड्रोपोनिक्स पर आधारित इस प्रयोग में शुभांशु ने आईएसएस के 'वेजी लैब' में पौधों की वृद्धि और प्रकाश संश्लेषण की दर की निगरानी की। इसका लक्ष्य भविष्य में स्पेस फार्मिंग और मंगल कृषि की व्यावहारिकता को परखना था।

शुभांशु ने आईएसएस में माइक्रो ग्रैविटी पर भारत के नेतृत्व वाले सात प्रयोग किए।

मधुमेह और आहार

संतुलित जीवनशैली है आसान राह

आज के समय में मधुमेह यानी डायबिटीज़ एक बहुत ही सामान्य लेकिन गंभीर बीमारी बन चुकी है। हर परिवार में कोई न कोई व्यक्ति इस बीमारी से जूझ रहा है। यह बीमारी तब होती है जब हमारे शरीर में इंसुलिन हार्मोन सही तरीके से काम नहीं करता और खून में ग्लूकोज़ का स्तर सामान्य से अधिक हो जाता है। मधुमेह के साथ जीवन जीना संभव है, लेकिन इसके लिए सही जानकारी, संतुलित आहार और नियमित जीवनशैली का पालन बहुत आवश्यक है।

मधुमेह और पोषण का संबंध

डायबिटीज़ के प्रबंधन में पोषण का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। केवल दवाइयाँ लेने से डायबिटीज़ नियंत्रण में नहीं रहती, जब तक हम अपने भोजन की गुणवत्ता, मात्रा और समय का ध्यान न रखें। एक संतुलित और पौष्टिक आहार न केवल ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है, बल्कि हृदय, किडनी, आंखों और त्वचा जैसी अन्य समस्याओं से भी बचाता है।

मोटापा और डायबिटीज़

बहुत सारे डायबिटिक मरीज मोटापे से भी ग्रसित होते हैं। मोटापा डायबिटीज़ का एक प्रमुख कारण भी है। शरीर में अधिक वसा होने से इंसुलिन का असर कम हो जाता है और ब्लड शुगर का स्तर बढ़ जाता है। ऐसे लोगों को विशेष ध्यान देना चाहिए कि वे धीरे-धीरे वजन घटाएं, लेकिन भूखे रहकर नहीं, बल्कि संतुलित आहार अपनाकर। वजन कम करने से ब्लड शुगर भी नियंत्रण में आ जाता है और दवाओं की ज़रूरत कम हो सकती है।

संतुलित आहार का महत्व

संतुलित आहार का मतलब है ऐसा भोजन जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्व – कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, फाइबर, विटामिन और खनिज – उचित मात्रा में हों। डायबिटिक व्यक्ति को किसी भी खाद्य समूह को पूरी तरह से छोड़ने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि संतुलन और मात्रा का ध्यान रखना होता है।

आज की बात

डाइटीशियन रानी शर्मा
डायबिटीज़ व वजन नियंत्रण पोषण विशेषज्ञ

प्लेट विधि

डायबिटीज़ रोगियों के लिए "प्लेट पद्धति" बहुत ही सरल और प्रभावी तरीका है भोजन को संतुलित करने का। इस पद्धति में एक सामान्य थाली को तीन भागों में बांटा जाता है:-

1. आधा भाग (50%) में हरी पत्तेदार सब्जियाँ और अन्य फाइबर युक्त सब्जियाँ जैसे लौकी, तोरई, पालक, मेथी, करेला, परवल, टिंडा, पत्ता गोभी आदि।
2. एक चौथाई भाग (25%) में प्रोटीन स्रोत रखें – जैसे मूंग दाल, चना, पनीर, अंडा (यदि अनुमति हो), दही (कम फैट वाला) और छाछ।
3. बाकी का एक चौथाई भाग (25%) में अच्छे कार्बोहाइड्रेट जैसे बाजरा, जौ, रागी, दलिया, ब्राउन राइस या मल्टीग्रेन रोटी शामिल करें। इस थाली के साथ एक कटोरी दही और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

अनाजों का चुनाव – मोटे अनाज और मिलेट्स

आजकल मोटे अनाज या "मिलेट्स" जैसे बाजरा, ज्वार, रागी, कुटकी, कोदो, सावां आदि को फिर से अपनाया जा रहा है। ये डायबिटिक मरीजों के लिए बहुत लाभदायक हैं क्योंकि इनमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और ये धीरे-धीरे शुगर को बढ़ाते हैं। मिलेट्स में फाइबर अधिक होता है, जिससे पेट देर तक भरा रहता है और वजन भी नियंत्रित रहता है। लेकिन ध्यान रहे कि इन्हें भी मध्यम मात्रा में लेना चाहिए, क्योंकि अधिक मात्रा में लेने से कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बढ़ सकती है।

कौन-कौन से खाद्य समूह लिए जा सकते हैं?

1. **कार्बोहाइड्रेट** : जैसे ब्राउन राइस, ओट्स, जौ, दलिया, रागी, बाजरा। सफेद चावल और मैदे से बने उत्पादों से बचें।
2. **प्रोटीन** : मूंग दाल, चना, लो फैट पनीर, टोफू, दही, छाछ, अंडा। प्रोटीन मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और ब्लड शुगर को स्थिर रखता है।
3. **सब्जियाँ** : ज्यादातर सब्जियाँ डायबिटिक मरीजों के लिए सुरक्षित होती हैं। जैसे पालक, पत्ता गोभी, ब्रोकली, लौकी, करेला, परवल, शिमला मिर्च, खीरा, टमाटर, गाजर (मात्रा में)। आलू और मटर सीमित मात्रा में ही लें।
4. **फल** : सेब, अमरूद, पपीता, नारंगी, जामुन, कीवी। आम, अंगूर, चीकू, केला जैसी मीठी चीजें कभी-कभार ही और सीमित मात्रा में लें।
5. **दूध व डेयरी उत्पाद** : लो-फैट दूध, दही, छाछ, पनीर। क्रीम, मावा, मिठाइयों से बचें।
6. **वसा** : सरसों का तेल, तिल का तेल, मूंगफली का तेल – सीमित मात्रा में। तले हुए और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ न खाएं।

दिनचर्या में सुधार

भोजन के अलावा जीवनशैली में बदलाव भी बहुत ज़रूरी है।

रोज़ाना 30–45 मिनट वॉक करें – तेज़ चलना ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है। योग और प्राणायाम करें – तनाव कम होता है और इंसुलिन का असर बढ़ता है। समय पर खाएं और ओवरईटिंग न करें।

रात का भोजन हल्का और सोने से 2 घंटे पहले करें। भरपूर नींद लें और तनाव कम करें।

भोजन का समय और मात्रा

मधुमेह के रोगी को दिन में 3 मुख्य भोजन (नाश्ता, दोपहर का भोजन, रात का भोजन) के साथ 2–3 छोटे स्नैक्स लेने चाहिए। यह ब्लड शुगर को स्थिर रखने में मदद करता है। भोजन की मात्रा व्यक्ति की उम्र, वजन, गतिविधि और शुगर की स्थिति पर निर्भर करती है। बेहतर होगा कि डायटीशियन की सलाह से अपने लिए एक व्यक्तिगत भोजन योजना बनवाएं।

निष्कर्ष

डायबिटीज़ कोई ऐसी बीमारी नहीं है जिससे डरने की ज़रूरत हो, लेकिन यह एक ऐसी स्थिति है जिसे पूरी समझदारी और आत्म-नियंत्रण से संभालना पड़ता है। यदि आप संतुलित और पौष्टिक आहार अपनाते हैं, नियमित व्यायाम करते हैं और सकारात्मक सोच रखते हैं, तो आप एक सामान्य और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। अपने भोजन को समझदारी से चुनें, हर निवाले में सेहत हो — यही आपकी लंबी और खुशहाल जिंदगी की कुंजी है। स्वस्थ रहें, जागरूक रहें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

मौत का एक दिन मुकर्रर है

मौत का एक दिन मुकर्रर है मौत सबको आएगी अमर कोई नहीं रहा। आधुनिक मानव जर, जोरू, जमीन के लिए अपनों का खून कर रहा है रिश्तों का कत्लेआम कर रहा हैं। खुनी रिश्ते खत्म होते जा रहे हैं। इंसान क़ो कोई नहीं गिरा सकता इंसान ही इंसान क़ो गिरा रहा है। खुनी रिश्ते दरक रहे हैं इन रिश्तों क़ो बचाना चाहिए। अपने ही काम आते हैं दूसरे तमाशा देखते हैं। आज हालात बहुत ही खराब होते जा रहे हैं लोग सोशल मीडिया व व्हाट्सप्प पर व्यस्त रहते हैं चौबीस घंटे भी कम पड़ते जा रहे हैं अपनों के लिए समय ही नहीं हैं समय का अभाव होता जा रहा हैं। अपनों से मनमुटाव हैं मगर सात समंदर पार अजनवी के लिए समय ही समय हैं अपनों का कभी हाल नहीं पूछते लेकिन अजनबी लोगों की पल पल की खबर ली जाती हैं अपना आस पड़ोस ही काम आएगा विदेशी नहीं काम आएगा। आज लोग एक दूसरे से बेवजह ही दुश्मनी रखते है। किसी का आदर सम्मान नहीं करते उल्टा अपमान करते है। आदमी क़ो अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए क्यूंकि अतीत की परछाईयां मरते दम तक पीछा करती हैं। गरीबों का हक छिना जा रहा हैं लेकिन जब गरीब की बद्दुआ लगती है तो लोहा भी भस्म हो जाता हैं इसलिए गरीब क़ो मत सताओ। ईश्वर सजा जरूर देता हैं। आज मानव दिन रात अकूत धन कमा रहा हैं लेकिन पल भर की खबर नहीं है। आज लोग दूसरों के रास्ते में कांटे बिछाते हैं लेकिन एक दिन ऐसे लोगों क़ो उनके कर्मो की सजा जरूर मिलती हैं कर्म अनिश्चित हैं लेकिन फल निश्चित हैं। मानव क़ो ऐसे कर्म करने चाहिए की समाज याद कर सके। ऐसे लोगों की सहायता कीजिए जो जरूरत मंद हैं। वक़्त एक जैसा नहीं रहता राज क़ो रंक बनने में एक पल नहीं लगता अहंकार त्याग देना चाहिए। आदमी ताउम्र साम, दाम, दंड, भेद, जैसे हथकंडे अपनाकर पैसा इकट्ठा कर रहा हैं। आज लोग संवेदनहिन हो गया हैं कौन जी रहा कौन मर रहा कोई सरोकार नहीं है।संवेदना मृतप्राय हो चुकी हैं। आधुनिक मानव स्वार्थ व मतलब तक सीमीत हो गया है। यह बहुत ही त्रासदी है। संस्कारों का अंतिम संस्कार होता जा रहा है। नैतिक मूल्यों का पतन हो चूका है। नैतिकता नाम की कोई चीज नहीं है लोग नैतिकता की अदालत में हार् रहे हैं। समाज के बुद्धिजीवी लोगों क़ो मंथन करना होगा नैतिक मूल्य क़ो बरकरार रखना होगा तभी समाज में नैतिकता बनी रहेगी। मंज़िल सबकी मौत है फिर यह नफ़रत, भेदभाव क्यों यह मोह माया क्यों जब पता है की एक दिन इस नशवर संसार से रुख़सत होना है तो यह गिले शिकवे क्यों। मानव ताउम्र भटकता रहता है धनलीपसा में मशगुल रहता हैं उल्टा सीधा काम करके माया क़ो इक्क्ठा कर रहा है आदमी क़ो पता है की यहाँ क़ोई अमर नहीं है। अच्छे कर्म कीजिए यही असली कमाई है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

व्यंग्य की बात

नरेंद्र भारती

निरंकुश अभिव्यक्ति से जुड़े सुप्रीम फैसलों का स्वागत हो

देश की बात

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति की सुनवाई करते हुए समय-समय पर जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वहीं एक संतुलित एवं आदर्श राष्ट्र एवं समाज व्यवस्था का आधार भी है। सोशल मीडिया मंचों पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी एवं विध्वंसकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन, वाणी संयम एवं विचार संयम की जरूरत बतायी है। धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हुई एवं यह याचिका दायर की गई। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर इसी याचिका पर विचार करते हुए कहा कि समाज में विद्वेष, घृणा व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता, सौहार्द एवं सद्भावना के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े अनेक मामलों के साथ-साथ ताजा मामले में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझते हुए इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए। आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों एवं टीवी चैनलों पर ऐसी सामग्री परोसी एवं प्रस्तुत की जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और

गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है, जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। आज सोशल मीडिया, समाचार चैनलों और राजनीतिक मंचों पर जिस प्रकार की उग्र भाषा, झूठे आरोप, धार्मिक विद्वेष और भावनात्मक उकसावे देखे जा रहे हैं, वे न केवल समाज को विभाजित कर रहे हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को भी ठेस पहुँचा रहे हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' देता है, इसके तहत प्रत्येक नागरिक को विचार, वाणी, लेखन, चित्रण आदि के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन आज इस अधिकार के दुरुपयोग की घटनाएं जिस प्रकार सामने आ रही हैं, वह चिंता का विषय बन चुकी हैं। इसलिए आज जरूरत है विचार संयम और वाणी संयम की। इसीलिये अनुच्छेद 19(2) इसके कुछ 'उचित प्रतिबंध' भी निर्धारित करता है जैसे भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, राज्य की अखंडता, लोक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, अश्लील या अनैतिक भाषण, अदालत की अवमानना, मानहानि, अपराध के लिए उकसावा एवं अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों से जुड़ी अराजकता पर प्रतिबंध, इन प्रतिबंधों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वतंत्रता का उपयोग अनुशासन और राष्ट्रीय हितों की मर्यादा में हो। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

बिना बात के रुठना, बिना बात अलगाव।
कितनों के दिल में यहाँ, जलता रहा अलाव।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

आकंड़ों में दबती ममता : मातृ मृत्यु दर में देश में अव्वल मध्य प्रदेश

आपकी बात

प्रो. आरके जैन

मध्य प्रदेश, जहां मातृत्व का पवित्र बंधन जीवन का अनमोल आशीर्वाद है, आज एक दुखद सच्चाई से जूझ रहा है। हर साल लाखों माताएं गर्भावस्था का सफर उम्मीदों और सपनों के साथ शुरू करती हैं, लेकिन कई के लिए यह अधूरा रह जाता है। मां की गोद, जो जीवन का प्रतीक होनी चाहिए, कभी-कभी मौत की ठंडी चादर से ढक जाती है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश में मातृ मृत्यु दर देश में सर्वाधिक है-प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 159, जो राष्ट्रीय औसत 88 से कहीं अधिक है। यह आंकड़ा न केवल चिंताजनक है, बल्कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था और सामाजिक ढांचे पर गंभीर सवाल उठाता है। उच्च शिशु मृत्यु दर के बोझ तले दबा मध्य प्रदेश अब मातृ मृत्यु दर में भी शीर्ष पर है। यह त्रासदी माताओं और उनके परिवारों के साथ-साथ पूरे समाज के लिए एक चेतावनी है कि हमें अपनी प्राथमिकताओं और व्यवस्थाओं को तुरंत सुधारना होगा। एसआरएस 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, मध्य प्रदेश में मातृ मृत्यु दर 173 से घटकर 159 प्रति लाख जीवित जन्मों पर आई है-14 अंकों की कमी। यह प्रगति सराहनीय है, मगर यह कटु सत्य कि प्रदेश अभी भी देश में सर्वाधिक मातृ मृत्यु दर के साथ शीर्ष पर है, हमें गहरे चिंतन के लिए विवश करता है। हर साल, करीब 20 लाख गर्भवती महिलाओं में से 3100 से अधिक अपने नवजात के जन्म के 42 दिनों के भीतर जीवन से हाथ धो बैठती हैं। यह आंकड़ा महज संख्या नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की टूटी उम्मीदों और अपूरणीय क्षति की मार्मिक कथा है। ये माताएं केवल अपने बच्चों का भविष्य नहीं, बल्कि समाज की आधारशिला हैं। उनकी मृत्यु सिर्फ व्यक्तिगत शोक नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक ताने-बाने का विघटन है। मातृ मृत्यु के पीछे प्रमुख कारण स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और उनकी निम्न गुणवत्ता है। प्रदेश के लेबर रूम और मैटरनिटी ऑपरेशन थिएटर (ओटी) अक्सर अपर्याप्त और असुविधाजनक हैं। उदाहरणस्वरूप, लेबर रूम के लिए निर्धारित 152 अंकों के मूल्यांकन में कई अस्पताल 30 से 95 प्रतिशत के बीच ही स्कोर कर पाते हैं, जो बुनियादी सुविधाओं और मानकों के अभाव को उजागर करता है। इसके अलावा, गायनकोलॉजिस्ट, एनेस्थीसिया विशेषज्ञों और शिशु रोग विशेषज्ञों की भारी कमी के चलते सीजेरियन डिलीवरी जैसी आपातकालीन सेवाएं कई अस्पतालों में अनुपलब्ध हैं। प्रदेश में फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू), जहां सीजेरियन सुविधा अनिवार्य है, मात्र 150 के आसपास हैं-यह संख्या इतनी कम है कि अधिकांश गर्भवती महिलाएं समय पर इन तक नहीं पहुंच पातीं। मातृ मृत्यु के प्रमुख कारणों में एनीमिया, उच्च रक्तचाप और प्रसवोत्तर रक्तस्राव (पीपीएच) हैं-ऐसी समस्याएं, जिन्हें समयबद्ध और प्रभावी चिकित्सा हस्तक्षेप से रोका जा सकता है। किंतु मध्य प्रदेश में प्रसव पूर्व जांचों की गुणवत्ता और उपलब्धता गंभीर रूप से अपर्याप्त है। अक्सर गर्भवती महिलाओं की नियमित जांचें लापरवाही का शिकार हो जाती हैं। उदाहरण के लिए, रक्तचाप की जांच के नाम पर केवल 120/80 लिखकर खानापूरी कर दी जाती है, जबकि वास्तव में महिला का रक्तचाप खतरनाक स्तर पर हो सकता है। हीमोग्लोबिन की जांच भी प्रायः उपेक्षित रहती है, जिसके चलते प्रसव के समय एनीमिया की गंभीर स्थिति सामने आती है। जब कोई प्रसूता अस्पताल पहुंचती है, तो उसका हीमोग्लोबिन स्तर तीन-चार ग्राम तक गिर चुका होता है, जिससे उसका जीवन बचाना लगभग असंभव हो जाता है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा सुविधाओं की कमी को उजागर करती है, बल्कि स्वास्थ्य कर्मियों की जवाबदेही और प्रशिक्षण की तत्काल आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) जैसे कार्यक्रमों के बावजूद, मध्य प्रदेश में मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में क्षेत्रीय असमानताएं चिंताजनक रूप से स्पष्ट हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की कमी, और आपातकालीन प्रसूति देखभाल तक पहुंच की अनुपस्थिति मातृ मृत्यु दर को बढ़ाने वाले प्रमुख कारक हैं। उदाहरण के लिए, ग्रामीण प्रसूताओं को अक्सर उचित परिवहन के बिना लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय पर चिकित्सा सहायता मिलना दुरूह हो जाता है। इसके उलट, शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं अपेक्षाकृत बेहतर हैं, पर वहां भी संसाधनों और विशेषज्ञों की कमी बाधा बनी हुई है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान को मिली **शानदार प्रगति...**

1.4 लाख नए प्रधानमंत्री जन धन योजना खाते खोले गए

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) ने प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) जैसी प्रमुख योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए 1 जुलाई से 30 सितंबर तक तीन महीने का पूरे देश में चलने वाला संतृप्ति अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य सभी ग्राम पंचायतों (जीपी) और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में व्यापक कवरेज प्राप्त करना है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक पात्र नागरिक इन परिवर्तनकारी योजनाओं का अपेक्षित लाभ उठा सकता है।

1 जुलाई को अभियान की शुरुआत के बाद से, प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों के नामांकन को सुगम बनाने और वित्तीय साक्षरता को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न जिलों में कुल 43,447 शिविर आयोजित किए गए। अब तक 31,305 शिविरों की प्रगति रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है।

1 जुलाई से देश के विभिन्न जिलों में 43,447 शिविर लगाए गए

3 जन सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत 5.4 लाख से अधिक नए नामांकन हुए

पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई के अंतर्गत निपटाए गए दावे: 1,665 डिजिटल धोखाधड़ी जागरूकता पर वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, दावा न की गई जमाराशियों तक पहुंच और मौजूदा शिकायत निवारण। यह अभियान 30 सितंबर 2025 तक चलेगा और लगभग 2.70 लाख ग्राम पंचायतों और यूएलबी को कवर करेगा। यह औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच के माध्यम से अंतिम छोर तक वित्तीय सशक्तिकरण सुनिश्चित करने और सामाजिक-आर्थिक समावेशन को बढ़ाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत सरकार की वित्तीय समावेशन (एफआई) पहल, औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक समान पहुंच को सुगम बनाकर आर्थिक और सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने की आधारशिला का काम करती है। इन पहलों का उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं से वंचित व्यक्तियों को मुख्यधारा की बैंकिंग के दायरे में लाना है, जिससे समावेशी और सतत आर्थिक विकास को बल मिलेगा।

17 जिलों के जनजातीय समुदायों के 2,000 व्यक्तियों की होगी जीनोम सीक्वेंसिंग

गांधीनगर (आईएएनएस)

फार्मास्यूटिकल्स और रसायन क्षेत्रों के बाद गुजरात ने अब जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी प्रगति की है। गुजरात में जनजातीय क्षेत्रों के नागरिकों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए जनजातीय जीनोम अनुक्रमण परियोजना शुरू की गई है। इस तरह का प्रोजेक्ट लॉन्च करने वाला गुजरात पहला राज्य है। जनजातीय मामलों के मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर ने इस उपलब्धि की जानकारी दी है। गांधीनगर में जनजातीय विकास मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर और राज्य के आदिवासी विकास मंत्री कुंवरजी हलपति की अध्यक्षता में आदिवासी जीनोम परियोजना पर एक संवाद आयोजित किया गया। मंत्री डिंडोर ने कहा, "यह परियोजना विज्ञान और परंपरा के बीच सेतु के रूप में आदिवासी समुदाय के समृद्ध और स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक नया माइलस्टोन साबित होगी। यह परियोजना जनजातीय नागरिकों के स्वास्थ्य कल्याण के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी। यह परियोजना गुजरात जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र-जीबीआरसी द्वारा कार्यान्वित की जाएगी। इस परियोजना के तहत गुजरात के 17 जिलों के विभिन्न जनजातीय समुदायों के 2,000 व्यक्तियों का जीनोम सीक्वेंसिंग किया जाएगा।

भाजपा के भ्रष्टाचार के कारण बर्बाद हो रही है सार्वजनिक व्यवस्था : राहुल

नई दिल्ली। एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मानसून में हुए कुछ पुल हादसों तथा अन्य बड़ी दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ''भ्रष्टाचार'' के कारण बर्बाद होती सार्वजनिक व्यवस्था का दंश झेल रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ''मानसून आया और साथ ही आपके टैक्स के पैसे भी बहा ले गया, भाजपा के भ्रष्टाचार की गंदगी में। हर बार जब कोई पुल गिरता है, हर बार जब कोई सड़क बह जाती है, हर बार जब कोई ट्रेन पटरी से उतरती है समझ लीजिए, ये सिर्फ़ निर्माण की असफलता नहीं, ये आपकी जेब से एक संगठित लूट है। उन्होंने कहा कि हर बार जब हादसे में किसी के प्रिय की जान जाती है और कोई ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाता, तो वो दुर्घटना नहीं, हत्या होती है।

उन्होंने हाल की कुछ प्रमुख दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए कहा, ''हर दिन, हर साल भारत के छोटे गांव से लेकर बड़े शहर तक लोग इस बर्बाद होती सार्वजनिक व्यवस्था का दंश झेल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अब सरकार से जवाब मांगने का वक्त आ गया है। इनकी नाकामी की जवाबदेही तय करने का और उसके नतीजों की ज़िम्मेदारी लेने को मजबूर करने का समय है।

बीजेपी और चुनाव आयोग एक साथ काम कर रहे, असम में बोले राहुल-

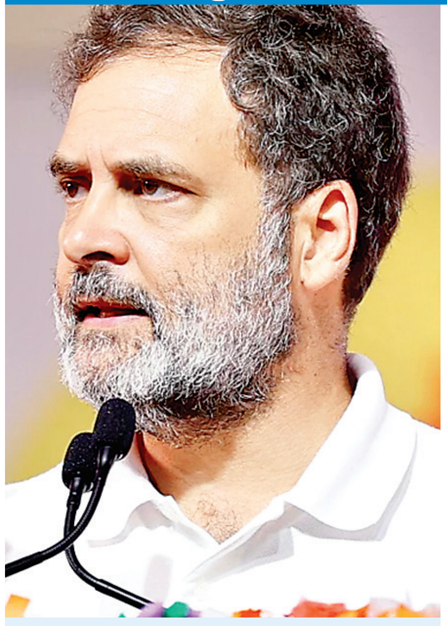

- राहुल गांधी ने मानसून में हुए पुल हादसों और दुर्घटनाओं को लेकर सरकार पर निशाना साधा।
- **उन्होंने कहा कि ये दुर्घटनाएँ सिर्फ निर्माण की विफलता नहीं, बल्कि भाजपा के भ्रष्टाचार का परिणाम हैं।**
- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, "मानसून आया और साथ ही आपके टैक्स के पैसे भी बहा ले गया।"
- **पुलों के गिरने, सड़कों के बहने और ट्रेनों के पटरी से उतरने को उन्होंने "संगठित लूट" बताया।**

वोटर लिस्ट से लाखों लोगों को हटाया जा रहा

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में उन्होंने नई वोटर लिस्ट तैयार करनी शुरू कर दी है और उस वोटर लिस्ट में लाख-करोड़ों लोगों को वो हटा रहे हैं। वो गरीबों, मजदूरों, किसानों और कांग्रेस पार्टी और आरजेडी के वोटर को हटा रहे हैं। हम वहां पर आंदोलन कर रहे हैं और दवाब डाल रहे हैं मगर मैं सबको कहना चाहता हूं जो इन्होंने महाराष्ट्र में किया और जो ये बिहार में करने की कोशिश कर रहे हैं वो ये असम में भी करने की कोशिश करेंगे।

ये आप सबकी और हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन्हें ये काम नहीं करने देंगे। बीजेपी और चुनाव आयोग आजकल एक साथ काम कर रहे हैं, चुनाव आयोग पूरे तरीके से बीजेपी और उनके नेताओं की बात सुन रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि कुछ समय पहले महाराष्ट्र में चुनाव हुआ और वहां बीजेपी ने जबरदस्त तरीके से चीटिंग की। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच चार महीने में एक करोड़ नए मतदाता बने। हमने चुनाव आयोग से पूछा- ये लोग कहां से आए, ये कौन हैं.. हमें वोटर लिस्ट दिखाइए और वीडियोग्राफी दीजिए। लेकिन.. चुनाव आयोग ने हमें आजतक वोटर लिस्ट नहीं दी, उल्टे वीडियोग्राफी से जुड़ा कानून ही बदल दिया।

कांग्रेस का बब्बर शेर असम सीएम को जेल भेजेगा

चायगांव रैली में बोले राहुल गांधी, हिमंता ने पूछा- खुद तो खुद जमानत पर हैं

असम के चायगांव में एक भाषण में ग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर एक निर्वाचित राज्य प्रमुख के बजाय एक सम्राट की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि ग्रैंड ओल्ड पार्टी का बब्बर शेर उन्हें जेल भेज देगा।

आरोपी को नहीं पता था उसने फौजा सिंह को टक्कर मारी

जालंधर हिट एंड रन केस में पुलिस ने कई खुलासे किए

जालंधर (आईएएनएस)

114 वर्षीय प्रसिद्ध धावक फौजा सिंह से जुड़े हिट एंड रन मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के बाद जालंधर पुलिस ने अहम खुलासे किए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी को फौजा सिंह के बारे में कुछ नहीं पता था। आरोपी हादसे के कारण डर गया और घटनास्थल से गाड़ी लेकर भागा। आरोपी की पहचान अमृतपाल सिंह ढिल्लों के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 26 साल है। जालंधर के एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा, "आरोपी को घटना के समय नहीं पता था कि उसने फौजा सिंह को टक्कर मारी है। फौजा सिंह को टक्कर मारने के बाद वह मौके से भाग गया। समाचार देखने के बाद उसे पता चला कि जिस व्यक्ति को उसने टक्कर मारी थी, वह फौजा सिंह थे। जालंधर पुलिस ने इस हिट एंड रन मामले को लगभग 30 घंटे के भीतर सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसएसपी ग्रामीण हरविंदर सिंह विर्क ने बताया कि आरोपी अमृतपाल सिंह ढिल्लों कनाडा में काम करता है और 23 जून को अपने घर को बनवाने के लिए भारत लौटा था। आरोपी के पिता का निधन हो चुका है, जबकि उसकी बहन और मां कनाडा में रहती हैं। पुलिस अधिकारी हरविंदर सिंह विर्क के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज और आई विटनेस के आधार पर घटना की जांच की गई। घटनास्थल से गाड़ी के कुछ पार्ट के टुकड़े मिले थे।

बालासोर केस

कांग्रेस ने ओडिशा के सीएम का इस्तीफा मांगा राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

भुवनेश्वर (आईएएनएस)

कांग्रेस ने बालासोर की घटना पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी का इस्तीफा मांगा है। इसके साथ राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की गई है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महिला विंग की अध्यक्ष अलका लांबा बुधवार को भुवनेश्वर पहुंचीं, जहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए सरकार पर गंभीर सवाल उठाए। अलका लांबा ने आरोप लगाया कि भाजपा नेतृत्व वाली सरकार के तहत ओडिशा महिलाओं के लिए असुरक्षित होता जा रहा है। उन्होंने छात्रा की मौत के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही घटना को प्रशासनिक असफलता व जवाबदेही की कमी का नतीजा बताया। अलका लांबा ने कहा कि राज्य मशीनरी पूरी तरह असफल हो गई है। एक लड़की को न्याय मांगने के लिए खुद को आग लगानी पड़ी। मीडिया से बातचीत में अलका लांबा ने कहा, "आज हकीकत यह कहती है कि पूरा ओडिशा बर्बादी की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री (मोहन चरण माझी) अनुभवहीन हैं। यह एक साल में फेल साबित हुए हैं। इन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा, "जब कानून-व्यवस्था चरमरा जाए, अपराधी खुलेआम घूमें और पीड़ित न्याय के इंतजार में दम तोड़ दें, तब मुख्यमंत्री का इस्तीफा देना जरूरी होता है।

एयर इंडिया अब गैटविक नहीं हीथ्रो के लिए उड़ान भरेगी

नई दिल्ली। एजेंसी

एयर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि वह एक अगस्त से 30 सितंबर तक अहमदाबाद से लंदन के हीथ्रो के लिए तीन साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी। ये उड़ानें गैटविक, लंदन की जगह लेंगी। एयरलाइन इस समय अहमदाबाद-लंदन गैटविक मार्ग पर पांच साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। इसके अलावा, एयर इंडिया ने उन उड़ानों की समय-सारिणी को आंशिक रूप से बहाल करने की घोषणा की है, जिन्हें 12 जून को हुए बोइंग 787-8 विमान हादसे के बाद 'सुरक्षा विराम' के चलते कम कर दिया गया था। एयर इंडिया ने कहा कि कुछ उड़ानें एक अगस्त से बहाल होंगी, जबकि एक अक्टूबर से इन्हें पूरी तरह बहाल करने की योजना है। एयर इंडिया ने बयान में कहा कि एक अगस्त से 30 सितंबर तक एयर इंडिया अहमदाबाद और लंदन (हीथ्रो) के बीच तीन साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी, जो इस समय अहमदाबाद और लंदन (गैटविक) के बीच संचालित होने वाली पांच साप्ताहिक उड़ानों की जगह लेगी।

संदिग्ध मवेशी तस्करों के हमले में बीएसएफ के दो जवान घायल

शिलांग। मेघालय के पूर्व जयंतिया हिल्स जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर संदिग्ध मवेशी तस्करों के हमले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 12 जुलाई की सुबह खासिमारा नदी के पास हुई। मेघालय पुलिस में दर्ज कराई गई एक प्राथमिकी के अनुसार बीएसएफ कर्मियों ने सीमा से लगते बांग्लादेश के हिस्से में लगभग 20 लोगों को 30 से 40 मवेशियों के साथ देखा। प्राथमिकी में कहा गया, ''चेतावनी दिए जाने पर बांग्लादेश के ही 40 से 50 लोगों के एक अन्य समूह की मदद से उपद्रवियों ने भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश की और बीएसएफ कर्मियों पर पथराव किया। इस हमले में बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए। सीमा सुरक्षा बल ने एक बयान में कहा गया,'' आत्मरक्षा में बीएसएफ के जवानों ने गोलियां चलाईं और हमलावरों को तितर-बितर करने के लिए हवा में भी गोलियां चलाई गईं।'' घटना के बाद उपद्रवी इलाके से भाग गए और बीएसएफ कर्मियों ने 13 मवेशी बरामद किए। मामले की जांच की जा रही है।

मराठी में कराओ अजान, बस बंदूके निकलेंगी नीतीश राणे का ठाकरे को खुला चैलेंज

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर बढ़ते विवाद ने प्रदेश की सियासत में उबाल ला दिया है। पिछले कुछ हफ्तों से हिंदी भाषी लोगों के साथ मारपीट और गाली-गलौज की तस्वीरें सामने आई हैं। मराठी भाषा के छद्म ठेकेदार हिंदी भाषी लोगों के साथ मारपीट और गाली गलौज कर रहे हैं और उन पर मराठी बोलने का दबाव डाल रहे हैं। पिछले दिनों मराठी भाषा नहीं बोलने पर लोगों की पिटाई की जा रही है। उसे देखने के बाद मानो ऐसा लगता है कि एमएनएस कार्यकर्ता सड़क पर ही मराठी भाषा की पाठशाला चला रहे हैं।

अब मंत्री नितेश राणे ने ठाकरे ब्रदर्स को खुला चैलेंज दिया है। नितेश राणे ने अब ठाकरे ब्रदर्स को मदरसों में मराठी में अजान कराने की नसीहत दे डाली है।

हादसा टला पटना में रनवे टच करके दोबारा उड़ा विमान, 173 यात्रियों बचे

4 चक्कर लगाने के बाद दोबारा लैंडिंग

क्रू मेंबर ने यात्रियों से धैर्य रखने को कहा

यात्रियों को लगा कि कोई विमान रनवे पर होगा या फिर कोई इमरजेंसी हो गई। क्रू मेंबर ने यात्रियों से कहा कि कोई इमरजेंसी नहीं हुई है। तकनीकी कारणों की वजह से विमान को फिर से टेकऑफ किया गया है। चार-पांच मिनट में लैंडिंग हो जाएगी। यात्री धैर्य रखें।

पटना। एजेंसी

दिल्ली से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E2482 मंगलवार को पटना एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद दोबारा उड़ गई। फिर, तीन-चार चक्कर लगाने के बाद फ्लाइट ने दोबारा लैंड किया। इस दौरान दिल्ली से पटना आ रहे 173 यात्रियों की सांसें 5 मिनट तक अटकी रहीं। दोबारा लैंडिंग के बाद यात्रियों ने राहत महसूस की। हालांकि विमान टचिंग पॉइंट को थोड़ा ओवरशूट कर गया था। पटना एयरपोर्ट का रनवे छोटा है। पायलट को लगा कि रनवे पर विमान को नहीं रोक पाएंगे तो उसने दोबारा विमान को ऊपर उठा लिया। ऐसा होता देख यात्री परेशान हो गए।

2 हजार मीटर है पटना एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई : फिलहाल पटना एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2,072.64 मीटर है। इसे 584.96 मीटर और बढ़ाकर 2657.6 मीटर करने की तैयारी चल रही है। यह कवायद केंद्र सरकार के सर्कुलर के बाद तेज हुई है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने अहमदाबाद हादसे के बाद देशभर के सभी एयरपोर्ट की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी की है। उसमें रनवे की लंबाई और सुरक्षा को लेकर खास निर्देश दिया गया है।

आज का राशिफल

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है।

वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्ययभार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं।

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी।

कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ङ्क्षचता रहेगी।

सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्क्षचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

कन्या : 00 अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी।

तुला : कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी।

वृश्चिक : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा।

धनु : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं।

मकर : शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे।

कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ।

मीन : व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देंगे। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा।
आवश्यक सूचना।
(नोटिस)

नाम–(1) राजेन्द्र कोरवा, पे0–गोबर्धन कोरवा, सा0–ढ़ोटी, थाना–रंका, जिला–गढ़वा राज्य–झारखण्ड आपको सूचित किया जाता है कि आप रंका थाना कांड सं0–85/22 दिनांक–05.06.2022 धारा–341, 323, 307, 332, 333, 353, 506, 34, भा0द0वि0 एवं 25(1-b)a,25(6)arms act & 17 CLA act के अप्राथमिकी अभियुक्त हैं। आप उक्त काण्ड में अबतक फिरार चल रहे है। आपके विरुद्ध माननीय न्यायालय, श्रीमती अनुलिका कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक दण्डाधिकारी, गढ़वा, राज्य– झारखण्ड के द्वारा इश्तिहार निर्गत किया गया है। दिनांक–08.07.2025 को आपके घर पर इश्तिहार का विधिवत तामिला किया गया है। परन्तु आप अपने घर से भी फिरार चल रहे है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप अविलंब माननीय न्यायालय, श्रीमती अनुलिका कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक दण्डाधिकारी, गढ़वा, राज्य– झारखण्ड के न्यायालय में आत्मसमर्पन करना सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा।

PR 357474 Police(25-26)D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा
आवश्यक सूचना
(नोटिस)

नाम–(1) सुदर्शन मुंडा उर्फ सुदर्शन हपतगडा, पे0–स्व0 सुरा मुंडा उर्फ सोमा हपतगडा, सा0–सनेया, थाना–भण्डरिया, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड आपको सूचित किया जाता है कि आप भण्डरिया थाना कांड सं0–25/2024 दिनांक–03.04.2024 धारा–15(b), 18 NDPS act के प्राथमिकी अभियुक्त हैं। आप उक्त काण्ड में अबतक फिरार चल रहे है। आपके विरुद्ध विरुद्ध दिनांक–19.06.2025 को माननीय न्यायालय, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गढ़वा के द्वारा इश्तिहार निर्गत किया गया है। दिनांक–09.07.2025 को आपके घर पर इश्तिहार का विधिवत तामिला किया गया है। परन्तु आप अपने घर से भी फिरार चल रहे है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप अविलंब माननीय न्यायालय, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गढ़वा राज्य– झारखण्ड के न्यायालय में आत्मसमर्पन करना सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

PR 357472 Police(25-26)#D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा
आवश्यक सूचना
(नोटिस)

नाम–(1) धनंजय राम, पिता–सुखलाल मोची, सा0–कंचनपुर, थाना–रंका, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड आपको सूचित किया जाता है कि आप रंका थाना कांड सं0–219/23 दिनांक–28.12.2023 धारा–366, 34 भा0द0वि0 के प्राथमिकी अभियुक्त हैं। आप उक्त काण्ड में अबतक फिरार चल रहे है। आपके विरुद्ध माननीय न्यायालय, श्रीमती अनुलिका कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक दण्डाधिकारी, गढ़वा, राज्य– झारखण्ड के द्वारा इश्तिहार निर्गत किया गया है। दिनांक–08.07.2025 को आपके घर पर इश्तिहार का विधिवत तामिला किया गया है। परन्तु आप अपने घर से भी फिरार चल रहे है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप अविलंब माननीय न्यायालय, श्रीमती अनुलिका कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक दण्डाधिकारी, गढ़वा, राज्य– झारखण्ड के न्यायालय में आत्मसमर्पन करना सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

PR 357471 Police(25-26).D

बांग्लादेश में फिल्मकार के पुश्तैनी घर को बचाने की पहल

ढाका। बांग्लादेश में फिल्मकार सत्यजीत रे से जुड़े 200 साल पुराने पुश्तैनी घर को गिराने की जमकर आलोचना हो रही है, जिसके बाद स्थानीय अधिकारियों को काम अस्थायी रूप से रोकना पड़ा है। हरिकिशोर रॉय रोड पर स्थित और सत्यजीत रे के दादा उपेंद्रकिशोर रे से जुड़ी इस ऐतिहासिक एक मंजिला इमारत को मयमनसिंह जिला बाल अकादमी की ओर से गिराया जा रहा था। यहां नई इमारत बनाने के लिए पुरानी इमारत गिराई जा रही है। इस पर हेरिटेज एक्टिविटी, पुरातत्व विभाग और भारत सरकार ने आपत्ति जताई। लोकल जर्नलिस्ट ने कहा कि सरकार अब यह साबित करने की कोशिश कर रही है कि यह घर सत्यजीत रे के परिवार का नहीं है, लेकिन इतिहास कुछ और ही कहानी कहता है। यह घर मूलरूप से मैमनसिंह के मुक्तागचा जमींदारी के संस्थापक श्रीकृष्ण आचार्य के वंशज, जमींदार शशिकांत आचार्य के स्टाफ के लिए बनाया गया था, जिसका सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक है।

सीरिया पर इजरायली एयर स्ट्राइक की निंदा में मध्य पूर्वी देश एकजुट

अम्मान। जॉर्डन, कतर, ईरान, कुवैत और सऊदी अरब सहित कई मध्य पूर्वी देशों ने सीरिया के दक्षिणी शहर स्वैदा के पास सीरियाई सैन्य काफिलों पर इजरायली एयर स्ट्राइक की कड़ी निंदा की है। मंगलवार को जारी एक संयुक्त बयान में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने बताया उन्होंने सेना को सीरियन फोर्स और हथियारों पर 'तत्काल हमला' करने का आदेश दिया है, ताकि सीरियाई शासन को ड्रूज समुदाय पर नुकसान पहुंचाने से रोका जा सके। सीरिया पर इजरायली हमले की निंदा करते हुए, जॉर्डन के विदेश और प्रवासी मंत्रालय ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन और सीरिया की स्थिरता, संप्रभुता और सुरक्षा को निशाना बनाने वाला एक खतरनाक हमला बताया। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने कहा, "मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता, राजदूत सूफियान अल-कुदाह ने इन हमलों को तुरंत रोकने और सीरिया जैसे सहयोगी राष्ट्र की संप्रभुता का सम्मान करने पर जोर दिया है।

गाजा पर इजराइल हमलों में 93 फिलस्तीनी मारे गए

गाजा। गाजा पट्टी पर मंगलवार को इजराइली हमलों में 90 से अधिक फिलस्तीनी मारे गए, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय अस्पतालों के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शिफा अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी शाती शरणार्थी शिविर में हुए एक हमले में फिलस्तीनी विधायिका के हमास सदस्य की मौत हो गई, साथ ही उसी इमारत में शरण लिए हुए एक पुरुष, एक महिला और उनके छह बच्चे भी मारे गए। हताहतों को इसी अस्पताल में लाया गया था। शिफा अस्पताल के अनुसार, सोमवार शाम गाजा शहर के तेल अल-हवा ज़िले में एक घर पर हुए हमले में एक परिवार के 19 सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में आठ महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। इसी जिले में विस्थापित लोगों के लिए बने एक शिविर पर हमले में एक पुरुष, एक महिला तथा उनके दो बच्चों की मौत हो गई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार दोपहर एक दैनिक रिपोर्ट में कहा कि पिछले 24 घंटों में इजराइली हमलों में मारे गए 93 लोगों के शव गाजा के अस्पतालों में लाए गए हैं। इसके साथ ही 278 घायल भी अस्पतालों में लाये गए हैं।

मोदी और पुतिन की दोस्ती से बौखलाए 32 देश, दी धमकी

भारत-रूस ऐसे देंगे जवाब, उड़ जाएंगे नाटो-अमेरिका के होश!

ब्यूरो

नई दिल्ली। नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने ब्राजील, चीन और भारत को धमकी दी है कि यदि ये देश रूस के साथ कारोबार करना जारी रखेंगे तो उन्हें गंभीर आर्थिक दंड का सामना करना पड़ेगा। रूट ने यह टिप्पणी अमेरिकी कांग्रेस में सीनेटरों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कही। रूट को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चहेता व जी हुजूरी वाला माना जाता है। मार्क रूट ने भारत , चीन व ब्राजील के नेताओं से अपील की कि वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर इस बात के लिए दबाव डालें कि वे शांति वार्ता को गंभीरता से लें। रूट ने कहा, 'यदि आप चीन के राष्ट्रपति हैं, भारत के प्रधानमंत्री हैं या ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, और आप रूस के साथ कारोबार करना जारी रखते हैं, उनका (रूस)तेल व गैस खरीदते हैं, तो आप जानते हैं; यदि मॉस्को में बैठा व्यक्ति शांति वार्ता को गंभीरता से नहीं लेता है, तो मैं 100 प्रतिशत सेकेंडरी सेक्सन्स लगा दूंगा।' मार्क रूट ने कहा कि इन तीनों देशों को इस पर गौर करना चाहिए क्योंकि इसका इन पर बड़ा असर हो सकता है। मालूम हो कि इसके पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को फिर से मिलिट्री सपोर्ट देने का ऐलान किया था और रूस और उसके कारोबारी सहयोगियों को टैरिफ को लेकर धमकी दी थी। ट्रंप ने रूस से एक्सपोर्ट पर 100% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी और कहा था कि अगर 50 दिन के अंदर रूस और यूक्रेन के बीच कोई समझौता नहीं होता है तो वह उन देशों पर सेकेंडरी सेक्सन्स लगा देंगे जो रूस से तेल खरीदना जारी रखेंगे।जहां तक भारत का सवाल है तो भारत, चीन व तुर्की ऐसे देश हैं जो रूस से बहुत बड़े पैमाने पर कच्चा तेल खरीदते हैं और अगर

डोनाल्ड ट्रंप इन देशों पर प्रतिबंध लगाते हैं तो इनमें से भी भारत पर इसका बहुत बड़ा असर पड़ेगा । इसकी वजह से एनर्जी सप्लाई बाधित हो सकती है और तेल की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।ट्रंप के धमकी के बाद रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा था कि उनका देश डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत के लिए तैयार है लेकिन रूस किसी भी तरह की चेतावनी को स्वीकार नहीं करेगा और इसका कोई नतीजा नहीं निकलेगा।मालूम हो कि रूस और यूक्रेन के बीच लंबे वक्त से जंग चल रही है और इस जंग में नाटो देश यूक्रेन के साथ खड़े हैं। मार्क रूट ने कहा कि नाटो यूक्रेन की मदद करना जारी रखेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप के साथ समझौते के तहत अमेरिका अब यूक्रेन को बड़े पैमाने पर हथियार मुहैया कराएगा।

रूस से तेल खरीदना वैश्विक कीमतों को स्थिर रखने के लिए ज़रूरी : भारत

लेकिन इन सब से भी भारत और चीन को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। बल्कि भारत ने तो एक ऐसा बयान दे दिया है, जिसे सुनकर नाटो देश और ट्रंप का सिर चकरा जाएगा। भारत ने कहा है कि अगर हम लगातार रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदते तो दुनियाभर में तेल की कीमतें आसमान छूने लगती। अगर कोई भी रूस से तेल नहीं खरीदता तो तेल कीमतें दुनियाभर में 120 से 130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाती। भारत ने रूस के साथ 60 बिलियन डॉलर का तेल रूस से खरीदा है।

रेलवे ने साइडिंग और शंटिंग चार्ज 12% बढ़ाया ,15 अगस्त से लागू होंगी नई दरें

ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने साइडिंग व शंटिंग चार्ज में लगभग 11 से 12 % की बढ़ोतरी कर दी। जो 15 अगस्त से लागू हो जाएगी। रेलवे ने यह बदलाव लगभग16 साल बाद किया है। इससे पहले इन शुल्कों में संशोधन 2009 में किया गया था। ऐसे में जो व्यक्ति कोई फैक्ट्री चलाता है, कोई धंधा करता है , गोदाम से जुड़ा है और भारतीय रेलवे की साइडिंग या शंटिग सेवाएं लेता है तो यह उसके लिए सुविधा 15 अगस्त से महंगी होने जा रही है। रेलवे बोर्ड के निदेशक यातायात वाणिज्य (दर) अमितेश आनंद की ओर से इस संबंध में सभी जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को आदेश जारी किया गया है। इसमें उत्तर मध्य रेलवे के जीएम उपेंद्र चंद्र जोशी को भी यह नई दर सूची भेजी गई है। इसका सीधा असर उन उद्योगों पर पड़ेगा जो अपने प्रोडक्ट या कच्चे माल को रेलवे साइडिंग के जरिए मंगवाते या भेजते हैं।

दरअसल, रेलवे की मुख्य लाइन से जुड़ी जो निजी या समर्पित रेल लाइन होती है, उसे साइडिंग कहा जाता है। यह लाइन किसी सीमेंट फैक्ट्री, कोयला डिपो, इस्पात उद्योग या किसी अन्य भारी उद्योग तक जाती है, ताकि वहां आसानी से माल लाया या भेजा जा सके। अब जब वैगन साइडिंग में पहुंचते हैं तो उन्हें वहां सही स्थान पर ले जाने, जोड़ने, काटने या व्यवस्थित करने का काम रेलवे के इंजन से होता है, जिसे शंटिंग कहा जाता है। उदाहरण के तौर पर जब कोई सीमेंट फैक्ट्री कच्चा माल (जैसे कोयला या चूना पत्थर) मंगवाती है या तैयार सीमेंट भेजती है, तो उस माल को लोड-अनलोड करने के लिए शंटिंग इंजन की जरूरत पड़ती है। साइडिंग वाले उद्योग या गोदाम मालिक रेलवे से इंजन की मांग करते हैं ताकि उनके वैगन को साइडिंग में

1. ब्रॉड गेज डीजल इंजन की शंटिंग: ₹10,620 प्रति घंटा (पहले ₹9,500)
2. डीजल ट्रेन इंजन: ₹17,560 प्रति घंटा (पहले ₹15,800)
3. मीटर गेज डीजल ट्रेन इंजन: ₹14,770 प्रति घंटा (पहले ₹13,200)
4. इलेक्ट्रिक ट्रेन इंजन: ₹15,440 प्रति घंटा (पहले ₹13,900)

लाया जा सके या मुख्य लाइन से जोड़ा जा सके। इसके बदले रेलवे उन्हें प्रति घंटे के हिसाब से शुल्क लेता है। रेलवे अब यही शुल्क को बढ़ा दिया गया है। उत्तर मध्य रेलवे का कहना है कि वर्ष 2009 के बाद से इस शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई थी, ऐसे में अब बदलाव समय की मांग बन गया था। यह नई दरें 15 अगस्त 2025 से लागू हो जाएंगी। रेलवे की मानें तो इंजन की परिचालन लागत में समय के साथ लगातार वृद्धि हुई है – इसमें ईंधन, मेंटेनेंस, स्टाफ, स्पेयर पार्ट्स जैसी लागतें शामिल हैं। लेकिन इतने वर्षों से शुल्क स्थिर थे, जिससे रेलवे पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा था। इसलिए यह बढ़ोतरी न सिर्फ तर्कसंगत है, बल्कि रेलवे की सेवा गुणवत्ता और इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाए रखने में भी मदद करेगी। इस बढ़े हुए शुल्क का सबसे ज्यादा असर उन कंपनियों व उद्योगों पर होगा जो नियमित रूप से रेलवे साइडिंग का इस्तेमाल करते हैं. हालांकि यह बढ़ोतरी सीधे आम यात्रियों की जेब पर असर नहीं डालेगी, लेकिन लॉजिस्टिक कॉस्ट बढ़ने की वजह से कुछ उत्पादों की कीमतों पर अप्रत्यक्ष असर तो पड़ ही जाएगा।

ईरान को लेकर भारतीयों को सख्त एडवाइजरी जब तक एकदम जरूर न हो यात्रा न करें

एजेंसी। ईरान

ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने एक नया परामर्श जारी किया है, जिसमें भारतीय नागरिकों से ईरान की अनावश्यक यात्रा से बचने का आग्रह किया गया है। दूतावास ने एक्स पर जारी अपने परामर्श में, उनसे क्षेत्र में बदलते हालात पर सावधानीपूर्वक विचार करने को कहा है। दूतावास ने ईरान में पहले से मौजूद लोगों से भी मध्य पूर्व क्षेत्र में नवीनतम घटनाक्रमों के प्रति सतर्क रहने को कहा है और कहा है कि वे ईरान छोड़ने के लिए वाणिज्यिक उड़ानों और उपलब्ध नौका सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं।

परामर्श में क्या कहा गया है?

पिछले कई हफ़्तों में सुरक्षा संबंधी घटनाक्रमों को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे ईरान की गैर-ज़रूरी यात्रा करने से पहले मौजूदा स्थिति पर ध्यानपूर्वक विचार करें। उन्हें यह भी सलाह दी जाती है कि वे नवीनतम क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर नज़र रखें और भारतीय अधिकारियों द्वारा जारी नवीनतम परामर्शों का पालन करें। जो भारतीय नागरिक पहले से ही ईरान में हैं और वहाँ से जाने के इच्छुक हैं, वे अभी उपलब्ध व्यावसायिक उड़ान और नौका सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यह परामर्श क्षेत्र में बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में जारी किया गया है।

ड्रोन व सी-यूएएस में आत्मनिर्भरता 'रणनीतिक रूप से अनिवार्य' है : जनरल अनिल चौहान

सीडीएस ने कहा

- विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है
- उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को भी सीमित करती है

ब्यूरो

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने 'मानेकशॉ सेंटर' में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि हाल के वैश्विक संघर्षों में यह बात सामने आई है कि कैसे ड्रोन 'युद्ध की रणनीति को अपने आकार व मूल्य के अनुपात में असमान रूप बदल सकते हैं'। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ड्रोन व काउंटर-अनमैन्ड एरियल सिस्टम (सी-यूएएस) (मानव रहित हवाई रोधी प्रणाली) में आत्मनिर्भरता भारत के लिए 'रणनीतिक रूप से अनिवार्य' है। जनरल चौहान ने यह भी कहा कि ' ऑपरेशन सिंदूर ' ने दिखाया है कि क्यों स्वदेशी रूप से विकसित मानव रहित हवाई प्रणालियां (यूएएस) और सी-यूएएस 'हमारे क्षेत्र और हमारी जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण हैं'। उन्होंने कहा कि 'यूएवी और सी-यूएएस के क्षेत्र में विदेशी ओईएम से वर्तमान में आयात किए जा रहे महत्वपूर्ण घटकों के स्वदेशीकरण' विषय पर थिंक टैंक 'सेंटर फॉर ज्वाइंट वारफेयर स्टडीज' के सहयोग से एकीकृत रक्षा कार्मिक मुख्यालय (एचक्यू-आईडीएस) की मेजबानी में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस बारे में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह आयोजन हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में हो रहा है जिसमें 'ऑपरेशन सिंदूर' भी शामिल है। इस संघर्ष ने यूएवी व सी-यूएएस के सामरिक महत्व और परिचालन प्रभावशीलता को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र में अपने मुख्य संबोधन में सीडीएस ने कहा कि ड्रोन वास्तविकता का प्रमाण हैं और हाल के संघर्षों में उनके व्यापक उपयोग ने दिखाया है कि कैसे ड्रोन युद्ध की रणनीति को अपने आकार और मूल्य के अनुपात में असमान रूप बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन का असमान उपयोग बड़े प्लेटफॉर्म को संवेदनशील बना रहा है और सेनाओं को हवाई रणनीतिक सिद्धांत, सी-यूएएस के विकास और इसके अनुकूल युद्ध कौशलों के वैचारिक पहलुओं पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करता है।' सीडीएस ने यह भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान ने 10 मई को हथियार रहित ड्रोन का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, ''हालांकि उनमें से कोई भी वास्तव में भारतीय सैन्य या नागरिक बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सका।' जनरल चौहान ने कहा, ''उनमें से अधिकतर को मार गिराया गया जबकि कुछ को जस की तस अवस्था में बरामद किया गया।' सीडीएस ने जोर देकर कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने हमें दिखाया है कि हमारे भूभाग और हमारी जरूरतों के लिए स्वदेशी रूप से विकसित यूएएस, सी-यूएएस क्यों महत्वपूर्ण हैं।आत्मनिर्भरता के सिद्धांत को रेखांकित करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि हम उन आयातित विशिष्ट तकनीकों पर निर्भर नहीं रह सकते जो हमारे आक्रामक और रक्षात्मक अभियानों के लिए महत्वपूर्ण हैं।' उन्होंने कहा, ''विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है, उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को सीमित करती है और इसके कारण महत्वपूर्ण पुर्जों की कमी होती है।

इमरान खान क्या कम थे

शहबाज-मुनीर की मुसीबत बढ़ाने अब राजनीति में आ रही हैं रेहम खान

एजेंसी। पाकिस्तान

- पाकिस्तान में लॉन्च हुई नई रिपब्लिक पार्टी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पूर्व पत्नी रेहम खान ने अपनी राजनीतिक पार्टी, पाकिस्तान रिपब्लिक पार्टी (पीआरपी) की शुरुआत के साथ आधिकारिक तौर पर देश के राजनीतिक क्षेत्र में कदम रख दिया है। रेहम ने पीआरपी को सिर्फ़ एक राजनीतिक संगठन से कहीं बढ़कर बताया। उन्होंने इसे एक जनशक्ति आंदोलन बताया, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की राजनीति को सच्ची जनसेवा के मंच में बदलना है। पत्रकार और लेखिका रेहम खान ने ज़ोर देकर कहा कि उनकी नवगठित पार्टी जनता की आवाज़ बनकर काम करेगी और सत्ताधारी अभिजात वर्ग को जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिबद्ध होगी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान रिपब्लिक पार्टी का जन्म देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल से बढ़ती जनता की हताशा से हुआ है। कराची प्रेस क्लब में प्रेस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने पहले कभी कोई राजनीतिक पद स्वीकार नहीं किया। एक बार मैं सिर्फ़ एक व्यक्ति के लिए एक पार्टी में शामिल हुई थी... लेकिन आज, मैं अपनी शर्तों पर खड़ी हूँ... यह सिर्फ़ एक पार्टी नहीं है, यह राजनीति को सेवा में बदलने का एक आंदोलन है। उन्होंने आगे कहा कि मैंने कराची प्रेस क्लब से कहा था कि जब भी मैं कोई घोषणा करूँगी, यहीं से करूँगी।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले सुधारों को लेकर छिड़ी राजनीतिक

ढाका। बांग्लादेश में आम चुनाव के नजदीक आते ही प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच चुनावों से पहले सुधारों की जरूरत को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। बांग्लादेश के 'द ढाका ट्रिब्यून' की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि चुनावों के नजदीक आते ही बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी और नवगठित नेशनल सिटिजन्स पार्टी (एनसीपी) के नेता इस मुद्दे को लेकर एक-दूसरे पर जुबानी हमला कर रहे हैं। बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि ओल्ड ढाका के मिटफोर्ड में 43 वर्षीय स्क्रैप व्यापारी लाल चंद सोहाग की हत्या देश में अशांति फैलाने और गलत राजनीतिक मकसदों को पूरा करने की साजिश है।

सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' पर सुनवाई 21 तक टाली

फिल्मकारों ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को दी चुनौती

बुधवार को अपराह्न ढाई बजे इस मामले में सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बागची की पीठ ने फिल्मकारों से कहा कि फिल्म निर्माताओं को आर्थिक रूप से क्षतिपूर्ति तो दी जा सकती है लेकिन कन्हैया लाल दर्जी हत्याकांड के आरोपियों की छवि को नुकसान पहुंचने की भरपाई नहीं की जा सकती। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने संबंधी दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। पीठ ने केंद्र की समिति से सभी पक्षों को सुनने के बाद बिना समय गंवाए तुरंत निर्णय लेने को कहा और हत्या के मामले में अभियुक्तों का पक्ष भी सुनने का निर्देश दिया। फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने कोर्ट में दाखिल की याचिका

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी द्वारा उच्च न्यायालय में दायर की गई याचिकाओं सहित अन्य याचिकाओं में दावा किया गया था कि 26 जून को जारी फिल्म का ट्रेलर ऐसे संवादों और दृश्यों से भरा पड़ा है जिनसे 2022 में सांप्रदायिक तनाव पैदा हुआ और आशंका है कि फिल्म की रिलीज से फिर से वही भावनाएं भड़क सकती हैं। उदयपुर के एक दर्जी कन्हैया लाल की जून 2022 में कथित तौर पर मोहम्मद रियाज़ और मोहम्मद गौस ने हत्या कर दी थी।

पूर्णिया में आदिवासी परिवार से मिला झामुमो का प्रतिनिधिमंडल

रांची। बिहार के पूर्णिया में आदिवासी परिवार के पांच लोगों को जिंदा जलाए जाने की घटना पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर मंत्री रामदास सोरेन, राजमहल सांसद विजय हांसदा, झामुमो केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा ने पीड़ित परिवारों से शिष्टमंडल ने पूर्णिया पूर्व प्रखण्ड रजीगंज पंचायत के टेटगामा आदिवासी टोला में मुलाकात की। साथ ही राहत सामग्री चावल, धोती साड़ी सहित सभी जरूरत का सामान भी प्रदान किया। प्रतिनिधिमंडल ने बिहार सरकार और पूर्णिया पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि बिहार सरकार की कानून व्यवस्था भाजपा ही चला रही है। इतनी नृशंस हत्या कभी नहीं हुई थी, जिसमें एक जगह मारा गया और दूसरे जगह जलाया गया और तीसरे जगह फेंका गया। आखिर पूर्णिया पुलिस क्या कर रही है। उन्होंने कहा कि यह कोई आकस्मिक घटना नहीं थी, बल्कि चार-पांच घंटे तक यह वारदात होती रही और बिहार पुलिस खासकर पूर्णिया पुलिस चुप बैठी रही। यह सुनियोजित साजिश के तहत हमारे आदिवासी लोगों की हत्या हुई है, पूरी घटना की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

सुरक्षा बलों के अद्वितीय योगदान को राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता : राज्यपाल

- गवर्नर ने रांची के धुर्वा में बोकारो में शहीद हुए जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को रांची के धुर्वा स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 133वीं बटालियन के कैंप में पहुंचकर जवान प्राणेश्वर कोच के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। 209 कोबरा इकाई के सीआरपीएफ जवान प्राणेश्वर कोच बोकारो जिले के गोमिया थाना अंतर्गत बिरहोरडेरा जंगल में नक्सल विरोधी अभियान में शहीद हो गए थे। राज्यपाल गंगवार ने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों के अद्वितीय योगदान को राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता।

वोकेशनल टीचर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

उच्च शिक्षा की बदहाली सुधारने को लगाई गुहार

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से वोकेशनल टीचर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अटल पांडेय के नेतृत्व में एक प्रतिनधिमंडल ने बुधवार को मुलाकात की और उन्हें सात सूत्री मांगपत्र सौंपा। डॉ अटल पांडेय ने राज्यपाल से कहा कि वोकेशनल सहित अन्य शिक्षा व्यवस्था का हाल बहुत ही खराब है। वोकेशनल के अधिकतर विभाग अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रहा है, परंतु उन्हें सम्मानजनक राशि नहीं मिल रही है। डॉ अटल पांडेय ने बताया, राज्यपाल से कहा गया कि वोकेशनल के प्रतिनिधि विश्वविद्यालय में नहीं होने से उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जाता। वोकेशनल विषयों के शिक्षकों और कर्मचारियों के समायोजन पर राजभवन और सरकार को विचार कर, उचित निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में प्राध्यापकों, कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं होना, जो प्राध्यापक कार्य कर रहें हैं उन्हें समय पर प्रोन्नति नहीं मिलना, राज्य के लिए अच्छी बात नहीं है। शिक्षा जगत में आज सेशन लेट होना, प्राध्यापकों के अभाव के कारण गुणवत्ता युक्त शिक्षा छात्रों को नहीं मिल पाना, मूलभूत सुविधाओं का अभाव चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रतिनिधिमंडल की मांगों को राज्यपाल ने गंभीरता से सुना और कहा कि सभी समस्याओं पर कुलपतियों की बैठक में विचार किया जाएगा। अतिथि शिक्षकों को सम्मानजनक फिक्स वेतन देने की बात भी कही। प्रतिनिधिमंडल में अवधेश ठाकुर, डॉ प्रशांत सौरभ और अभिषेक बनर्जी भी शामिल थे।

वोकेशनल टीचर एसोसिएशन की मांग

- झारखंड के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति जल्द हो।
- वोकेशनल गेस्ट शिक्षकों की मासिक वेतन विश्वविद्यालय द्वारा फिक्स किया जाए।
- डिपार्टमेंट द्वारा रिसर्च स्कॉलर की मदद की जाए, जिससे कि रिसर्च करने में विद्यार्थियों को समस्या उत्पन्न नहीं हो।
- सीनेट और सिंडिकेट तथा एकेडमिक या कोर कमेटी में वोकेशनल शिक्षकों के एक या दो सदस्य को रखा जाए।
- राज्य में वर्षों से लंबित प्राध्यापक के प्रमोशन पर जल्द निर्णय लिया जाए।
- लगभग 6 वर्षों से छात्र संघ चुनाव नहीं हुआ है, विश्वविद्यालय द्वारा छात्र संघ चुनाव की घोषणा हो।
- रांची विश्वविद्यालय में पीएचडी एंट्रेंस के नाम पर फार्म जमा किया गया था, एंट्रेंस एग्जाम की तिथि विश्वविद्यालय जल्द घोषित करे।
- इंटरमीडिएट शिक्षकों और कर्मचारियों का समायोजन विश्वविद्यालय और सरकार में वार्तालाप करके किया जाए।

बाबूलाल मरांडी ने राज्य की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठाए सवाल, कहा

आज भी मरीजों को खाट पर लादकर अस्पताल ले जाने को मजबूर हैं लोग

- सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, भ्रष्टाचार के कारण टूट रहीं आदिवासी समाज की उम्मीद

नवीन मेल संवाददाता

बाबूलाल मरांडी द्वारा सोशल मीडिया **'एक्स'** पर पाकुड़ के अमड़ापाड़ा प्रखंड की डूमरचीर पंचायत की साझा की गई तस्वीर।

रांची। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर राज्य की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। पाकुड़ जिला अंतर्गत अमड़ापाड़ा प्रखंड के बड़ा बास्को पहाड़ इलाके की एक तस्वीर साझा करते हुए बाबूलाल ने कहा कि आज भी लोग सड़क और एंबुलेंस सुविधा के अभाव में मरीजों को खाट पर लादकर अस्पताल तक पहुंचाने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि यह तस्वीर झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को आईना दिखाती है और सरकार की संवेदनहीनता को उजागर करती है। नेता प्रतिपक्ष मरांडी ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, झारखंड को अलग राज्य बनाने का उद्देश्य था कि यहां आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा हो और उनका सर्वांगीण विकास हो। झारखंड के आदिवासी समाज ने सपना देखा था कि शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसी मूल आवश्यकताओं पर आधारित योजनाओं से उनके जीवन में बदलाव आएगा। लेकिन आज भ्रष्टाचार, घोटाले और प्रशासनिक अनदेखी की वजह से आदिवासी समाज की उम्मीदें टूट रही हैं।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मरांडी ने लिखा है, केंद्र की भाजपा सरकार के नेतृत्व में देश ने इतनी प्रगति की है कि एक संथाल आदिवासी महिला आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन है। लेकिन, झारखंड में हेमंत सरकार की उपेक्षा ने राज्य की स्थापना के उद्देश्यों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि खाट पर मरीज को लाने की तस्वीर किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने वाली है।

बाबूलाल मरांडी ने सरकार और प्रशासन से अपील की कि राजनीति और सत्ता की महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर लोगों की वास्तविक समस्याओं और मानवीय संवेदनाओं को समझें। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और मूलभूत अधिकारों की हकदार है, जिसे देना सरकार की जिम्मेदारी है। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार से मांग की कि दुर्गम इलाकों में सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं की तत्काल व्यवस्था की जाए ताकि आदिवासी समाज को और अधिक पीड़ा न झेलनी पड़े। उन्होंने कहा कि यह समय संवेदनशीलता दिखाने का है, ताकि झारखंड की जनता के सपनों और उनके अधिकारों की रक्षा हो सके।

पिता ने बीमार बेटे को खाट पर लाद पहुंचाया अस्पताल

रांची। पाकुड़ के अमड़ापाड़ा प्रखंड की डूमरचीर पंचायत में पिता ने बीमार बेटे को इलाज के लिए खाट पर लेकर हॉस्पिटल पहुंचाया। गांव तक जाने के लिए आज तक संपर्क पथ नहीं बना है। और, इस कारण आज भी लोगों को खटिया पर लाद कर मरीजों को इलाज के लिए ले जाना पड़ता है। अमड़ापाड़ा प्रखंड के डूमरचीर पंचायत में बड़ा बास्को पहाड़ निवासी बामना पहाड़िया बीमार पड़ गया। बच्चे के बीमार होने पर पिता कमला पहाड़िया के समक्ष बेटे को अस्पताल तक पहुंचाने की समस्या सामने आ गई। गांव से दो किमी दूर मुख्य सड़क तक जाने के लिए संपर्क पथ नहीं रहने से उन्हें वाहन नहीं मिलता, इसलिए वे अपने अन्य परिजनों व संबंधियों का सहयोग लिया और बेटे को खाट पर लादकर इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए।

सरकार नहीं सुनी तो करेंगे आत्मदाह : मोर्चा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड अंगीभूत महाविद्यालय अनुबंध शिक्षकेतर कर्मचारी मोर्चा का बुधवार को राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन 100वें दिन भी जारी रहा। मौके पर मोर्चा के जय मसीह तिग्गा ने कहा कि बगल में ही राज्यपाल, रांची यूनिवर्सिटी के कुलपति सहित अन्य गण्यमान्य मौजूद हैं, लेकिन किसी का ध्यान हमारी समस्या की ओर नहीं जा रहा है। जय मसीह तिग्गा ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से सत्ता में आने से पहले आदिवासी मूलवासियों को सम्मान दिलाने की बातें कही गई थी। पर, अब यहां के खतियान धारकों को बेरोजगार बना दिया गया है। हमें विवश होकर फुटपाथ पर बैठना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षकेतर कर्मियों पर हेमंत सरकार का कोई ध्यान नहीं है। मौके पर मोर्चा के संयोजक रवि कुमार ने कहा कि 100 दिन से अधिक दिन हो चुके हैं, लेकिन इस दौरान न ही विश्वविद्यालय, राजभवन या राज्य सरकार किसी ने हमारी सुधी नहीं ली। उन्होंने कहा कि सभी कर्मियों के समक्ष भुखमरी की स्थिति है। विश्वविद्यालय कर्मियों की ओर से लगातार बातें रखी जा रही हैं, लेकिन सिर्फ गोल-मटोल जवाब दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नया एजुकेशन पॉलिसी के तहत हमें नौकरी से निकालने की बातें कही गई। हमें कहा जाता है कि इंटरमीडिएट का काम करते थे। लेकिन अब इंटरमीडिएट की पढ़ाई समाप्त हो गई तो आप स्वयं नौकरी छोड़ दें। मौके पर मनीष गोप ने कहा कि बीते 23 मार्च से हम सभी काम पर नहीं नहीं जा रहे हैं। इसके बाद से हम सभी धरना देने को विवश हुए हैं। हमें वापस नौकरी पर रखने का आश्वासन दिया जा है, लेकिन ताल-मटोल किया जा रहा है। नौकरी से निकालने के बाद हम सभी ने बूट पॉलिश से लेकर पकौड़े तलने तक का काम किया। बावजूद इसके, सरकार का हमारी तरफ कोई ध्यान नहीं है।

नामकुम पावर ग्रिड में डकैती मामले में अपराधियों की तलाश शुरू

रांची। जिले के नामकुम पावर ग्रिड में डकैती करने वाले अपराधियों की तलाश शुरू कर दी गई है। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि जिन अपराधियों ने डकैती को अंजाम दिया था, उनके कपड़े चड्डी-बनियान गिरोह के जैसे थे, मामले में नामकुम पुलिस को भी कई जानकारियां मिली है। जिसके आधार पर अपराधियों की तलाश की जा रही है। सोमवार की रात पावर ग्रिड में बिजली कर्मी और सुरक्षा प्रभारी को बंधक बनाकर लगभग 16 लाख रुपए की डकैती को अंजाम दिया था। पावर ग्रिड में 8 से 10 की संख्या में अपराधी रात के 10 बजे पहुंचे थे और करीब 2 घंटे तक डकैती को अंजाम दिया था।

भाजपा शासित राज्यों में भ्रष्टाचार चरम पर : राकेश

रांची। झारखंड कांग्रेस के मीडिया प्रभारी एवं महासचिव राकेश सिन्हा ने बुधवार को कहा कि भाजपा शासित राज्यों में भ्रष्टाचार चरम पर है। मानसून आया और आपके टैक्स के पैसे भी बहा ले गया। हर बार जब कोई पुल गिरता है, कोई सड़क बह जाती है, ट्रेन पटरी से उतरती है। ये सिर्फ निर्माण की असफलता नहीं, संगठित लूट है। हर बार जब हादसे में किसी के प्रिय की जान जाती है और कोई जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता तो वो दुर्घटना नहीं, हत्या होती है। सरकारें टैक्स इसलिए लेती हैं कि जनता को सड़कें, पुल, अस्पताल, बिजली, पानी मिले। लेकिन भाजपा सरकार में ये पैसा भ्रष्ट नेताओं की जेब और सरकारी कमीशनखोरों की तिजोरी में जाता है। झारखंड में भी घोटाला के कई उदाहरण भाजपा के कार्यकाल में राज्य की जनता ने देखा है।

सरस्वती विद्या मंदिर के मेधावी छात्रों को मिला पुरस्कार

रांची। वनवासी कल्याण केंद्र से संबद्ध श्रीहरि वनवासी विकास समिति की ओर से संचालित सरस्वती विद्या मंदिरों के मेधावी छात्रों को बुधवार को सम्मानित किया गया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के सभागार में मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर 10वीं जैक बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 96 छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही 80 प्राथमिक-मध्य विद्यालयों के छह प्रतियोगिताओं को नकद राशि प्रदान की गयी। वनवासी कल्याण केंद्र से संबंधित विद्यालयों में 1296 छात्रों ने परीक्षा दी थी। इनमें 97.15 प्रतिशत छात्रों ने सफलता प्राप्त की। सलडेगा (सिमडेगा) की भारती कुमारी और सुमन सिंह ने 94 प्रतिशत अंक लाकर जिले में टॉप किया। अनुज कुमार साहू ने 93 प्रतिशत लाकर चौथा स्थान प्राप्त किया। बसिया (गुमला) की सोनी कुमारी ने 94.2 प्रतिशत अंक लाकर पांचवां स्थान पाया। वहीं जनजातीय छात्र बबलू उरांव, पिंटू उरांव (90.4) और ममता सोरेन (88 प्रतिशत) लाकर शानदार प्रदर्शन किया। मौके पर इस अवसर पर वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने कहा कि संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्राम विकास और संस्कार के 14 आयामों में कार्य कर रही है। विशिष्ट अतिथि पूर्व अधिवक्ता अजीत कुमार ने कहा कि ग्रामीण बच्चों के लिए ये विद्यालय मिशनरी का विकल्प बनकर उभरे हैं।

पृष्ठ एक के शेष

सहयोग नहीं मिलेगा तो...

नगर निगम के प्रशासक थे, तब भी यह प्रयास किया गया, और उससे पूर्व के प्रशासक वर्तमान पलामू डीसी ने भी हयूम पाइप प्रस्ताव के लिए जनसंपर्क किया, लेकिन स्थानीय लोगों ने अनुमति नहीं दी। अब ऐसी स्थिति में प्रशासन क्या कर सकता है? जब तक लोग सहयोग नहीं करेंगे, हालात नहीं सुधरेंगे, सांसद ने यह कहते हुए आम जन से सहयोग की अपील की। सांसद वीडी राम ने यह भी बताया कि वह अपने सांसद निधि से नगर निगम क्षेत्र में सीधे तौर पर कोई कार्य नहीं कर सकते। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एक बार उन्होंने रेड़मा चौक के पास एक सड़क की स्वीकृति दी थी, लेकिन वह बन नहीं सकी, क्योंकि फंड का उपयोग निगम क्षेत्र में नहीं किया जा सकता।

व्यक्तिगत परेशानी साझा करते हुए उन्होंने कहा, "मेरे घर में पानी भर गया है, घर लगभग डूब गया है। चार-पांच सांप निकले हैं। मैंने घर के लोगों से कह दिया है कि बाहर चले जाओ, अब क्या करें, यही देखना पड़ रहा है।"

सांसद ने कहा कि प्रशासनिक तंत्र के साथ जनसहयोग आवश्यक है, वरना बारिश के साथ ऐसे ही हालात दोहराए जाते रहेंगे।

ड्रेनेज का रोडमैप तैयार करे नगर निगम नहीं तो...

उन्होंने अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उस दौरान कई बड़े ड्रेनेज बनाए गए थे, लेकिन वर्तमान में ड्रेनेज से पहले ही पानी के बहाव को बाधित कर दिया जा रहा है, जिससे व्यवस्था ध्वस्त हो रही है। आने वाले दिनों में शहर की स्थिति और भी खराब होने वाली है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ खास लोगों के दबाव में नगर निगम नक्शा पास नहीं करता, जिससे नियम तोड़कर निर्माण होते हैं। शहरी क्षेत्र के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्र में जमीन की ऊंची कीमतों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लोग एक इंच जमीन तक छोड़ने को तैयार नहीं होते, जिससे नाली और सड़क निर्माण में बाधा आती है। उन्होंने कहा कि नगर निगम को चाहिए कि तत्काल पूरे शहर का ड्रेनेज रोडमैप तैयार करे और सख्त कार्रवाई करे, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। वरना इससे भी खराब स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

नाली निर्माण में अनियमितता ही जलजमाव...

निर्माण बिना सोच-विचार के किया गया। पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा लाखों रुपये नाली निर्माण पर खर्च कर दिए गए, लेकिन बहुत कम ही ऐसी नालियां बनी हैं जो सही मायने में जल निकासी में सहायक हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी निर्माण कार्य शुरू करने से पहले उसकी प्रासंगिकता, ज़रूरत और सिस्टम का आकलन ज़रूरी होता है। कहां नाली की ज़रूरत है, किस दिशा में पानी जाएगा, इन सवालों पर विचार नहीं हुआ। पूनम सिंह ने सुझाव दिया कि स्थिति को सुधारने के लिए एक ठोस योजना बनाई जाए और नाली निर्माण पर फिर से मंथन किया जाए। साथ ही उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे नगर निगम के साथ सहयोग करें ताकि मिलकर इस गंभीर समस्या का समाधान खोजा जा सके।

नाली के नाम पर सिर्फ लीपापोती, अतिक्रमण और ठेकेदारी ने...

यह विकास नहीं, ठेकेदारों के लिए लाभ की स्कीम है।" उन्होंने शांतिपुरी इलाके का उल्लेख करते हुए बताया कि वहां पहले एक बहता हुआ बड़ा नाला था, जिसे अब संकरी नाली में तब्दील कर दिया गया है। "ऐसे में पानी निकलेगा कैसे? अगर पुराना नाला होता तो जलजमाव की स्थिति नहीं बनती। भगवती हॉस्पिटल के पास पुलिया अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुकी है। सुरेंद्र सिंह ने बताया कि वहां की छोटी पुलिया के पास अतिक्रमण करके लोगों ने पानी निकासी के रास्ता संकरा कर दिया है, जिससे नालियों का पानी उल्टा घरों में घुस रहा है। उन्होंने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा, "अतिक्रमण पर नगर निगम की कोई सख्ती नहीं है। लोग जहां चाहें, जैसा चाहें निर्माण कर रहे हैं। निगम मूकदर्शक बना है।" सबसे गंभीर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि आज भी निगम के जिन लोगों के कार्यकाल में यह व्यवस्था चरमराई थी, वही अब ठेकेदार बन गए हैं। "जब वही लोग ठेकेदारी कर रहे हैं, तो काम की गुणवत्ता की उम्मीद ही क्या की जा सकती है?" पूर्व अध्यक्ष ने नगर निगम से मांग की कि अतिक्रमण पर कठोर कार्रवाई की जाए, नालियों का पुनः सर्वेक्षण कर व्यावहारिक योजना बनाई जाए और ठेकेदारों की जवाबदेही तय की जाए।

अतिक्रमण बना जलजमाव का कारण...

और जगह-जगह जलजमाव हो रहा है। उन्होंने बताया कि जलनिकासी की समस्या को तत्काल दूर करने के लिए नगर निगम की टीम ने आज दो स्थानों पर जेसीबी मशीन से खुदाई कर पानी की निकासी कराई। "एक कार्य समता आहर के पास और दूसरा गायत्री मंदिर के पास किया गया, जहां कुछ लोगों ने नाली को मिट्टी डालकर बंद कर दिया था। नगर निगम प्रशासन ने साफ किया है कि बारिश थमने के बाद ऐसे सभी स्थलों की पहचान कर अतिक्रमण हटाया जाएगा और स्थायी जलनिकासी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

लुगू पहाड़ के काशीटांड़ जंगल में पुलिस...

और बोकारो पुलिस की ओर से विशेष अभियान शुरू किया गया। जंगल में सर्च के दौरान ही पुलिस का नक्सलियों से सीधे सामना हो गया। इसके बाद दोनों तरफ से मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें पांच लाख का इनामी कुंवर माझी मार गया। कुंवर के मारे जाने के बाद उसका एके-47 राइफल भी पुलिस ने बरामद किया है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान नक्सलियों की ओर से अचानक की गई गोलीबीरी में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 209वीं कोबरा इकाई के कांस्टेबल प्रनवेश्वर कोच (33) गोली लगने से बलिदान हो गए। वह मूल रूप से असम के कोकराझार के रहने वाले थे। आईजी ने बताया कि पुलिस को भारी पड़ता देख नक्सलियों ने कुछ ग्रामीणों को आगे कर पुलिस से बचने की कोशिश की। इसमें भी जब नक्सली कामयाब नहीं हुए, तब उन्होंने एक ग्रामीण की गोली मारकर मौके पर हत्या कर दी। ताकि पुलिस को मौके पर भटकाया जा सके। मारा गया ग्रामीण लुगू इलाके का ही रहने वाला था। पुलिस और नक्सलियों के बीच यह मुठभेड़ उसी लुगू पहाड़ पर हुई है, जहां इसी साल अप्रैल महीने में एक करोड़ का इनामी विवेक सहित आठ नक्सली एनकाउंटर में मारे गए थे। आईजी बोकारो ने बताया कि नक्सलियों की तलाश में अभी भी इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

मंत्री इरफान अंसारी को झटका...

2020 का है, जब योग शिक्षिका राफिया नाज ने सिविल कोर्ट रांची में इरफान अंसारी के खिलाफ शिकायतवाद दर्ज कराया था। आरोप है कि मंत्री ने एक निजी समाचार चैनल पर राफिया के पहनावे को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे उनकी छवि धूमिल हुई और धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। शिकायत में स्त्री लज्जा भंग करने, भीड़ को हिंसा के लिए उकसाने और मानहानि के आरोप लगाए गए हैं। अदालत मानहानि और शांति भंग करने के इरादे से अपमान करने के मामले में संज्ञान लिया है। साथ ही इरफान अंसारी के खिलाफ उपस्थिति को लेकर समन जारी किया गया है।

राजनीति

झामुमो पर भाजपा का हमला, प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कहा

झारखंड को तबाह कर अब दूसरे राज्यों में झांक रहा है झामुमो

- झारखंड में शोषण पर मौन, ओडिशा पर शोर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झामुमो की प्रेस वार्ता पर भाजपा ने बेहद तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उसे "गिद्ध राजनीति" का जघन्य उदाहरण करार दिया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कहा कि झामुमो अब अपनी नैतिकता और संवेदनशीलता दोनों खो चुका है और चुनिंदा घटनाओं पर शर्मनाक ढंग से सियासी रोटियाँ सेंकने में जुट गया है।

अजय साह ने दो टूक कहा कि झामुमो अब "घिनौनी सेलेक्टिव पॉलिटिक्स" पर उतर चुका है, जहाँ पार्टी की आंखें और जुबान तब बंद रहती हैं जब अपराधी उनके गठबंधन से होते हैं, लेकिन जैसे ही भाजपा शासित राज्य में कोई दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटती है, वे गिद्ध की तरह मौके पर राजनीति करने आ धमकते हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि कोलकाता के आर.जे. कर मेडिकल कॉलेज में जब छात्र बलात्कार की घटना के बाद आंदोलित थे, तब झामुमो की पूरी लीडरशिप चुप थी। और जब कोलकाता लॉ कॉलेज में इंडी गठबंधन के छात्र नेता पर गैंगरेप का गंभीर आरोप लगा, तब भी झामुमो ने एक शब्द नहीं बोला। अजय साह ने तंज कसते हुए कहा, "क्या झामुमो के लिए अपराध की गंभीरता अपराधी की पार्टी पहचान देखकर तय होती है?"

भाजपा प्रवक्ता ने झामुमो की राजनीतिक प्राथमिकताओं पर करारा वार करते हुए कहा कि जो पार्टी झारखंड को बर्बाद कर चुकी है, वह अब उन राज्यों की घटनाओं पर सियासत करने में लगी है जहाँ उसकी कोई जवाबदेही नहीं है। उन्होंने कहा कि पलामू के शेल्टर होम में नाबालिग लड़की ने खुलेआम आरोप लगाया कि एक अधिकारी उसे 'ख़ुश करने' का दबाव बना रहा था, लेकिन पूरा सरकारी सिस्टम उस अधिकारी को बचाने में जुट गया।

लातेहार स्कूल में हुई यौन शोषण की घटना को लेकर भी भाजपा ने सरकार पर जमकर हमला बोला। साह ने कहा कि तीन दिन बीतने के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा देने वाली पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है।

भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ बढ़ा अत्याचार : सुप्रियो

रांची। झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रिया भट्टाचार्य ने बुधवार को कहा कि वर्ष 2014 के बाद भाजपा-शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़े हैं। उन्होंने कार्यालय कैंप में प्रेस वार्ता में कहा कि भाजपा का 'बेटी बचाओ' नारा महज दिखावा बन गया है। वे सुप्रिया भट्टाचार्य ने ओडिशा, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात और मणिपुर सहित कई राज्यों का हवाला देते हुए दावा किया कि भाजपा की सरकारों में महिला सुरक्षा का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने हाल ही में ओडिशा के बालासोर की एक बीएड छात्रा की आत्महत्या को गंभीर बताते हुए कहा कि 'बेटी बचाओ' से अब भाजपा की छवि 'बेटी जलाओ' पार्टी जैसी हो गई है।

प्रचंड फॉर्म में भारतीय महिला टीम

अब इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज पर निगाहें

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच साउथैम्प्टन में वनडे सीरीज का पहला मैच खेला जाना है। टीम इंडिया ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में टी20 सीरीज 3-2 से अपने नाम की है। ऐसे में मेहमान टीम के हौसले बुलंद होंगे। 30 सितंबर 2025 से भारत की मेजबानी में आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत होगी। इसके कुछ मुकाबले श्रीलंका में भी खेले जाने हैं। भारत-इंग्लैंड के बीच इस वनडे सीरीज को विश्व कप की तैयारियों से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

भारत ने इस साल आठ वनडे मैच खेले हैं, जिसमें सात अपने नाम किए। टीम इंडिया ने जनवरी में आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया था, जिसके बाद श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के साथ खेली गई त्रिकोणीय सीरीज जीती। अब अगर भारतीय महिला टीम, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज भी जीत लेती है, तो वर्ल्ड कप से पहले उसका मनोबल बढ़ेगा। युवा सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल को एक बार फिर अनुभवी शेफाली वर्मा पर तरजीह देते हुए टीम में शामिल किया गया है। प्रतिका ने त्रिकोणीय सीरीज में प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ महिला वनडे में सबसे तेज 500 रन पूरे किए हैं। स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिगेज, हरलीन देओल और ऋचा घोष की मौजूदगी में टीम की बल्लेबाजी दमदार नजर आती है। वहीं स्नेह राणा, श्री चरणी, क्रांति गौड़ और अरुंधती रेड्डी विपक्षी टीम से मैच छीनने का माद्दा रखती हैं। नैट साइवर-ब्रंट चोट से उबरकर वापस इंग्लैंड के खेमे में लौटी हैं, उनके पास टीम की कमान है। वहीं, वनडे फॉर्मेट की शीर्ष गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन घुटने की चोट से उबरकर टीम में वापसी कर चुकी हैं। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच साल 1978 से अब तक कुल 76 वनडे मैच खेले गए हैं, जिसमें इंग्लैंड ने 40 मुकाबले जीते। वहीं, भारत ने 34 मैच अपने नाम किए। दो मुकाबले बेनतीजा रहे। भारत-इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला भारतीय समय के अनुसार शाम 5.30 बजे से शुरू होगा।

- **भारत :** प्रतिका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिगेज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, श्री चरणी, सयाली सतघरे, यास्तिका भाटिया, तेजल हसबनीस, अरुंधति रेड्डी और राधा यादव।
- **इंग्लैंड :** टैमी ब्यूमोंट, एमी जोन्स (विकेटकीपर), एम्मा लैंब, नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), सोफिया डंकले, एलिस कैप्सी, एलिस डेविडसन रिचर्ड्स, केट क्रॉस, लिन्से स्मिथ, लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, चार्ली डीन, मैया बाउचियर, एम अर्लॉट और सोफी एक्लेस्टोन।

शुभमन गिल का खुलासा, उम्मीद नहीं थी किंग चार्ल्स लॉर्ड्स टेस्ट देखेंगे

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि टीम को उम्मीद नहीं थी कि किंग चार्ल्स लॉर्ड्स टेस्ट मैच देखेंगे। भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने मंगलवार को लंदन स्थित 'क्लेरेंस हाउस' में किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात की। इस दौरान किंग चार्ल्स ने जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, शुभमन गिल समेत अन्य खिलाड़ियों से बातचीत की। किंग चार्ल्स तृतीय ने अपनी परंपरा निभाते हुए लंदन दौरे पर आई भारतीय क्रिकेट टीम का क्लेरेंस हाउस में स्वागत किया। यह एक दोस्ताना मुलाकात थी। किंग चार्ल्स तृतीय इंग्लैंड दौरे पर राष्ट्रमंडल क्रिकेट टीमों का स्वागत करने की परंपरा रखते हैं। राष्ट्रमंडल प्रमुख के रूप में मेहमानों की मेजबानी कर रहे किंग चार्ल्स ने भारतीय टीम से बातचीत के दौरान बताया कि उन्होंने भारत-इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच की झलकियां देखीं। इस मुकाबले में गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम को महज 22 रन से करीबी हार झेलनी पड़ी थी। गिल ने 'बीसीसीआई' के 'एक्स' पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, "किंग चार्ल्स बहुत दयालु और उदार हैं। उन्होंने हमसे बहुत अच्छी बातचीत की। उम्मीद नहीं थी कि वह हमारा मैच देखेंगे।

किंग चार्ल्स ने बताया कि उन्होंने हमारे मुकाबले के आखिरी सेशन के कुछ अंश देखे। यह एक शानदार अनुभव था। हम इसके लिए बहुत आभारी हैं। इस दौरान क्लेरेंस हाउस में इंग्लिश अभिनेता और संगीतकार इद्रिस एल्बा ने भी खिलाड़ियों से मुलाकात की। इद्रिस एल्बा सेंट जेम्स पैलेस में आयोजित यूथ ऑपर्च्युनिटीज समिट के लिए लंदन पहुंचे थे। एल्बा ने भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस मुलाकात के दौरान बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराइस्वामी भी मौजूद थे। शुक्ला ने किंग चार्ल्स को अपनी पुस्तक 'स्कार्स ऑफ 1947' भेंट की। राजीव शुक्ला ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "ब्रिटेन के किंग चार्ल्स हम सभी से बहुत ही गर्मजोशी के साथ अपने घर पर मिले। वह खुशमिजाज व्यक्तित्व हैं। मुलाकात से पहले, उन्होंने हम सभी के बारे में काफी जानकारी इकट्ठा की थी।

आईसीसी ने इंग्लैंड पर जुर्माना, डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में बड़ा नुकसान

नई दिल्ली (आईएएनएस)। लॉर्ड्स टेस्ट में भारत पर मिली रोमांचक 22 रन की जीत के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने की कीमत इंग्लैंड को चुकानी पड़ी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) प्वाइंट्स टेबल से इंग्लैंड के दो अंक काट लिए गए हैं। टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बताया कि इंग्लैंड पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ के लिए आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार लगाया गया है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है।

ओल्ड ट्रैफर्ड में कभी टेस्ट नहीं जीता भारत, इंग्लैंड की रही 'बादशाहत'

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारत के खिलाफ पांच मुकाबलों की सीरीज में इंग्लैंड फिलहाल 2-1 से आगे हैं। शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथा टेस्ट खेलने उतरेगी। लॉर्ड्स में खेले गए रोमांचक टेस्ट में भारत को 22 रनों के करीबी अंतर से शिकस्त झेलनी पड़ी। अब सीरीज में एक बार फिर बराबरी के लिए टीम इंडिया को ओल्ड ट्रैफर्ड में यह मैच हर हाल में जीतना होगा। भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड के इस मैदान पर साल 1936 में पहली बार टेस्ट मैच खेला था, जो ड्रॉ रहा।

दिग्वेश राठी : वह 'मिस्ट्री स्पिनर', जो जल्द दे सकता है टीम इंडिया में दस्तक

नई दिल्ली (आईएएनएस)

दिग्वेश सिंह एक 'मिस्ट्री स्पिनर' हैं, जो गेंद फेंकने से पहले उसे छिपाकर रखते हैं, ताकि बल्लेबाज उसे पढ़ न सके। दिल्ली में 15 दिसंबर 1999 को जन्मा यह गेंदबाज दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) की खोज माना जाता है। साल 2024 में दिग्वेश ने डीपीएल के पहले ही सीजन अपनी चमक बिखेरते हुए 7.82 की इकॉनमी के साथ 14 शिकार किए। यही वजह रही कि इंडियन प्रीमियर लीग-2025 (आईपीएल) के लिए नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें 30 लाख रुपये के बेस प्राइज पर अपने साथ जोड़ा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी-2025 में दिग्वेश राठी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 मुकाबलों में 2.71 की इकॉनमी के साथ तीन विकेट अपने नाम किए। वह दो से ज्यादा मुकाबले खेलते हुए सर्वश्रेष्ठ इकॉनमी वाले गेंदबाज रहे।

ग्लोबल सुपर लीग 2025 : होबार्ट हरिकेंस को शिकस्त देकर सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स ने खोला जीत का खाता

नई दिल्ली (आईएएनएस)

सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स ने होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ ग्लोबल सुपर लीग-2025 के सातवें मैच को 16 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स ने सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। वहीं, होबार्ट हरिकेंस को दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की टीम तीन में से एक मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि होबार्ट हरिकेंस तीन में से दो मैच गंवाकर तीसरे स्थान पर मौजूद है। मुकाबले में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लेते हुए चार विकेट गंवाकर 167 रन बनाए। विल यंग और डेन क्लीवर ने 4.2 ओवर में 29 रन की साझेदारी की। टीम 40 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी। यहां से कप्तान टॉम ब्रूस ने कर्टिस हेफी के साथ चौथे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। टॉम ब्रूस 36 गेंदों में एक छक्के और आठ चौकों की मदद से 62 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कर्टिस ने 38 गेंदों में छह चौकों की मदद से 50 रन की नाबाद पारी खेली।

विपक्षी टीम की ओर से बिली स्टेनलेक, मोहम्मद नबी, उसामा मीर और ओडेन स्मिथ ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में होबार्ट हरिकेंस की टीम निर्धारित ओवरों में आठ विकेट गंवाकर 151 रन ही बना सकी। भानुका राजपक्षे 4 रन, जबकि कप्तान बेन मैकडरमोट 16 रन बनाकर आउट हो गए। आलम यह रहा कि टीम 84 के स्कोर तक अपने छह विकेट गंवा चुकी थी। यहां से मोहम्मद नबी ने फैबियन एलन के साथ सातवें विकेट के लिए 65 रन जोड़े। नबी ने 25 गेंदों में चार छक्कों और तीन चौकों के साथ 43 रन बनाए, जबकि एलन 16 गेंदों में पांच छक्कों के साथ 36 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी टीम की ओर से एजाज पटेल और ब्लेयर टिकनर ने दो-दो विकेट अपने नाम किए।

आईसीएल के रुकने पर छेत्री चिंतित, बोले–

फुटबॉल सिस्टम डरा, एआईएफएफ एफएसडीएल में नया एग्रीमेंट नहीं हुआ

नई दिल्ली । एजेंसी

भारतीय फुटबॉल के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने इंडियन सुपर लीग के रोके जाने पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा, इस समय जो स्थिति है, वह भारतीय फुटबॉल के लिए बहुत ही परेशान करने वाली है और इससे जुड़े खिलाड़ी, कोच, मेडिकल स्टाफ, और अन्य सभी लोग डरे और दुखी हैं।

छेत्री, जो बेंगलुरु एफसी के लिए आईसीएल में खेलते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि देशभर के खिलाड़ियों और स्टाफ से लगातार उन्हें फोन और मैसेज मिल रहे हैं, जिनमें भविष्य को लेकर चिंता जताई गई है। उन्होंने कहा कि यह केवल उनकी निजी परेशानी नहीं है, बल्कि पूरे फुटबॉल जगत की है।

भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद बैंकिंग शेयरों में हुई खरीदारी

मुंबई (आईएएनएस)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 63.57 अंक या 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 82,634.48 और निफ्टी 16.25 अंक या 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,212.05 पर था। बैंकिंग शेयरों में तेजी देखी गई। निफ्टी बैंक 162.30 अंक या 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 57,168.95 पर था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी खरीदारी हुई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 8 अंक की तेजी के साथ 59,620 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 4.80 की मामूली बढ़त के साथ 19,140.05 पर था। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, एफएमसीजी, रियल्टी, मीडिया, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा इंडेक्स हरे निशान में थे। मेटल, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा और कमोडिटीज लाल निशान में थे। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, टेक महिंद्रा, एसबीआई, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, आईटीसी, एक्सिस बैंक, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी, भारती एयरटेल और टाइटन टॉप गेनर्स थे। इटरनल (जोमैटो), सन फार्मा, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, बीईएल, टीसीएस और पावर ग्रिड टॉप लूजर्स थे। एसबीआई सिक्योरिटीज के तकनीकी एवं डेरिवेटिव्स अनुसंधान प्रमुख सुदीप शाह ने कहा कि सुस्त शुरुआत के बाद, बुधवार के सत्र के दूसरे भाग में भारतीय शेयर बाजारों ने वापसी की और निफ्टी लगातार दूसरे दिन हरे निशान में बंद हुआ। इस सुधार का नेतृत्व इन्फोसिस, एसबीआई और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे दिग्गज शेयरों ने किया, जो सूचकांक में बढ़त में सबसे ज्यादा योगदान देने वाले शेयरों के रूप में उभरे।

कैबिनेट ने रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को बढ़ाने के लिए एनटीपीसी को 20,000 करोड़ रुपए तक का निवेश करने की दी मंजूरी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने बुधवार को एनटीपीसी लिमिटेड को एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड और उसके अन्य संयुक्त उद्यमों/सहायक कंपनियों में निवेश के लिए 20,000 करोड़ रुपए तक के परिव्यय के साथ रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता स्थापित करने के लिए बिजली के बढ़े हुए आवंटन को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने महारत्न सीपीएसई को विद्युत आवंटन के मौजूदा दिशानिर्देशों से एनटीपीसी लिमिटेड को विद्युत आवंटन में वृद्धि की अनुमति दी है ताकि वह अपनी सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) में निवेश कर सके और इसके बाद, एनजीईएल एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनआरईएल) और उसकी अन्य संयुक्त उद्यमों/सहायक कंपनियों में निवेश कर सके। 2032 तक 60 गीगावाट क्षमता हासिल करने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी (आरई) क्षमता बढ़ाने के लिए यह राशि पूर्व में स्वीकृत 7,500 करोड़ रुपए की निर्धारित सीमा से बढ़कर 20,000 करोड़ रुपए तक हो सकती है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, एनटीपीसी और एनजीईएल को दिया गया यह विस्तारित आवंटन देश में रिन्यूएबल प्रोजेक्ट के त्वरित विकास में सहायक होगा। एक कैबिनेट नोट के अनुसार, "यह कदम पावर स्ट्रक्चर को मजबूत करने और पूरे देश में चौबीसों घंटे विश्वसनीय बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने में निवेश सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट कंस्ट्रक्शन चरण के साथ-साथ ऑपरेशन एंड मेनटेनेंस (ओ एंड एम) चरण के दौरान स्थानीय लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगे। इससे लोकल सप्लायर्स, लोकल उद्यमों/एमएसएमई को बढ़ावा मिलेगा और देश में उद्यमिता के अवसर बढ़ेंगे। साथ ही देश में रोजगार और सामाजिक-आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत ने अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त कर अपनी ऊर्जा परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

भारत के त्योहारी सीजन में 2.16 लाख से अधिक नौकरियां के होंगे अवसर

नई दिल्ली (आईएएनएस)

इस वर्ष भारत के त्योहारी सीजन में 2.16 लाख से ज्यादा सीजनल जॉब्स के अवसर होंगे, जो 2025 की दूसरी छमाही के दौरान जीआईजी और अस्थायी रोजगार में सालाना आधार पर 15-20 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। इस उछाल को बढ़ावा देने वाले प्रमुख क्षेत्रों में रिटेल, ई-कॉमर्स, बीएफएसआई, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य, यात्रा और फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) शामिल हैं। एचआर सर्विस प्रोवाइडर एडेको इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि रक्षा बंधन, बिग बिलियन डेज, प्राइम डे सेल, दशहरा, दिवाली और शादियों के मौसम जैसे प्रमुख आयोजनों को लेकर हायरिंग एक्टिविटी में तेजी आई है। कई कंपनियां मांग से आगे रहने और सामान्य से ज्यादा मजबूत त्योहारी सीजन के लिए परिचालन तैयारी सुनिश्चित करने के लिए हायरिंग की तैयारी में है। रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता भावना में सुधार, ग्रामीण मांग को बढ़ावा देने वाले अनुकूल मानसून, चुनाव के बाद आर्थिक आशावाद और सीजनल प्रमोशन की वजह से इस वर्ष की नियुक्तियों में तेजी देखी जा रही है। दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु, कोलकाता और पुणे जैसे महानगर सीजनल हायरिंग की मांग में अग्रणी बने हुए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। इसी समय, लखनऊ, जयपुर, कोयंबटूर, नागपुर, भुवनेश्वर, मैसूर और वाराणसी जैसे टियर-2 शहरों में नौकरियों की मांग में 42 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा रही है।

कैबिनेट ने हरित ऊर्जा अभियान को गति देने के लिए एनएलसीआईएल के निवेश नियमों को बनाया आसान

नई दिल्ली (आईएएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने बुधवार को एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) को नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों पर लागू मौजूदा निवेश दिशानिर्देशों से विशेष छूट को मंजूरी दे दी। सीसीईए बैठक के बाद जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस रणनीतिक निर्णय से एनएलसीआईएल अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एनआईआरएल) में 7,000 करोड़ रुपए का निवेश कर सकेगी और बदले में एनआईआरएल पूर्व अप्रूवल की आवश्यकता के बिना सीधे या संयुक्त उद्यम बनाकर विभिन्न परियोजनाओं में निवेश कर सकेगी। बयान में बताया गया है कि इस निवेश को सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा संयुक्त उद्यमों और सहायक कंपनियों में सीपीएसई द्वारा समग्र निवेश के लिए निर्धारित 30 प्रतिशत शुद्ध मूल्य सीमा से भी छूट दी गई है, जिससे एनएलसीआईएल और एनआईआरएल को बेहतर संचालन और वित्तीय अनुकूलन प्राप्त होगा। इस छूट का उद्देश्य एनएलसीआईएल के 2030 तक 10.11 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी (आरई) क्षमता विकसित करने और 2047 तक इसे 32 गीगावाट तक विस्तारित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करना है।

एलएटी एयरोस्पेस ने नहीं खरीदा कोई प्राइवेट जेट, हम विमान के व्यवसाय में नहीं : दीपिंदर

नई दिल्ली (आईएएनएस)

इटरनल (पूर्व में जोमैटो) के सीईओ दीपिंदर गोयल ने बुधवार को उन खबरों का खंडन किया है, जिसमें कहा जा रहा था कि उनके द्वारा समर्थित एविएशन स्टार्टअप 'एलएटी एयरोस्पेस' ने बॉम्बार्डियर ग्लोबल जेट खरीदा है। इटरनल के सीईओ दीपिंदर गोयल द्वारा समर्थित एलएटी एयरोस्पेस द्वारा बॉम्बार्डियर प्राइवेट जेट खरीदने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए, गोयल ने कहा, "एलएटी एक स्टार्टअप है और उसने कोई प्राइवेट जेट नहीं खरीदा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में उन्होंने कहा, "हमारा ध्यान क्षेत्रीय विमानन के लिए एयरक्राफ्ट बनाने पर है और हम विमान खरीदने के व्यवसाय में नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि एलएटी क्षेत्रीय विमानन के लिए एयरक्राफ्ट बनाता है और विमान खरीदने के व्यवसाय में नहीं है। उन्होंने हंसते हुए कहा, "मेरे पास भी व्यक्तिगत रूप से कोई विमान नहीं है। हालांकि, एक होना अच्छा होगा। एलएटी के स्वामित्व वाला बॉम्बार्डियर ग्लोबल सीरीज एयरक्राफ्ट 16 जुलाई को उड़ान भरने वाला था।